हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

हरिभूमि में बरसाने की होली...
नंदगांव से राधारानी के अंगना तक... प्रेम और परंपराओं के रंग में रंगी होली

हरिभूमि के लिए बरसाने से रिपोर्ट महाराज आशु गोस्वामी, फोटोग्राफर- रजत उरकुरकर, रायपुर

■ देशभर से पांच लाख लोग पहुंचे, इनमें से 2 हजार विदेशी मेहमान

अलग खबर

रुचि वर्मा/रायपुर। प्रेम और परंपराओं का रंग ओढ़े बरसाने की होली सप्ताहभर पहले से ही प्रारंभ हो चुकी है। हर साल की तरह इस बार भी लाखों की संख्या में भक्त यहां की ऐतिहासिक होली का गवाह बनने के लिए पहुंचे हुए हैं। श्री राधारानी मंदिर के सेवाधिकारी के अनुसार, इस बार पांच लाख भक्त बरसाना पहुंचे हुए हैं। इनमें से 2 हजार विदेश पर्यटक हैं। लंदन, अमेरिका से लेकर आस्ट्रेलिया से भी लोग यहां होली का आनंद लेने पहुंचे हुए हैं। आधुनिकता के दौर में जहां फागोत्सव सिमटते जा रहे हैं, यहां होली की भव्यता और ऐतिहासिकता बनी हुई है। ▶▶| शेष पेज 4 पर

दूर के होटल भी खाली नहीं

नंदगांव, मथुरा और बरसाना में होटलों के किराए में होली के वक्त सर्वाधिक वृद्धि हो जाती है। इस बार भी इसमें बढ़ोत्तरी हुई है। होली के दौरान इन तीनों ही जगहों में होटलों का किराया सामान्य दिनों की तुलना में दो से तीन गुना तक हो गया है। इन स्थानों से 20 से 40 किलोमीटर की दूरी में स्थित होटल भी पैक्ड हैं। न्यूनतम किराया 2500 रुपए तक है। दो से तीन ▶▶| शेष पेज 4 पर

पांच लाख श्रद्धालु

राधारानी के दर्शन और बरसाने की होली का हिस्सा बनने लगभग पांच लाख श्रद्धालु पहुंचे हुए हैं। हमने अपने स्तर पर तैयारी माह भर पहले ही प्रारंभ कर दी थी। होली की ऐतिहासिकता और परंपरा हम बनाए हुए हैं।
- महराज आशु गोस्वामी, सेवाधिकारी श्रीराधारानी मंदिर, बरसाना

INDIAN PREMIER LEAGUE 2024 स्कोर बोर्ड

दिल्ली		पंजाब
174/9	Vs	177/6

4 विकेट से जीता पंजाब
63 रन, सैम कुरैन
प्लेयर ऑफ द मैच

कोलकाता		हैदराबाद
208/7	Vs	204/7

4 रन से जीता कोलकाता

आज के मैच
राजस्थान Vs लखनऊ
समय : दोपहर 3.30 बजे
गुजरात Vs मुंबई
समय : शाम 7.30 बजे

खबर संक्षेप

अमेरिका चखेगा 'टेस्ट आफ इंडिया', दूध बेचेगा अमूल

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख डेयरी कंपनी अमूल अब अमेरिका में भी दूध का कारोबार करेगी। इसी के साथ अमूल ब्रांड की मालिक गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन अमेरिका में डेयरी क्षेत्र में काम करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई है। अमेरिका में अमूल ब्रांड का दूध बेचने के लिए गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन अमेरिकी डेयरी 'मिशिगन मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन' के साथ साझेदारी की है।

जहरीली शराब से मौत एसआईटी का गठन

चंडीगढ़। पंजाब के संगरूर में संदिग्ध जहरीली शराब पीने से छह और लोगों की मौत के बाद मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 20 हो गई है। इस बीच, एडीजीपी रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में चार सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया गया है।

ईडी की गिरफ्तारी और रिमांड के फैसले का विरोध, आप ने किया प्रदर्शन

केजरीवाल ने हाईकोर्ट से लगाई गुहार कहा- रिमांड और गिरफ्तारी अवैध

दिल्ली शराब नीति केस में गिरफ्तार दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने हाईकोर्ट में गुहार लगाई है। शनिवार शाम को केजरीवाल के वकील ने ईडी की गिरफ्तारी और निचली अदालत के रिमांड के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। वकीलों ने कहा कि दोनों फैसले अवैध हैं। केजरीवाल रिहाई के हकदार हैं। इस बीच, हाईकोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इंकार कर दिया। इस मामले में अब बुधवार को सुनवाई होगी।

हाईकोर्ट ने दिया झटका तत्काल सुनवाई से इंकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ईडी की ओर से अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। दरअसल, शुक्रवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल को राहत देने से इंकार करते हुए उन्हें 28 मार्च तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया है। हाईकोर्ट में दायर याचिका में उनकी ओर से दलील दी गई है कि ईडी की गिरफ्तारी और रिमांड का आदेश दोनों अवैध हैं। ऐसे में वो तुरंत ईडी की हिरासत से रिहा होने के हकदार हैं। केजरीवाल की ओर से हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश से रविवार 24 मार्च तक तत्काल सुनवाई की मांग की गई है।

बता दें कि ईडी ने कोर्ट में दावा किया कि कथित आबकारी घोटाला मामले में अपराध से अर्जित कमाई की 'बड़ी लाभार्थी' रही आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा धनशोधन कराए जाने के लिए केजरीवाल ने ▶▶| शेष पेज 4 पर

क्या है आरोप

ईडी ने आरोप लगाया कि केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 तैयार करने और लागू करने के लिए 'साउथ ग्रुप' से रिश्वत के रूप में कई करोड़ रुपए मिले। बाद में, इस नीति को रद्द कर दिया गया था। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने चुनाव लड़ने के लिए 'साउथ ग्रुप' के कुछ आरोपियों से कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये की मांग की।

केजरीवाल की पत्नी ने सुनाया संदेश

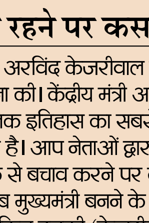

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शनिवार को ईडी की हिरासत से भेजे गए उनके संदेश को पढ़ा, जिसमें आम आदमी पार्टी प्रमुख ने कहा है कि उन्हें ज्यादा दिन तक जेल में नहीं रखा जा सकता। लोगों को किए अपने वादे पूरे करने जल्द बाहर आएंगे। भारतीय राजस्व सेवा की पूर्व ▶▶| शेष पेज 4 पर

भाजपा ने सीएम बने रहने पर कसा तंज

भाजपा ने गिरफ्तारी के बावजूद अरविंद केजरीवाल के दिल्ली का मुख्यमंत्री बने रहने की आलोचना की। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह देश के राजनीतिक इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण क्षण और सबसे घटिया राजनीति है। आप नेताओं द्वारा अपने नेता (केजरीवाल) का जोरदार तरीके से बचाव करने पर केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कटाक्ष किया कि वे अब मुख्यमंत्री बनने के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं लेकिन उनकी (केजरीवाल की) पत्नी भी अब इस दौड़ में शामिल हो गई हैं।

इधर, आप का दफ्तर सील, भड़कीं आतिशी

आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने शनिवार को दावा किया कि दिल्ली में पार्टी का कार्यालय सभी ओर से 'सील' कर दिया गया है। पार्टी चुनाव आयोग के सामने इस मामले की शिकायत करेगी। आतिशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में पार्टी कार्यालय को 'सील' करने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ये कदम संविधान की ओर से दिए गए समान अवसरों के खिलाफ है। उधर सौरभ भारद्वाज ने इस मुद्दे पर रिएक्ट करते हुए कहा कि उम्मीद है चुनाव आयोग निष्पक्ष रूप से इस पर कार्रवाई करेगा। उन्होंने चुनाव आयोग से दिल्ली पुलिस अधिकारी पर कार्रवाई की मांग की है। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा ▶▶| शेष पेज 4 पर

बस्तर में मुठभेड़

पीड़िया के जंगल में मुठभेड़ दो नक्सली के मिले शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

■ संयुक्त दल का नक्सल विरोधी अभियान

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने शनिवार को मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के पीडिया गांव में जंगल में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को बीजापुर के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गंगालूर और मुतवेंडी से बीजापुर डीआरजी, बस्तर फाइटर्स, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन और एसटीएफ के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान के लिये रवाना किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि इसके साथ ही सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिलगेर से सुकमा और दंतेवाड़ा डीआरजी, बस्तर फाइटर्स और सीआरपीएफ के दल को अभियान के वास्ते रवाना किया गया था। ▶▶| शेष पेज 4 पर

प्रेशर आईईडी ब्लास्ट, जवान घायल

वहीं, एंटी नक्सल ऑपरेशन में जाते हुए प्रेशर आईईडी की चपेट में आकर बस्तर फाइटर्स के दो जवान घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों जवानों को हेलीकॉप्टर से रायपुर बेहतर इलाज के लिए भेज दिया गया है। सुकमा के थाना जगरगुण्डा क्षेत्रांतर्गत डोडीतुमनार के जंगल में माओवादियों द्वारा लगाए गए आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से बस्तर फाइटर्स दंतेवाड़ा के 2 जवान आरक्षक राकेश कुमार मरकाम व आरक्षक विकास कुमार कर्मा घायल हो गए। घायल जवानों को उपचार के लिए रायपुर ले जाया गया है, घायल जवानों की स्थिति खतरे से बाहर है।

मंत्री टंकराम को 'महामूर्ख' की उपाधि

रायपुर। हरिभूमि-आईएनएच और कार्टून वॉच पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में महामूर्ख सम्मेलन का आयोजन शनिवार को हरिभूमि-आईएनएच परिसर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खेल मंत्री टंकराम वर्मा को 'महामूर्ख' की उपाधि दी गई। कार्यक्रम में विशेष रूप से हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, कार्टून वॉच पत्रिका के संपादक त्र्यंबक शर्मा मौजूद रहे। इस अवसर पर कवियों ने कविता और व्यंग्य रचनाओं से सम्मेलन को यादगार बनाया।

100 से अधिक सहकारी समितियों ने दायर की थी याचिका

हाईकोर्ट ने कहा- 30 दिन में 12 लाख टन धान का उठाव सुनिश्चित करे सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

खरीदी खत्म होने के 50 दिनों बाद भी 12 लाख टन धान का उठाव नहीं हो सका है। प्रदेश के 100 से अधिक सहकारी समितियों ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें मार्कफेड पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए समितियों ने करोड़ों रुपए के धान बरबाद होने की आशंका जताई थी। साथ ही समितियों से वसूली की बात ▶▶| शेष पेज 4 पर

खुले आसमान के नीचे पड़ा है धान

गौरतलब है कि इस साल बंफर धान की खरीदी हुई है। सभी समितियों ने निर्धारित लक्ष्य से कई गुना ज्यादा धान खरीदा है लेकिन अब धान का उठाव नहीं होने के कारण समितियों में धान जाम हो गया है। कुल मिलाकर किसान के खून पसीने की मेहनत से धान उग भी गया और खरीदी भी हो लेकिन अब आम आदमी के खून पसीने की कमाई से मिले टैक्स की राशि से खरीदा गया ▶▶| शेष पेज 4 पर

चौथी सूची जारी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और सांसद बैज की कटी टिकट

बस्तर से कवासी, राजगढ़ से दिग्गी समेत 45 को कांग्रेस का टिकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को 45 उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की। इसमें सबसे प्रमुख नाम पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का है। बस्तर से विधायक और पूर्व मंत्री कवासी लखमा को उम्मीदवार बनाया गया है। यहां से सांसद और प्रदेश कांग्रेस ▶▶| शेष पेज 4 पर

चार सीटों पर इंतजार

छत्तीसगढ़ में बस्तर लोकसभा से विधायक कवासी लखमा को टिकट दिया है। अभी भी छत्तीसगढ़ की चार सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार की घोषणा बाकी है।

अब तक 183 उम्मीदवार घोषित

पार्टी लोकसभा चुनाव के लिए अब तक 183 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। उसने पहली सूची में 39, दूसरी सूची में 43 और तीसरी सूची में 56 उम्मीदवार घोषित किए थे। देश में 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होंगे। इसके बाद छह और चरणों में 26 अप्रैल, सात मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और एक जून को मतदान होगा।

चुनावी संवाद में बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल से विशेष बातचीत

छत्तीसगढ़ सरकार के काम, मोदी के व्यक्तित्व के प्रति जनता के विश्वास पर हम सभी सीटें जीतेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लोकसभा चुनाव में चार लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी बनाए गए अमर अग्रवाल ने कहा, जनता केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार के काम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व से प्रभावित है। छत्तीसगढ़ सरकार ने मोदी की हर गारंटी को पूरा किया। उससे जनता में विश्वास बढ़ा है। जनता में जो उत्साह है, उसे लेकर हम आशान्वित हैं। मुझे विश्वास है कि हम छत्तीसगढ़ की सभी सीटें जीतेंगे। श्री अग्रवाल ने चुनावी संवाद में हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी से विशेष बातचीत की। ▶▶| शेष पेज 4 पर

सवाल - आपको पार्टी ने चार-चार संसदीय क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी है। ऐसा क्यों?

जवाब- भाजपा में पहले एक-एक संसदीय क्षेत्र का काम दिया जाता था। इस बार भाजपा ने 11 सीटों को तीन क्लस्टर में बांटा है। चार सीट का एक क्लस्टर और तीन का एक क्लस्टर। न केवल छत्तीसगढ़ को पूरे देश को 150 क्लस्टर में 542 सीट के लिए बांटा गया है। छत्तीसगढ़ में मुझे चार संसदीय क्षेत्र के संचालन का दायित्व दिया है। यह मेरे लिए सुखद विषय है कि पार्टी मुझ पर विश्वास करती है।

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

सवाल - बिलासपुर, रायगढ़, सरगुजा और कोरबा लोकसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी है। यहां प्रत्याशियों को देखते हुए रणनीति क्या होगी?

जवाब- रायगढ़ के प्रत्याशी जिला पंचायत और जनपद सदस्य रहे हैं। जनता के बीच अच्छी छवि है। उसके आधार पर ही उन्हें पार्टी ने टिकट दिया। बिलासपुर के जो प्रत्याशी हैं, वे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के विधानसभा चुनाव के दौरान संचालक रहे हैं। सरगुजा में चिंतामणि महाराज को प्रत्याशी बनाया गया है। सामरी विधानसभा से वे कांग्रेस के विधायक रहे। अगर थोड़ा पीछे जाएं तो वे पहले भाजपा से लुंड्रा विधानसभा से भाजपा की सीट पर विधायक रहे। रायगढ़ और सरगुजा में उनको मानने वाले अधिक हैं। विचारों से भाजपा के समीप रहा परिवार है। वे पिछले चुनाव में किन्हीं परिस्थितियों की वजह से कांग्रेस में चले गए थे। बाद में उन्हें लगा कि भाजपा ही ठीक थी, तो वापस आए हैं। पार्टी ने उन्हें क्षेत्र में उनकी पकड़ की वजह से टिकट दिया है। कोरबा से पार्टी ने पूर्व में करूणा शुक्ला, जो राष्ट्रीय महिला मोर्चा की अध्यक्ष थी, उनको उतारा था वहां पर सकारात्मक परिणाम आया था। पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय एक बड़ा व्यक्तित्व हैं। उन्होंने राज्यसभा के बजाय लोकसभा से जाने का विचार व्यक्त किया। उसके आधार पर टिकट दिया है। वहां की जनता को उम्मीद है कि बड़े व्यक्तित्व के यहां से आने से विकास अच्छा होगा।

हरिभूमि रण भूमि
लोकसभा
सत्ता संग्राम-2024

राजनांदगांव
लोकसभा सीट का रोचक है राजनीतिक इतिहास

बघेल से पहले भी कई बाहरी प्रत्याशियों ने आजमाया है भाग्य

1957 में हुए आम चुनाव में मुंबई से आकर नांदगांव के सांसद बने थे रामसहाय पांडे

"लोकसभा या विधानसभा के चुनाव आते ही लोकल, बाहरी और जातीयता जैसे मुद्दा सिर चढ़कर बोलने लगते हैं। राजनीतिक दल एक-दूसरे को घेरने के लिए इन मुद्दों को पूरी ताकत से उठाते हैं, क्योंकि उनका मानना होता हैं, इनसे उन्हें चुनावी लाभ हो सकता है, किन्तु राजनीतिक इतिहास की पृष्ठभूमि में जाकर देखा जाए तो यह बात साफ है कि मतदाताओं पर इसका कोई खास असर नहीं पड़ता है और वह उसे ही चुनते हैं जो उनकी कसौटी में खरा उतरता है।

धन्य कुमार जैन ▶▶| राजनांदगांव

आसन्न लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। आने वाले दिनों में अधिसूचना जारी होने के साथ ही चुनावी गतिविधियां शुरू हो गई हैं। आसन्न चुनाव के लिए केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा ने मौजूदा सांसद संतोष पांडे को उम्मीदवार बनाया है, जिनका मुकाबला राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से होगा। अन्य दलों ने अभी अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। बघेल की उम्मीदवारी के बाद से भाजपा हमलावर बनी हुई है और उन्हें बाहरी प्रत्याशी बताकर घेरने का मौका नहीं छोड़ रही है। वहीं बघेल इसे खारिज करते कह रहे हैं कि राजनांदगांव एक समय दुर्ग का ही हिस्सा रहा है, इसलिए उनका शुरू से यहां से नाता रहा है।

1989

में भाजपा ने दुर्ग के धर्मपाल गुप्ता को मैदान में उतारा था। उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस सांसद शिवेंद्र बहादुर सिंह को परास्त किया था

इनमें है मुकाबला

स्वागत के बाद विरोध

बघेल के पड़ोसी दुर्ग जिले का निवासी होने के कारण भाजपा वर्तमान में भले ही सवाल खड़े कर रही है, जबकि वह स्वयं भी पहले दुर्ग के व्यक्ति को उम्मीदवार बना चुकी है। भाजपा ने 1989 में दुर्ग के धर्मपाल गुप्ता को मैदान में उतारा था। उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस सांसद शिवेंद्र बहादुर सिंह को परास्त किया था। मध्यावधि चुनाव में भी गुप्ता ही भाजपा प्रत्याशी थे। इस बार उन्हें पराजय का मुंह देखना पड़ा था।

स्वागत के बाद विरोध

राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र में बाहर के नेता पहली बार अपनी किस्मत नहीं आजमा रहे हैं। इस संसदीय क्षेत्र में पहले कई मौके ऐसे आ चुके हैं, जब राजनीतिक दलों ने बाहर के नेताओं को उम्मीदवार बनाया और मतदाताओं ने स्वीकार भी किया। कांग्रेस ने 1957 में हुए आम चुनाव में मुंबई के कारोबारी रामसहाय पांडे को उम्मीदवार बनाया था। उन्हें भारतीय लोकदल के मदन तिवारी ने पराजित किया था। 1971 के चुनाव में भी पांडे ही कांग्रेस के प्रत्याशी थे, जिन्होंने इंडियन नेशनल कांग्रेस आर्गेनाइजेशन की पदमावती देवी को पराजित किया था। पांडे 77 के चुनाव में भारतीय लोकदल के प्रत्याशी मदन तिवारी से चुनाव हार गए थे।

फिर दुर्ग के नेता की एंट्री

बाहरी नेताओं की राजनांदगांव की राजनीति में एंट्री का सिलसिला यही नहीं थमा। एक लंबे समय तक राजनांदगांव में निवास करने के बाद दुर्ग शिफ्ट होकर पार्षद से केंद्रीय मंत्री तक सफर तय करने वाले कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा ने 1998 के आम चुनाव में भाग्य आजमाया था। वोरा ने भाजपा के अशोक शर्मा को पराजित किया था। वहीं 99 में हुए चुनाव में श्री वोरा को पराजित होना पड़ा था। इस चुनाव में भाजपा से डॉ. रमन सिंह उम्मीदवार थे। अपराजेय योद्धा को पराजित करने पर डॉ. सिंह को तोहफा के तौर पर अटल सरकार में मंत्री बनने का मौका मिला था।

गुजरात से रंजनबेन के बाद भीखाजी ठाकोर ने भी चुनाव लड़ने से किया मना

सूरत। रंजनबेन भट्ट के बाद साबरकांठा से बीजेपी के घोषित उम्मीदवार भीखाजी ठाकोर ने भी ऐलान किया है कि वह लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। भीखाजी ठाकोर अरवल्ली जिले के भाजपा के जिला महासचिव हैं। लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात में बीजेपी को आज लगातार दो बड़े झटके लगे है। वडोदरा से बीजेपी उम्मीदवार रंजनबेन भट्ट के बाद अब साबरकांठा के बीजेपी उम्मीदवार भीखाजी ठाकोर ने भी चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी घोषणा की। अभी भी संभवतः एक-दो सीट बदलने की चर्चा है। बता दें कि भीखाजी ठाकोर अरवल्ली जिले के भाजपा के जिला महासचिव हैं।

सरनेम के चलते था विवाद

भीखाजी अपना सरनेम पहले डामोर लिखते थे फिर 2023 में उन्होंने डामोर सरनेम से ठाकोर कराया था। जब से 2024 लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने साबरकांठा लोकसभा सीट पर भीखाजी ठाकोर के नाम से ऐलान किया गया था तब से ही ठाकोर और डामोर सरनेम को लेकर विवाद चल रहा था। कई लोगों ने हैंडबिल छपाया और वायरल किया था जिस वजह से वह विवाद का सामना कर रहे थे। भीखाजी ठाकोर बक्शीपंच से आते थे फिर भी सरनेम को लेकर भाजपा के ही कई लोग छुपकर विरोध कर रहे थे।

रंजनबेन ने दिया निजी कारणों का हवाला

इससे पहले वडोदरा से बीजेपी की मौजूदा सांसद रंजनबेन भट्ट ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि मैं रंजनबेन धनंजय भट्ट अपने निजी कारणों से लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ने की इच्छा व्यक्त कर रही हूं। लोकसभा चुनाव के लिए रंजनबेन को तीसरी बार इस सीट से टिकट दिया गया था लेकिन अब उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। वह 2 बार यहां से सांसद हैं।

पीएम मोदी की सीट से दो बार हैं सांसद

रंजनबेन भट्ट 2014 में उपचुनावों में वडोदरा से पहली बार सांसद चुनी गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वडोदरा के साथ वाराणसी से जीते थे। बाद में उन्होंने वडोदरा सीट खाली की थी। इसके बाद रंजनबेन भट्ट को मौका मिला था। पार्टी ने उन्हें 2019 में फिर टिकट दिया था। तब भी वह बड़े मार्जिन से जीती थीं। इसके बाद पाटी ने उन्हें तीसरी बार फिर टिकट दिया था लेकिन उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से लोकसभा चुनाव 2024 लड़ने की इच्छुक नहीं हूं।"

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने लोकसभा चुनाव लड़ने से किया इनकार

पटना: लोकसभा चुनावों का ऐलान हो चुका है। पार्टियों और उम्मीदवारों ने चुनावी जंग की तैयारियां करना शुरू कर दी हैं। उम्मीदवारों के नामों का ऐलान हो रहा है। इसी बीच बिहार से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मीरा कुमार ने आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लिखा कि वह 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। बता दें कि कांग्रेस के कई नेता चुनाव लड़ने से इनकार कर चुके हैं। इसमें मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत सहित और भी कई नेता हैं, जिन्होंने चुनावी दंगल में उतरने से इनकार कर दिया है। बता दें कि मीरा कुमार बड़े दलित नेता और भूतपूर्व रक्षा मंत्री जगजीवन राम की बेटी हैं। मीरा कुमार 15वीं लोकसभा की अध्यक्ष रह चुकी हैं उन्हें देश की पहली महिला स्पीकर होने का गौरव हासिल है।

पति जेल में, पत्नियां संभालेंगी सियासी मैदान
कल्पना-श्रीकला, सुनीता के चुनाव लड़ने की चर्चा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में बड़े नेताओं के जेल जाने के बाद उनकी पत्नियों का सियासी जंग में आना नई बात नहीं है। इस बार लोकसभा चुनाव 2024 में कई ऐसे राजनेताओं की पत्नियां हैं, जो अपने पति की सियासी विरासत को बचाने के लिए मैदान में आने की तैयारी कर रही हैं। इनमें 3 नाम प्रमुख हैं- हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना, अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता और धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला।

तीनों के पति अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार हुए हैं और लोकसभा चुनाव तक इनके बाहर आने की संभावनाएं बहुत ही कम है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह तीनों ही अपने पति के सियासी मैदान को बचाने के लिए फ्रंटफुट से खेल सकती हैं।

दिलचस्प बात है कि जेल में बंद ये तीनों ही नेता सत्ताधारी बीजेपी के विरोधी खेमे के हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 में तीन बड़े राजनेताओं की पत्निया उतरेंगी सियासी मैदान में

अरविंद सुनीता केजरीवाल

हेमंत कल्पना सोरेन

धनंजय सिंह श्रीकला रेड्डी

अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल

दिल्ली शराब घोटाले में ईडी द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तारी के बाद कोर्ट ने 6 दिनों के लिए कस्टडी में भेजा है। कहा जा रहा है कि केजरीवाल अगर लंबे वक्त तक ईडी की गिरफ्त में रहते हैं, तो उनकी पत्नी पार्टी के लिए कैंपेन कर सकती हैं। केजरीवाल की नई दिल्ली सीट पर पिछली बार भी सुनीता ने कैंपेन किया था। सुनीता ने जेल में बंद अरविंद केजरीवाल का संदेश भी देशवासियों के लिए पढ़ा। सुनीता और अरविंद की शादी साल 1994 में हुई थी। सुनीता भी आईआरएस अधिकारी रही हैं। हालांकि, अब वो वीआरएस लेकर परिवार संभाल रही हैं।

हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन

झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन जमीन घोटाले के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय की गिरफ्त में हैं। न्यायिक हिरासत के तहत उन्हें रांची जेल में रखा गया है। हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद उनकी पत्नी कल्पना सोरेन राजनीति में सक्रिय हो गईं। मुंबई में हाल ही में इंडिया गठबंधन की रैली हुई थी, जिसे कल्पना सोरेन ने जेएमएम की तरफ से संबोधित किया था।

धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी

उत्तर प्रदेश के जौनपुर से पूर्व सांसद धनंजय सिंह अभी जेल में बंद हैं। चुनाव की घोषणा से कुछ दिन पहले ही उन्हें अपहरण के एक मामले में दोषी पाया गया था जिसमें उन्हें 7 साल की सजा मिली है। जेल जाने और सजा मिलने की वजह से धनंजय के जौनपुर से चुनाव लड़ने के अरमानों पर पानी फिर गया। जौनपुर से अब उनकी पत्नी श्रीकला रेड्डी के चुनाव लड़ने की चर्चा है। श्रीकला अभी जौनपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष भी हैं। धनंजय और श्रीकला की शादी साल 2017 में हुई थी।

पत्नियों का फ्रंटफुट पर खेलना सबसे मुफीद, 3 प्वाइंट्स...

1. जेल में बंद पति के लिए पत्नियों का मैदान में कूदना सियासी मायने में सबसे मुफीद माना जाता है। इसकी बड़ी वजह सिंपैथी वोटर्स होते हैं।
2. बिहार में लालू यादव, यूपी में गायत्री प्रजापति और आजम खान जैसे कई परिवार को पत्नी के कमान संभालने का फायदा मिल चुका है।
3. पत्नियों के सियासी मैदान में कूदने से राजनेताओं के सियासी विरासत पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ता है। विरासत मे सेंधमारी का भी डर नहीं रहता है।

लोकसभा चुनाव 2024: भाजपा ने तमिलनाडु में एक्ट्रेस राधिका को बनाया उम्मीदवार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने एक्ट्रेस राधिका शरथ कुमार को 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए विरुधुनगर से उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने पुडुचेरी सीट से पुडुचेरी के गृह मंत्री ए. नमस्सिवयम से टिकट दिया है। इस बीच, पीएमके ने पार्टी प्रमुख अंबुमणि रामदार की पत्नी सौम्या अंबुमणि को धर्मापुर सीट से नया उम्मीदवार बनाया है। बता दें कि अभिनेता आर. सरथ कुमार हाल ही में अपनी पार्टी ऑल इंडिया समथुव मक्कल काच्छी का विलय कर पत्नी के साथ बीजेपी में शामिल हो गए थे। तीन साल पहले अपने गुट का बीजेपी में विलय करने वाले वकील आरसी पॉल कनगराज चेन्नई उत्तर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे।

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस को झटका 6 बागियों ने थामा बीजेपी का दामन

- इन विधायकों को कांग्रेस के एक व्हिप की अवज्ञा करने के बाद विधायक पद से अयोग्य करार दिया गया था

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस से तीन विधायकों ने इस्तीफा दे दिया है। आशीष शर्मा, होशियार सिंह और केएल ठाकुर ने शुक्रवार को इस्तीफा दिया। दरअसल इनके निर्वाचन क्षेत्र में भी उपचुनाव होने वाले हैं। हिमाचल प्रदेश में लगातार बढ़ते राजनीतिक संकट के बीच कांग्रेस के 6 पूर्व विधायक शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। इन विधायकों को कांग्रेस के एक व्हिप की अवज्ञा करने के बाद विधायक पद से अयोग्य करार दिया गया था। वे केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजीव बिंदल की

उपस्थिति में पार्टी में शामिल हो गए। इन पूर्व विधायकों का पार्टी में स्वागत करते हुए ठाकुर ने कहा कि उनकी उपस्थिति से भाजपा और मजबूत होगी। उन्होंने राज्य में कांग्रेस सरकार पर अपने वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया जिससे लोगों के बीच आक्रोश है। ठाकुर ने कहा कि इन नेताओं ने हाल में हुए राज्यसभा चुनाव में भाजपा का समर्थन किया था जो कांग्रेस के खिलाफ "जन आक्रोश" को दर्शाता है।

हिमाचल प्रदेश की वर्तमान दलीय स्थिति

कांग्रेस के छह विधायकों की अयोग्यता के बाद अब 62 सदस्यीय हिमाचल प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस सदस्यों की संख्या 39 से कम होकर 33 रह गयी है। विधानसभा में मूल रूप से 68 सदस्यीय है। भाजपा के 25 विधायक हैं। बहुमत परीक्षण के दौरान दोनों पक्षों के बराबरी पर रहने की सूरत में ही अध्यक्ष वोट कर सकते हैं और अभी अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी के हैं।

ये विधायक भाजपा में शामिल

कांग्रेस के जो 6 बागी विधायक भाजपा में शामिल हुए हैं, वे सुधीर शर्मा, रवि ठाकुर, राजेंद्र राणा, इंद्र दत्त लखनपाल, चैतन्य शर्मा और देवेंद्र कुमार भुट्टो हैं। ये सभी कांग्रेस के टिकट पर निर्वाचित हुए थे। तीन निर्दलीय विधायकों - आशीष शर्मा, होशियार सिंह और के एल ठाकुर ने शुक्रवार को अपने इस्तीफे सौंपे। उनके भी जल्द ही भाजपा में शामिल होने की संभावना है। निर्वाचन आयोग ने इनके निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उपचुनाव की घोषणा की है और वे भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ सकते हैं। बहरहाल, सुक्खू की सरकार को अभी कोई खतरा नजर नहीं आता है।

कांग्रेस नेता थरूर के नेतृत्व में आप का प्रदर्शन...

तिरुवनंतपुरम। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं और विपक्ष की ओर से प्रदर्शन किया जा रहा है. थिरुवनंतपुरम में कांग्रेस नेता शशि थरूर के अगुवाई में केंद्र सरकार की बीजेपी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन और मार्च किया गया। इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाज़ी की गई।

न मैं सेटिंग बाज हूं, न ही गोटी बाज, कांग्रेस के लोग दुर्ग छोड़कर क्यों भागे वो जानें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दुर्ग के सांसद विजय बघेल का साफ कहना है, न तो मैं गोटीबाज हूं, न ही सेटिंग बाज हूं। न मेरी भाजपा में सेटिंग है न ही कांग्रेस में। पार्टी ने मुझे फिर से टिकट के लायक समझा इसलिए टिकट दिया। अब कांग्रेस के भूपेश बघेल, ताम्रध्वज साहू जैसे लोग दुर्ग छोड़कर क्यों भागे, ये कांग्रेस वाले जानें। मैं इतना जानता हूं कि दुर्ग के साथ प्रदेश की जनता ने इस बार मन बना लिया है और सभी 11 की 11 सीटें भाजपा जीत रही है। हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से चुनाव संवाद में जो बातचीत हुई, प्रस्तुत है उसके अंश।

0 क्या गोटी बिठाई जिसके कारण एक बार फिर से विजय बघेल दुर्ग के प्रत्याशी बने हैं, जबकि भाजपा ने 9 लोकसभा में नए प्रत्याशी उतारे हैं?

00 कोई गोटी नहीं बिठाई है, मैं गोटीबाज भी नहीं हूं। मैं अपने कर्मों पर भरोसा करता हूं। पार्टी के प्रति हमेशा सेवा भाव से काम किया है। पार्टी के प्रति हमेशा समर्पित रहा हूं। मैं कभी किसी के पास आवेदन देने अपना टिकट या पद के लिए जाऊं, यह मेरे संस्कार में ही नहीं है। मैंने अपने नेताओं से सीखा है, जीवन में कर्म करो, फल देने वाले ईश्वर है। मैं धन्यवाद देता हूं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह सहित सभी राष्ट्रीय नेताओं और अपने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेशाध्यक्ष किरण देव और अपने दुर्ग की देव तुल्य जनता का प्रेम और स्नेह है। इसी के साथ हमारे कार्यकर्ता भाई-बहन हैं, उनका मेरे प्रति जो भाव है, ये सब शामिल होकर और मुझे मुझे एक बार फिर से दुर्ग में प्रत्याशी बनने का मौका मिला है।

0 आपको टिकट मिला, बाकी को नहीं मिला क्या कारण रहा?

00 हम 9 सांसद थे, एक परिवार की तरह। सभी ने अपनी क्षमता से काम किया। सभी के अपने-अपने तरीके थे, सभी अपने लोकसभा क्षेत्र की बातों को लोकसभा में रखते थे। हम लोग बातों को शेयर भी करते थे। सभी पार्टी के निर्देशों का पालन करते थे, मुझे मेरी किस्मत से टिकट मिला है।

0 कांग्रेस में भी टिकट किसे मिले, इसकी सेटिंग कैसे बनाई?

00 मेरी न भाजपा में सेटिंग है न कांग्रेस में सेटिंग है। कांग्रेस से लोग बताएं वे क्यों कर दुर्ग से भागकर बाहर गए। कुछ पत्रकारों ने मुझसे पूछा था जब भूपेश बघेल का नाम राजनांदगांव से चल रहा था, तब मैंने कहा था, उनको नांदगांव जाने की क्या जरूरत पड़ गई, यहीं से चुनाव लड़ लें। तब मैं प्रत्याशी तय नहीं हुआ था। प्रत्याशी चुनाव नहीं लड़ता, पार्टी चुनाव लड़ती है।

0 आपको आश्चर्य नहीं होता भूपेश बघेल राजनांदगांव और ताम्रध्वज साहू महासमुंद से क्यों?

00 राजेंद्र साहू भाई भी अच्छे लीडर हैं, ऊर्जावान हैं, उनको हम कमजोर कहां मान रहे हैं। भूपेश बघेल और ताम्रध्वज के भाव में मैं क्यों जानू कि वे क्यों बाहर गए। उनकी पार्टी में क्या रणनीति बनी, ये वो लोग जानें, ये मेरा विषय नहीं है। मैं किसी निर्णायक भूमिका में नहीं हूं।

0 कांग्रेस की पांच साल सरकार रहना आपके लिए कितनी मुश्किल होगी?

00 कांग्रेस का काम सरपट रहता तो पिछले चुनाव में ही हमारे 9 सांसद कैसे जीतते। दुर्ग से सबसे ज्यादा मतों से जीत बताती है कि

दुर्ग के सांसद और लोकसभा प्रत्याशी विजय बघेल से डॉ. हिमांशु द्विवेदी की बाचचीत

जनता ने छह माह में ही कांग्रेस को नकार दिया था। शराब घोटाले और भ्रष्टाचार के कारण इनमें जो घमंड आ गया था, उससे कारण इनको हार मिली।

0 साय की सरकार जिस तरह से चली है, उससे कहीं आपका काम भी तो प्रतिमा चंद्राकर की तरह नहीं लग जाएगा?

00 मैं डर नहीं रहा हूं। यहां तो इस बार 11 की 11 सीटें भाजपा को जा रही है। हमारे कार्यकर्ता और जनता कह रही है, दुर्ग से जीत के बारे में। इसी के साथ प्रदेश में भाजपा के सांसद जीत रहे हैं। मात्र ढाई माह में साय सरकार ने मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम कर रही है। घोषणापत्र बनाने का काम मैंने ही किया था। इसके कारण जनता ने 54 सीटों पर जीत दिलाई थी। साय सरकार मोदी की गारंटी पूरी करने का काम कर रही है। कांग्रेस ने अपने वादे पूरे नहीं किए। 85 हजार करोड़ के कर्ज में राज्य को कांग्रेस ने डुबो दिया।

0 पाटन में आपको हार मिली है तो ऐसे में विजय बघेल को दुर्ग के चुनाव को लेकर डरना क्यों नहीं चाहिए?

00 मैं बिलकुल नहीं डर रहा हूं। विधानसभा चुनाव में कहा जा रहा था, भाजपा की सरकार का आना मुश्किल है। जो सर्वे चल रहे थे, उसके कारण कुछ शंका हमारे नेताओं में भी थी कि 45 सीटें आएंगी या 46 सीटें आएंगी। लोगों के बीच में बात होने लगी कि कांग्रेस की सरकार फिर आएगी, पाटन में भी यही हवा आई। पाटन में चुनाव के चार दिन पहले हम जीत रहे थे, लेकिन इतना पैसा बहाया जिसके कारण चुनाव प्रभावित हो गया। लोगों के मन में यह बात भी आ गई कि कांग्रेस की सरकार आएगी तो यही मुख्यमंत्री रहेंगे, ऐसे में कांग्रेस को वोट मिल गया। मेरे प्रति यह भाव आया भैया को सांसद के रूप में जिता देंगे।

0 भूपेश बघेल कहते हैं विजय बघेल एक बार का व्यक्ति है, एक ही बार कोई भी चुनाव जीतते हैं, इस बारे में क्या कहेंगे?

00 वो तो एक बार भी सांसद नहीं पाए, अपने बारे में सोचे वो। अब राजनांदगांव में हारने के लिए बैठे हैं। एक ही बार के मुख्यमंत्री वो भी हैं, मेरा आकलन न करें। सांसद के बारे में तो वे सोचे ही नहीं।

0 महादेव ऐप बड़ा सुर्खियों में है, महादेव आपकी कितनी मदद कर रहे हैं?

00 मैं तो जानता भी नहीं हूं। भूपेश बघेल तो नांदगांव से प्रत्याशी हैं, वहां वाले जाने।

0 महज सांसद बनने जा रहे हैं या इससे ज्यादा की उम्मीद दुर्ग की जनता कर सकती है?

00 मैं कार्यकर्ता हूं, पार्टी के आदेशों का पालन करने मेरा कर्तव्य है। जो किस्मत में होगा, उसको कोई टाल नहीं सकता। ज्यादा उम्मीद मत पालें, इससे दुख होता है, जो लिखा होगा, वह होगा।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

होली की अनूठी परंपरा

गुबरेल कीट, चमगादड़ और पलाश के पेड़ बने अतिथि

» कांडसर में खेली जायेगी यज्ञ की राख से होली

» बीस हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

शेख हसन खान ▶▶| मैनपुर

कांडसर के गौ शाला में अनूठी होली जारी है। बीते आठ सालों से लगातार खेली जा रही होली में इस बार गौ माता के साथ गुबरेल कीट, चमगादड़ और पलाश के पेड़ को अतिथि बनाया गया है। ब्रह्ममुहूर्त में हवन शुरू हुआ है। पूर्णिमा के दिन होगी पूर्णाहुति होगी। फिर उसी भभूति का तिलक लगाकर होली खेली जाएगी। उल्लेखनीय है कि 23 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त में होने वाले यज्ञ के शुभारंभ के पूर्व गौमाता समेत इस बार बनाए गए अतिथि पलाश के वृक्ष, गुबरैल कीट और चमगादड़ के स्वागत के लिए लोग आश्रम से 3 किमी दूर काडसर बस्ती में ▶▶|शेष पेज 4 पर

हवन की राख से खेली जाएगी होली

बाबा उदय नाथ के अनुयाई, जिनकी संख्या लगभग 20 हजार से ज्यादा है वे सभी और उसके अलावा प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आए हिंदू संगठन, संघ और गौसेवक भी शामिल हुए। यज्ञ तीन दिन तक चलेगा। 25 मार्च को हवन की पूर्णाहुति दी जाएगी। फिर इसी आहुति की राख से तिलक लगाकर शांति पूर्ण ढंग से गौ शाला परिसर में होली खेली जाएगी।

माड़पाल में जलेगी रियासतकालीन होली 600 साल से परंपरा का लगातार निर्वहन

सुरेश रावल ▶▶| जगदलपुर

शहर से लगभग 10 किमी दूर ग्राम माड़पाल में बस्तर की पहली होली जलती है। यह परंपरा 600 साल से अनवरत चल रही है। होलिका दहन की रात होने वाले इस आयोजन में बस्तर महाराजा शामिल होते हैं, जो छोटे रथ में सवार होकर पूरे गांव की परिक्रमा करते हैं। एक तरह से माड़पाल ▶▶|शेष पेज 4 पर

अलग खबर

बस्तर महाराजा होते हैं शामिल, छोटे रथ में सवार होकर पूरे गांव की करते हैं परिक्रमा

16 चक्के के रथ के साथ लौट रहे थे महाराजा

महाराजा पुरूषोत्तम देव जगन्नाथ पुरी से रथपति की उपाधि लेकर 16 चक्के के रथ के साथ हजारों लोगों के साथ बस्तर आ रहे थे। उस दौरान विश्राम के लिए माड़पाल में रूके थे और तभी से बस्तर की पहली होलिका दहन माड़पाल में होता चला आ रहा है। परंपरानुसार राजपरिवार इसमें शामिल होता है।

- **रूद्रनारायण पानीग्राही**, इतिहासकार

रूस के राष्ट्रपति ने देश को किया संबोधित, एक दिन का राष्ट्रीय शोक

मॉस्को के आतंकी हमले में 143 की मौत पुतिन ने कहा- खून का बदला खून

एजेंसी ▶▶| मॉस्को

रूस ने इसे आतंकी हमला बताया है। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। संघीय सुरक्षा सेवा के प्रमुख ने शनिवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बताया कि हिरासत में लिए गए 11 लोगों में से चार लोग सीधे इस हमले में शामिल थे। कुछ दिन पहले ही देश में हुए चुनाव में जीत हासिल कर रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने सत्ता पर अपनी पकड़ को और मजबूत किया था। इस्लामिक स्टेट समूह ने सोशल मीडिया पर संबद्ध चैनलों पर साझा किए गए एक बयान में हमले की जिम्मेदारी ली।

इस्लामिक स्टेट समूह ने अपनी समाचार एजेंसी अमाक द्वारा साझा किए गए एक बयान के जरिए कहा कि उसने मॉस्को के बाहरी इलाके क्रास्नोगोर्स्क में 'ईसाइयों' की एक बड़ी सभा पर हमला किया, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए और घायल हो गए। फिलहाल दावे की प्रामाणिकता सत्यापित नहीं की जा सकी है लेकिन एक अमेरिकी खुफिया अधिकारी ने ▶▶|शेष पेज 4 पर

मॉस्को में हुए आतंकी हमले में मरने वालों की संख्या 143 हो गई है। राष्ट्रपति रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने देश को संबोधित किया। सभी अपराधियों की पहचान की जाएगी और किसी को बख्शा नहीं जाएगा। हम खून का बदला खून से लेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि अन्य देश भी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उनका साथ देंगे। राष्ट्रपति पुतिन ने 24 मार्च को देश में एक दिन के शोक की घोषणा भी की।

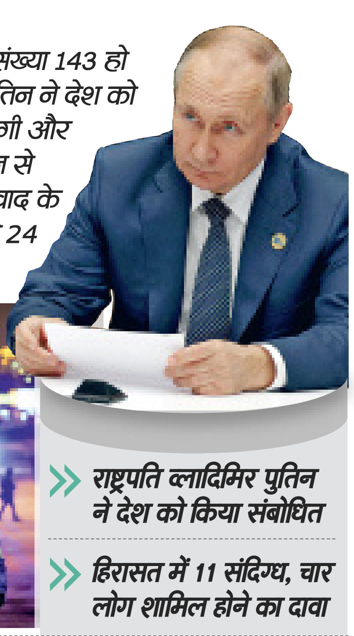

» राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने देश को किया संबोधित

» हिरासत में 11 संदिग्ध, चार लोग शामिल होने का दावा

पीएम मोदी ने दुख जताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा- हम मॉस्को में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हैं। हमारी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। दुख की इस घड़ी में भारत, रूस के साथ खड़ा है।

भारत समेत दुनियाभर ने निंदा

मॉस्को में हुए इस हमले की भारत समेत दुनिया के कई देशों ने निंदा की है और पीड़ितों को लेकर संवेदना जाहिर की है। रूस की सुरक्षा सेवा का कहना है कि हिरासत में लिए गए संदिग्ध यूक्रेन से लगी सीमा को पार करने की फिराक में थे। हालांकि, कीव ने इस दावे को बेतुका बताया है। अमेरिका का कहना है कि इस हमले के पीछे इस्लामिक स्टेट समूह हो सकता है। अमेरिका के बयान पर रूस ने कोई टिप्पणी नहीं की है।

पुतिन बोले- हमारे दुश्मन हमें बांट नहीं सकते

राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि हमलावरों ने यूक्रेन की तरफ भागने की कोशिश की। सभी को पकड़ लिया गया है, उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी। पुतिन ने कहा कि हमारे दुश्मन हमें बांट नहीं सकते। रूस ने अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 4 हमलावर हैं और 7 लोग उनकी मदद करने वाले बताए गए हैं। मुताबिक, रूस के सिक्योरिटी सर्विस के चीफ ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बताया है कि चार संदिग्ध सफेद रंग की कार में भागने की कोशिश कर रहे थे। इन्हें रूस-यूक्रेन बॉर्डर से पकड़ा गया। सभी को मॉस्को ले जाया जा रहा है।

हाईकोर्ट ने दिए ने निर्देश

छह महीने के भीतर सुलझेगा कोरबा महापौर का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

नगर निगम कोरबा के महापौर के खिलाफ जाति प्रमाण पत्र मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने हाई पावर जाति छानबीन कमेटी को 6 माह के भीतर प्रकरण का निराकरण करने का निर्देश दिया है। ज्ञात हो कि कोरबा नगर निगम में महापौर का पद ओबीसी के लिए आरक्षित है। यहां के महापौर राजकिशोर प्रसाद के खिलाफ भाजपा की ▶▶|शेष पेज 4 पर

सुनवाई के बाद कोर्ट ने दिया आदेश

भाजपा की रितु चौरसिया की ओर से एडवोकेट आरके केशरवानी ने पैरवी की। साथ ही सीनियर एडवोकेट निर्मल शुक्ला ने राजकिशोर प्रसाद का पक्ष रखा। राज्य शासन की ओर से महाधिवक्ता उपस्थित हुए। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने हाई पावर कमेटी को जाति प्रमाणपत्र के सबंध में 6 माह में विधिवत निराकरण करने का निर्देश देते हुए याचिका निराकृत कर दी है।

सीबीएसई ने किया बदलाव

तीसरी से छठी कक्षा के लिए अब नया पाठ्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एक अप्रैल से शुरू हो रहे शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए तीसरी से छठी कक्षा को लेकर नया पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें जारी करेगी।

अन्य कक्षाओं के पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों में कोई बदलाव नहीं होगा। सीबीएसई के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने संबद्ध स्कूलों को भेजे एक पत्र में कहा कि ▶▶|शेष पेज 4 पर

एनसीईआरटी तैयार कर रहा पाठ्यपुस्तकें

एनसीईआरटी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के तहत स्कूली शिक्षा के लिए नए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे-2023 के अनुरूप स्कूलों के लिए नयी पाठ्यपुस्तकें तैयार करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने कहा, एक अप्रैल, 2024 से शुरू होने वाले शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए अन्य कक्षाओं के पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों में कोई बदलाव नहीं होगा।

दिल्ली शराब नीति घोटाले में ईडी की एक्शन और उस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद जहां आप और भाजपा के बीच सियासी संग्राम छिड़ा हुआ है, वहीं दिल्ली सरकार पर भी संकट गहराने का खतरा बढ़ गया है। गिरफ्तारी के बाद अरविंद केजरीवाल ने पद से इस्तीफा नहीं दिया है, इसलिए कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या वे जेल से सरकार चलाएंगे, यदि हां तो कैसे? यदि नहीं तो दिल्ली की कमान अब किसके हाथ में होगी? नए मुखिया या एलजी के हाथ में? अरविंद के जेल में रहने से क्या आम आदमी पार्टी एकजुट रह सकेगी? लोकसभा चुनाव में केजरीवाल के बिना आप चुनाव कैंपेन कैसे करेगी और नए नेता कितना प्रभाव डाल पाएंगे? जैसी की चर्चा है, अगर अरविंद केजरीवाल को अपना पद छोड़ना पड़ सकता है, तो उनकी पत्नी सीएम के रूप में दिल्ली की कमान संभाल सकती है, अगर ऐसा होता है तो पार्टी के समर्पित नेताओं को एकजुट रख पाना मुश्किल होगा। क्या विपक्षी गठबंधन इंडिया को कोई फायदा होगा? भ्रष्टाचार के विरोधी से भ्रष्टाचार के आरोप तक अरविंद की राजनीति का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

सियासी चश्मे से न देखें गिरफ्तारी

विश्लेषण
प्रणय यादव
वरिष्ठ टीवी पत्रकार

अब लोकसभा चुनाव का वक्त है। बीजेपी करप्शन को विपक्ष के खिलाफ बड़ा मुद्दा बना रही है, इसलिए विरोधी दलों के नेता करप्शन के कैसेज में हो रहे एक्शन को एजेंसियों के दुरुपयोग, और लोकतन्त्र को खत्म करने जैसा बता कर भ्रष्टाचार के मुद्दे की धार को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि इससे ईडी के एक्शन में कमी आएगी, इसकी उम्मीद नहीं करनी चाहिए, क्योंकि मोदी दस साल से देश के प्रधानमंत्री है। दो बार लोकसभा के इलेक्शन हो चुके हैं। हर बार चुनाव से पहले इस तरह के मुद्दे उठे, लेकिन पीएम का करप्शन के खिलाफ कमिटमेंट कम नहीं हुआ। एक्शन में और तेजी आई। विरोधी नेता जितना ज्यादा इस मुद्दे पर बोलेंगे। मोदी उससे ज्यादा करप्शन के खिलाफ अभियान को आगे बढ़ाएंगे।

शराब घोटाले के केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी बड़ा चुनावी मुद्दा बन गया है। हालांकि यह मामला करप्शन का है, एक्शन ईडी का है, लेकिन सवाल सरकार पर उठ रहे हैं। इल्जाम ये है कि सरकार ने ईडी को विरोध की आवाज को दबाने का हथियार बना लिया है। सरकार की तरफ से तमाम तरह के तर्क दिए जा रहे हैं। कोर्ट के फैसले का हवाला दिया जा रहा है, चूंकि ईडी की गिरफ्त में विरोधी दलों के अनेक नेता फंसे हैं, इसलिए ये दावा किया जा रहा है कि सब सरकार के इशारे पर हो रहे हैं।

सरकार पर सवाल

कुछ बातों पर ध्यान देना जरूरी है। ये सही है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पिछले छह सालों में कुछ ज्यादा सक्रिय हुआ है। उसके एक्शन में तेजी आई है, लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि ईडी के मामलों में कन्विक्शन रेट बहुत कम या कहें कि न के बराबर है। करीब साढ़े पांच हजार केस दर्ज किए हैं, जिनमें से 24 मामलों में फैसला आया और 23 में सजा हुई है। चूंकि 24 कैसेज का फैसला आया और इनमें से 23 मामलों में सजा हुई है, इसलिए ईडी ये दावा कर सकता है कि कन्विक्शन रेट 98 परसेंट है। अगर कुल दर्ज मामलों के लिहाज से देखा जाए तो ये कन्विक्शन रेट शून्य ही कहा जाएगा। इसी आधार पर विरोधी दलों के नेता ये इल्जाम लगा रहे हैं कि ईडी विरोधियों को डराने का सरकार का हथियार बन गया है। सिर्फ केस दर्ज किए जाते हैं। विरोधियों को बदनाम किया जाता है, कुछ लोगों को जेल में डाला जाता है और उसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। इस मामले में ईडी का ये तर्क हो सकता है कि जांच करके तथ्यों और सबूतों को अदालत के सामने रखना उसका काम है। फैसला अदालत करती है, इसलिए कन्विक्शन रेट के आधार पर उसकी जांच की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर सवाल उठाना ठीक नहीं है।

ईडी भी घेरे में

सवाल ये भी है कि अगर ईडी का एक्शन निष्पक्ष है तो फिर विरोधी दलों के नेताओं पर ही ईडी की नजर क्यों पड़ती है। सरकार ने पार्लियामेंट में पिछले साल जो आंकड़े रखे थे। उसके मुताबिक पिछले तीन सालों में ईडी ने पीएमएलए के तहत कुल 3110 कैसेज दर्ज किए थे, जबकि उससे पहले सात सालों में पीएमएलए के तहत हर साल औसतन दो सौ केस दर्ज हुए। पिछले तीन वर्षों में ईडी ने जो कार्रवाई की, उसमें करीब 95 परसेंट विरोधी दलों के नेताओं के खिलाफ हुई। एक अंग्रेजी अखबार में एक रिपोर्ट छपी थी, जिसमें कहा गया था कि 2014 से लेकर 2022 के बीच ईडी ने कुल 121 नेताओं के खिलाफ एक्शन लिया, जिनमें से 115 नेता विपक्ष के थे।

अरविन्द केजरीवाल का मसला दूसरी तरह का है। कांग्रेस के नेताओं ने ही शराब नीति घोटाले की शिकायत दिल्ली पुलिस से की थी। अजय माकन व संदीप दीक्षित जैसे नेताओं ने केजरीवाल की गिरफ्तारी की मांग की थी, लेकिन अब चूंकि दिल्ली में कांग्रेस और आप का गठबंधन है, इसलिए वही अजय माकन व संदीप दीक्षित केजरीवाल की गिरफ्तारी को गलत बता रहे हैं।

मनमोहन सिंह की सरकार के वक्त ईडी ने कुल 26 नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किए इनमें से करीब आधे 14 विरोधी दलों के थे। आंकड़ों का फर्क ये दिखाता है कि विरोधी दलों के खिलाफ एक्शन में तेजी तो आई है। नेता इसे सियासी चश्मे से देख सकते हैं, लेकिन एक हकीकत ये भी है कि नरेन्द्र मोदी की सरकार से पहले ईडी के पास वो ताकत ही नहीं थी, वो अधिकार ही नहीं थे, जिनके जरिये वो एक्शन ले सके। पहले ईडी को केस दर्ज करने, सर्च करने और गिरफ्तारी करने का हक नहीं था,लेकिन मोदी सरकार ने कानून में बदलाव करके ये तीन अधिकार इस एजेंसी को दे दिए। पीएमएलए में गिरफ्तारी के बाद जमानत के नियम भी बहुत सख्त हैं। आसानी से जमानत नहीं मिलती। कानून का यही बदलाव करप्शन में फंसे नेताओं के लिए मुसीबत बन गया है। चूंकि इस तरह के मामलों में जितने लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई है, उनमें से ज्यादातर नेता विरोधी दलों के हैं, इसलिए ये सियासी मुद्दा बन गया है। सियासी घमासान मचा हुआ है।

चुनाव के चलते बड़ा मुद्दा

चुनाव का वक्त है। कैंपेन शुरू हो गया है। पहले चरण के लिए नामांकन चल रहा है। इसी बीच केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई है, इसलिए ये मुद्दा बड़ा बन गया है। अब आम आदमी पार्टी के सामने बड़ा संकट है। केजरीवाल पार्टी के संयोजक हैं। पार्टी के सबसे बड़े कैंपेनर हैं। उनकी गैरमौजूदगी में लोकसभा इलेक्शन के कैंपेन को कौन लीड करेगा? केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री है। उनकी गिरफ्तारी के बाद अब क्या होगा? अगर वो इस्तीफा नहीं देंगे तो सरकार कैसे चलेगी और अगर इस्तीफा देते हैं तो उनकी जगह चीफ मिनिस्टर कौन होगा? आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के सामने ये बड़े सवाल हैं। हालांकि केजरीवाल भी जानते थे और उनकी पार्टी के नेता भी कि गिरफ्तारी तय है, क्योंकि मनीष सिसोदिया और संजय सिंह पहले ही अरेस्ट हो चुके हैं और उनकी जमानत की अर्जियां भी खारिज हो चुकी हैं।

ईडी ने अब तक कोर्ट में जो खुलासे किए हैं। गवाहों और आरोपियों के जो बयान सामने आए हैं उसमें केजरीवाल का नाम है, इसलिए उनकी गिरफ्तारी तो तय थी। केजरीवाल राजनीति के चतुर खिलाड़ी हैं। वो दस कदम आगे की सोच कर चलते हैं, इसलिए ऐसा नहीं हो सकता कि केजरीवाल ने इस परिस्थिति के बारे में न सोचा हो, इसकी रणनीति न बनाई हो। चुनाव का वक्त है। विक्टिम कार्ड खेलने से सहानुभूति मिल सकती है, इसलिए आम आदमी पार्टी के नेता इसे बीजेपी की साजिश बता रहे हैं। इन इल्जामात से चुनावी फायदा हो सकता है। जनता को बात समझाई जा सकती है, लेकिन अदालत में ये सारे तर्क नहीं चलते। आप के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने गिरफ्तारी का विरोध करते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट में इसी तरह के तर्क रखे, लेकिन बात नहीं बनी, क्योंकि ईडी ने कोर्ट में जो तथ्य और बयान पेश किए उससे जज संतुष्ट दिखे और केजरीवाल को रिमांड में भेजा।

सियासी असर

केजरीवाल तो ईडी की रिमांड पर हैं, लेकिन उनकी गिरफ्तारी का सियासी असर ये हुआ कि सीटों के बंटवारे को लेकर एंटी मोदी मोर्चे में शामिल जो पार्टियों एक दूसरे को कोस रही थी वो एकजुट हो गई। उनकी दूरियां केजरीवाल की गिरफ्तारी ने मिटा दीं। जैसे ही केजरीवाल की रिमांड का फैसला आया तो कांग्रेस, आरजेडी, समाजवादी पार्टी, शरद पवार की एनसीपी, जेएमएम, सीपीएम, सीपीआई, उद्धव ठाकरे की शिवसेना, डीएमके, नेशनल कॉन्फ्रेन्स, और पीडीपी समेत तमाम दलों के नेता चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंच गए। सबकी एक ही मांग है कि विरोधी दलों के ईडी का एक्शन सरकार के इशारे पर चुनाव के दौरान लेवल प्लेइंग फील्ड खत्म करने की कोशिश है। विरोधियों को बदनाम करने और विरोध के स्वर को दबाने की कोशिश है, इसलिए चुनाव आयोग को इसमें दखल देना चाहिए। चुनाव आयोग के पास सीमित ऑप्शन हैं। वह किसी मामले की जांच में दखल नहीं दे सकता।

जनता के मन में ये सवाल तो बैठ गया है कि आखिर ईडी की नजर हर बार विपक्ष के नेताओं पर क्यों पड़ती है। राज्यों में चुनाव हुए तो ईडी वहां एक्टिव हो गई। वहां भी विरोधी दलों के नेता निशाने पर रहे। छत्तीसगढ़ में चुनाव के वक्त गेमिंग एप का मसला उठा। भूपेश बघेल तक आंच पहुंची, लेकिन अब वो मामला शान्त है। कर्नाटक के इलेक्शन से पहले डीके शिवकुमार के खिलाफ एक्शन हुआ, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ केस को रद कर दिया। बंगाल में इलेक्शन से पहले तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की ताबड़तोड़ गिरफ्तारियां हुईं। तमिलनाडु में डीएमके के मंत्री के खिलाफ केस बना। हाल ही में झारखंड में ईडी के केस के कारण बड़ा सियासी बदलाव हुआ। हेमंत सोरेन के इस्तीफा देना पड़ा। उनकी गिरफ्तारी हो गई। चंपई सोरेन मुख्यमंत्री बन गए। हेमंत सोरेन जेल में हैं। मामला शान्त दिख रहा था। लेकिन अब हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन ने बीजेपी ज्वाइन कर ली। झारखंड में एक बार फिर सियासी बदलाव की चर्चा शुरू हो गई। बिहार में तेजस्वी य़ादव समेत लालू के परिवार के पांच लोग ईडी के निशाने पर हैं। ईडी राहुल गांधी और सोनिया गांधी से भी पूछताछ कर चुकी है, इसीलिए बार-बार ये कहा जा रहा है कि ईडी विरोधियों को परेशान करने का सरकार का हथियार बन गई। जबकि यह सच नहीं है, ईडी अपना काम कर रही है। ईडी के पक्षपाती एक्शन को साबित करने के लिए शुभेन्दु अधिकारी, हेमंत विश्वसर्मा, अजीत पवार और छगन भुजबल जैसे नेताओं का उदाहरण दिया जाता है। चूंकि ये बात सही है कि इन सभी नेताओं के खिलाफ करप्शन के इल्जाम थे। ये भी सही है कि बीजेपी के बड़े बड़े नेताओं ने इन सबके खिलाफ कैंपेन चलाया। सार्वजनिक तौर पर बयान दिए, लेकिन जब ये सारे नेता बीजेपी में शामिल हो गए या फिर बीजेपी के सहयोगी बन गए तो न सिर्फ उन्हें बड़े बड़े पद मिल गए बल्कि उनके कैसेज की चर्चा दब गई। इसीलिए विपक्ष के आरोपों का असर दिख रहा है।

हालांकि अरविन्द केजरीवाल का मसला दूसरी तरह का है। कांग्रेस के नेताओं ने ही शराब नीति घोटाले की शिकायत दिल्ली पुलिस से की थी। अजय माकन व संदीप दीक्षित जैसे नेताओं ने केजरीवाल की गिरफ्तारी की मांग की थी, लेकिन अब चूंकि दिल्ली में कांग्रेस और आप का गठबंधन है, इसलिए वही अजय माकन व संदीप दीक्षित केजरीवाल की गिरफ्तारी को गलत बता रहे हैं। पंजाब में केजरीवाल की पार्टी और कांग्रेस आमने सामने हैं, इसलिए पंजाब कांग्रेस के नेता केजरीवाल की गिरफ्तारी को सही ठहरा रहे हैं। कुल मिलाकर मामला सियासी है। जिसको जैसा सूट करता है वैसा बयान देता है, स्टैंड लेता है।

अब लोकसभा चुनाव का वक्त है। बीजेपी करप्शन को विपक्ष के खिलाफ बड़ा मुद्दा बना रही है, इसलिए विरोधी दलों के नेता करप्शन के कैसेज में हो रहे एक्शन को एजेंसियों के दुरुपयोग, और लोकतन्त्र को खत्म करने जैसा बता कर भ्रष्टाचार के मुद्दे की धार को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि इससे ईडी के एक्शन में कमी आएगी, सीबीआई की सक्रियता कुछ कम होगी। इसकी उम्मीद नहीं करनी चाहिए, क्योंकि नरेन्द्र मोदी दस साल से देश के प्रधानमंत्री है। दस सालों में सभी राज्यों में दो-दो बार इलेक्शन हो चुके हैं। दो बार लोकसभा के इलेक्शन हो चुके हैं। हर बार चुनाव से पहले इस तरह के मुद्दे उठे, लेकिन पीएम मोदी का करप्शन के खिलाफ कमिटमेंट कम नहीं हुआ। एक्शन में और तेजी आई। विरोधी दलों के नेता जितना ज्यादा इस मुद्दे पर बोलेंगे। मोदी उससे ज्यादा जोर जोर करप्शन के खिलाफ अभियान को आगे बढ़ाने की बात कहेंगे और मोदी जितना बोलेंगे, विरोधियों को नुकसान उतना होगा। इसलिए ईडी एक्शन को सियासी चश्मे से न देखें।

दिल्ली सरकार पर संकट का साया

गिरफ्तारी
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद देश में सियासी माहौल बहुत गर्म हो चुका है। जैसे ही लोकसभा चुनाव तारीख तय हुई वैसे ही पक्ष-विपक्ष सीटों की घोषणा में लगा हुआ था, लेकिन बीते गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी से देश की राजनीति का माहौल बिल्कुल बदल गया। बीते शुक्रवार को आबकारी घोटाला मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल को 28 मार्च तक की रिमांड पर भेज दिया। उन्हें स्पेशल जज कावेरी बावेजा की अदालत में राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया था, जहां प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी दस दिन की हिरासत की मांग की थी। तीन घंटे चली सुनवाई के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, लेकिन बाद में अदालत ने अपने फैसले में केजरीवाल को 28 मार्च तक की रिमांड पर भेज दिया। ईडी का प्रतिनिधित्व कर रहे एएसजी एसवी राजू ने अदालत को बताया कि एजेंसी ने पीएमएलए की धारा 19 के तहत आवश्यकताओं का अनुपालन किया है। उन्होंने कहा कि उनके रिश्तेदारों को सूचित कर दिया गया है और रिमांड आवेदन की प्रति उन्हें दे दी गई है। ऐसा पहली बार हुआ है कि पद रहते कोई मुख्यमंत्री गिरफ्तार हुआ है। इससे पहले इसी वर्ष जनवरी में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उन्होंने गिरफ्तारी से पद से इस्तीफा दे दिया था

सबसे बड़ा सवाल

अब सवाल यह है कि आखिर कैसी संचालित होगी दिल्ली सरकार? पार्टी के अन्य तमाम नेताओं ने स्पष्ट कह दिया कि मुख्यमंत्री, अरविंद केजरीवाल ही बने रहेंगे, लेकिन जेल में रहते सरकार चलाना संभव है या नहीं, यह भी समझना होगा। दरअसल 1951 के जनप्रतिनिधि कानून में कहीं इसका जिक्र नहीं है कि जेल जाने पर किसी मुख्यमंत्री, सांसद, मंत्री या विधायक को इस्तीफा देना होगा। कानून के मुताबिक किसी मुख्यमंत्री को तभी अयोग्य ठहराया जा सकता है, जब उन्हें किसी मामले में दोषी ठहराया गया हो। जैसा कि अभी केवल गिरफ्तारी हुई है अभी तक दोषी नहीं ठहराया गया है। यदि केजरीवाल दोषी करार नहीं भी पाए जाते तो भी वह लंबे समय तक जेल से सरकार नहीं चला सकते। चूंकि जेल में हर काम सिस्टम के साथ होता है। जेल कानून के अनुसार, जेल में बंद हर कैदी को हफ्ते में दो बार अपने रिश्तेदार या दोस्तों से मिलने की इजाजत होती है। हर मुलाकात का समय भी आधे घंटे का होता है और स्पेशल केस में या व्यक्ति विशेष को सरकारी शक्तियां प्रयोग करने के लिए कोई भी अतिरिक्त अधिकार नहीं हैं। यदि किसी भी दस्तावेज पर साइन भी करना हो तो कोर्ट से इजाजत लेनी पड़ती है और यहां समझ सकते हैं कि दिन में सरकार चलाने के लिए कितनी दस्तावेजों पर साइन करने पड़ते

हैं। तमाम दांव पेचों से घिरा यह मामला दिल्ली सरकार के लिए आसान नहीं होगा।

किसको फायदा किसे नुकसान

इसके अलावा अब यह समझना होगा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी से बीजेपी तो फायदा होगा या नुकसान? पूरी दुनिया में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जिसने राजनीति के हर रंग को देखा है। कुछ राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी स्थिति में इतिहास के आधार पर सत्ता पक्ष को ही नुकसान होता है। जिसका उदाहरण हम 1974 में हुए जेपी आंदोलन से समझ सकते हैं, जो भी नेता जुड़े और जेल से आने के बाद उन्हें सहानुभूति मिली और उन्होंने अपनी पार्टी बनाई। आज भी सभी पार्टियों की देश में बड़े स्तर पर भागीदारी निभा रही हैं। तो यह कहा जा सकता है कि यहां केजरीवाल को सहानुभूति मिली तो चुनाव के समीकरण और बदल जाएंगे और बीजेपी को नुकसान होगा।

एक वर्ग यह भी

वहीं दूसरी ओर एक अन्य वर्ग का मानना है कि हर एक घटनाक्रम की अपनी स्थिति होती है और यहां केजरीवाल के घोटाले को स्पष्ट देखा जा रहा है चूंकि ऐसा क्या हुआ कि जो पूरी दिल्ली में शराब के ठेकों की लाइन लगा दी और ऐसा क्या हुआ कि सारे ठेके एक साथ बंद हुए। केजरीवाल की इस नीति में पूर्ण रूप से घोटाला था, क्योंकि पहली बार किसी राज्य में बड़े स्तर पर शराब नीति का विरोध हुआ था। तो इस आधार पर यह माना जा सकता है इससे आम आदमी पार्टी को बड़ी क्षति होगी।

कांग्रेस खुश

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के संदर्भ में चर्चा करें तो निश्चित तौर पर कांग्रेस खुश है चूंकि स्पष्ट है कि केजरीवाल ने यदि किसी को सबसे ज्यादा क्षति पहुंचाई तो वह कांग्रेस है। दिल्ली के परिवेश में बात करें तो केजरीवाल को जितना वोटर्स है वह सारा कांग्रेस का है। लेकिन यहां भी सवाल यह ही है कि इससे कांग्रेस को फायदा होगा या नुकसान ? जैसा कि हाल ही में आम आदमी पार्टी के सभी चोटी के नेता जेल में हैं और प्रचार करने व अपनी बात रखने के लिए कोई बड़ा नेता जनता के बीच मौजूद नही हैं तो इससे कांग्रेस भरपूर फायदा उठा सकती है और दिल्ली के कुछ इलाकों में इसकी शुरुआत भी हो चुकी है। लेकिन वहीं दूसरी ओर कांग्रेस को साथ ही साथ नुकसान भी देखने को मिल रहा चूंकि इस बार दोनों गठबंधन में उतरी है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी को 4 व कांग्रेस को 3 सीट के आधार पर बंटवारा हुआ है, तो फाइट में कांग्रेस के पास कुछ बडा करने के लिए नही हैं। हां,लेकिन आगामी चुनाव पर आंतरिक तौर पर कांग्रेस अपने पुराने वोटरों को जोड़ने में जुट जरूर गई है।

आरोप-प्रत्यारोप का खेल

बहरहाल, देश की राजधानी फिलहाल सियासी तौर पर एक बड़े संकट से गुजर रही है जिसके लिए एक कैसा नया प्रारूप तैयार होगा यह बताना मुश्किल है चूंकि स्थिति चारों कोण से उलझ सी गई है। जैसा कि हम आज की राजनीति में समझ सकते हैं कि खेल गुणवत्ताओं का कहीं नहीं दिखता, आरोप-प्रत्यारोप का खेल है और अब लोग किस पार्टी व किस नेता की किस चीज से प्रभावित या कू-प्रभावित हो सकते हैं, कहा नहीं जा सकता। जैसा कि दिल्ली की जनता आप व बीजेपी में बटी पड़ी है चूंकि अन्य राज्यों की अपेक्षा यहां फाइट वोट प्रतिशत लगभग बराबर होती है लेकिन बंटवारे में कांग्रेस कितना फायदा ले सकती है,देखना होगा। लेकिन फिलहाल दिल्ली में आम आदमी पार्टी के लिए चुनौतियां कम नही है। यदि केजरीवाल जल्दी जेल से बाहर आ गए तो भी बहुत कुछ बदलने की संभावना बन जाएगी।

अब क्या होगी 'आप' की रणनीति

दिल्ली
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

लोकसभा चुनाव का बिगुल बजने के साथ ही देश की सियासत पूरी तरीके से गर्म होती दिखाई दे रही है। दिल्ली शराब घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी ने राजनीति को और भी गर्म कर दिया है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले आम आदमी पार्टी के संयोजक की गिरफ्तारी को लेकर कई लोग सवाल उठा रहे हैं। केजरीवाल की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब उनकी आम आदमी पार्टी (आप) विपक्षी दलों के 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक के तौर पर दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के प्रयास रही है। सत्ता पक्ष और विपक्ष पूरी तरीके से आमने-सामने है, लेकिन अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद से सबसे बड़ा प्रश्न यही उठ रहा है कि आखिर आम आदमी पार्टी के लिए भविष्य की राजनीति क्या रहने वाली है? दिल्ली के सीएम पद को लेकर क्या फैसला होगा?

बढ़ गई मुश्किलें

'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' से निकले अरविंद केजरीवाल खुद भ्रष्टाचार के मामले में अरेस्ट होंगे इसकी कल्पना उन्होंने आंदोलन के समय कभी नहीं की होगी, लेकिन बड़ा सवाल यही है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी का क्या होगा? इसमें कोई दो राय नहीं है कि आम आदमी पार्टी में सर्वोच्च नेता अरविंद केजरीवाल ही है। पिछले 11 से 12 वर्षों में हमने लगातार देखा है कि आम आदमी पार्टी की राजनीति केजरीवाल के इर्द-गिर्द ही घूमती दिखाई दी है। केजरीवाल पार्टी के चाणक्य कहे जाते हैं और अब उनकी ही गिरफ्तारी से निश्चित ही पार्टी की मुश्किलें काफी बढ़ गई हैं। जिन नेताओं ने केजरीवाल से आगे बढ़ने की कोशिश की, उनकी पार्टी से छुट्टी भी हो गई। चाहे वे पार्टी के संस्थापक ही क्यों ना हो। इसमें हम योगेंद्र यादव, शाजिया इल्मी, कुमार विश्वास, प्रशांत भूषण, किरण बेदी जैसे लोगों का नाम ले सकते हैं। दिल्ली शराब घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल के बाद पार्टी में स्थान रखने वाले मनीष सिसोदिया और संजय सिंह पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। ऐसे में माना जा सकता है कि पार्टी के प्रसार और विस्तार पर थोड़ा ब्रेक जरूर लग गया है, क्योंकि वे लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की योजनाओं और रणनीति के केंद्र में रहे हैं। उनकी अनुपस्थिति में पार्टी को अनिश्चितता का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि इसके कई दूसरे सीनियर नेता या तो जेल में हैं या राजनीतिक अज्ञातवास में। भले ही अरविंद केजरीवाल के बाद पार्टी को विस्तार देने में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राघव चढ़ा, आतिशी और सौरव भारद्वाज का रोल काफी अहम रह सकता है, लेकिन जनता इन्हें कितना स्वीकार कर पाएगी, ये आने वाला वक्त बताएगा।

केजरीवाल का असर

महज 12 साल की छोटी अवधि में केजरीवाल ने अकेले दम पर आम आदमी पार्टी को बीजेपी और कांग्रेस के बाद देश का सबसे तीसरा राष्ट्रीय दल बना दिया। आप का असर न केवल दिल्ली और पंजाब में है बल्कि सुदूर गुजरात और गोवा में भी देखने को मिला। अपनी एक दशक से अधिक लंबी राजनीतिक यात्रा में केजरीवाल ने कई तरह के कदम उठाए हैं। चाहे वे विपक्षी दलों के इंडिया गुट में शामिल होना हो, जिनके नेताओं की उन्होंने पहले भ्रष्टाचार के मुद्दों पर आलोचना की थी या 'नरम हिंदुत्व' दृष्टिकोण अपनाना, जिसका उदाहरण उनकी मुफ्त तीर्थयात्रा है। और हाल ही में दिल्ली विधानसभा में 'जय श्री राम' के नारे लगाए गए। एक बार उन्होंने देश की आर्थिक समृद्धि के लिए करेंसी नोटों पर गणेश और लक्ष्मी की फोटो लगाने की मांग की थी।

टूट का खतरा

बहरहाल, केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी में टूट का भी बड़ा खतरा मंडरा रहा है। इसका बड़ा कारण है कि पार्टी वैचारिक रूप से बंधी नहीं है। जरूरत के हिसाब से पार्टी अपना स्टैंड लेती है। आप का लगातार दावा रहता है कि बीजेपी उनके विधायकों को तोड़ने की कोशिश करती है। ऐसे में जब केजरीवाल गिरफ्तार हो चुके हैं, उसके बाद पार्टी की स्थिति में थोड़ी कमजोरी जरूर देखी जा सकती है। ये सभी को पता है कि आम आदमी पार्टी को जो भी वोट मिलता है, वह केजरीवाल के नाम पर ही मिलता है। ऐसे में केजरीवाल की अनुपस्थिति में पार्टी को बड़ा नुकसान हो सकता है। पंजाब में भी पार्टी टूट की ओर बढ़ सकती है। हालांकि, अभी भी पार्टी अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगी। तभी तो कहा जा रहा है कि केजरीवाल को गिरफ्तार किया जा सकता है, उनकी सोच को नहीं।

पार्टी पर ही सवाल

खैर, ये पार्टी भ्रष्टाचार के ख़िलाफ हुए आंदोलन से निकली थी, इसलिए लगा था कि इस पार्टी का मूल या केंद्रीय विषय भ्रष्टाचार के ख़िलाफ लड़ाई होगा, लेकिन अब ये पार्टी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बात नहीं करती है। शुरूआती दौर में भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी आक्रामक थी। एक वक्त केजरीवाल लिस्ट जारी करते थे कि देश में कौन-कौन से भ्रष्ट नेता हैं, लेकिन बीते कुछ साल में उन्होंने भ्रष्टाचार पर कोई बात नहीं की। भ्रष्टाचार अब उनके लिए मुद्दा नहीं रह गया है। इतना ही नहीं ये पार्टी शुरू में ही कहती थी कि हम ना तो कभी कांग्रेस के साथ जाएंगे, ना बीजेपी के साथ जाएंगे। इसका मतलब था कि ये पार्टी जो परंपरागत राजनीति है उनके साथ जाने को तैयार नहीं है। इन्होंने कांग्रेस के नेताओं और बीजेपी के नेताओं पर कई तरह के आरोप भी लगाए थे। कई नेताओं की लिस्ट जारी कर उन्हें भ्रष्ट क़रार दिया गया। लेकिन कांग्रेस के साथ मिलकर दिल्ली में सरकार भी बनाई और अब लोकसभा में भी कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने जा रही है।

चर्चा का विषय

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद एक बात जिसकी चर्चा बीजेपी और आम आदमी पार्टी दोनों के ही समर्थक कर रहे हैं कि गिरफ्तारी का असर आगामी लोकसभा चुनावों के नतीजों पर कितना पड़ेगा? आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के समर्थकों का मानना है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी लोकसभा चुनावों में राजनीतिक संभावनाओं के लिए एक हथियार के रूप में काम करेगी, तो दूसरी तरफ बीजेपी का मानना है कि केजरीवाल के गिरफ्तारी से पार्टी कमजोरी होगी क्योंकि केजरीवाल आम आदमी पार्टी का मुख्य चेहरा हैं और केजरीवाल के बिना, आम आदमी पार्टी चुनाव प्रचार में कोई प्रभाव डालने की स्थिति में नहीं होगी। खैर, अरविंद केजरीवाल को जहां एक तरफ लोकसभा की तैयारी करनी थी तो दूसरी तरफ दिल्ली में कामकाज के लिए लिहाज से भी ये साल उनके लिए महत्वपूर्ण था, क्योंकि अगले साल की शुरूआत में ही विधानसभा चुनाव होगा। ऐसे में यदि केजरीवाल को कोर्ट से जल्द जमानत नहीं मिलती है तो पार्टी को मुश्किलों का सामना करते हुए दोहरे मोर्चे पर तैयारी करनी होगी। एक तो दिल्ली सरकार के कामकाज कैसे चलेंगे, इस बारे में रणनीति बनानी होगी, दूसरी, आप की लोकससभा चुनाव कैंपेन कैसे होगा?

"VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP TO AVAIL EXCITING BENEFITS."

Scan to explore NEXA World | Scan to chat on WhatsApp

RAIPUR: NEXA VIDHAN SABHA ROAD (VISHWABHARTI AUTOMOBILES PVT. LTD. PH: 6262620047),
NEXA ONE RING ROAD (SPARSH AUTOMOBILES PH: 9926127774), **NEXA MAGNETO** (SKY AUTOMOBILES PH: 9584433160),
BHILAI: NEXA SUPELA (SPARSH AUTOMOBILES PH: 9589214824), **DURG: NEXA DURG BYPASS** (CHOUHAN AUTOMOBILES LLP. PH: 7909999302),
JAGDALPUR: NEXA JAGDALPUR (SKY AUTOMOBILES PH: 9584433160).

Contact us at **1800-200-[6392], 1800-102-[NEXA]** and **visit www.nexaexperience.com** to book online.

*Terms & conditions apply. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers may vary subject to the model and variant purchased. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 31st March'24 or till stocks last. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan-India. Maruti Suzuki Subscribe available only in selected cities.

चुनावी नारे कभी जुबान पर चढ़े तो कभी बदलकर रख दी चुनावी फिजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

चुनावी में नारों में अलग तरह का जोश और उत्साह होता है। नारों का अपना मनोविज्ञान होता है। कई बार ये नारे दिल और दिमाग में बस जाते हैं।

नारे लोगों को एकजुट करने का काम करते हैं और इनसे प्रभावित होकर जनता मतदान करती है। आज हम आपको कुछ ऐसे ही चुनावी नारों के बारे में बता रहे हैं जो न केवल लोगों की जुबान पर चढ़े रहे बल्कि इन नारों ने सियासत की तस्वीर तक बदलकर रख दी।

भाजपा ने मोदी का परिवार दिया नारा

पहले चुनाव से लेकर अब तक के चुनाव में हर बार कोई न कोई नया नारा सामने आता है, जो पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने से लेकर जनता से किसी दल के पक्ष या विपक्ष में वोट देने की अपील करता है। राजनीतिक दल चुनावी नारे गढ़ने में जुटे हैं। बीजेपी ने 2024 के चुनाव में 'मोदी का परिवार' नाम से चुनावी नारा भी गढ़ लिया है।

सियासत में है नारों की खास अहमियत

चुनावों में नारों की काट भी होती है तैयार

बता दें कि चुनावों में जहां एक पार्टी अपना कोई बेहतरीन नारा देती है तो दूसरी पार्टी उसमें कोई मीनमेख निकालकर उसका तोड़ निकाल देती है। 1992 में बीजेपी की ओर यह नारा सामने आया था रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे। इसके जवाब में कांग्रेस ने इसी नारे में एक लाइन और जोड़ दी कि राम लला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे, लेकिन तारीख नहीं बताएंगे। मतलब साफ दिख रहा है कि एक से दो नारा बन गया जो अलग-अलग दो दलों का समर्थन भी करता है और विरोध भी करता है।

हाल के दो चुनावों में किन से नारों की रही धूम

2019 का चुनाव

भाजपा : मोदी है तो मुमकिन है अबकी बार, फिर मोदी सरकार ये नारे कारगर साबित हुए।

कांग्रेस : मोदी हटाओ, देश बचाओ। अब होगा न्याय....

2014 का चुनाव

कांग्रेस : हर हाथ शक्ति, हर हाथ तरक्की। जनता कहेगी दिल से, कांग्रेस फिर से। कट्टर सोच नहीं, युवा जोश।

भाजपा : अबकी बार मोदी सरकार। अच्छे दिन आने वाले हैं। सबका साथ, सबका विकास। हर-हर मोदी, घर-घर मोदी। मोदी की ब्रांड वैल्यू ने नारों की एनर्जी को और बढ़ा दिया।

वो चुनावी नारे जो फलक पार छा गए

- 1971 के चुनाव में 'गरीबी हटाओ, देश बचाओ'नारे से इंदिरा अपने समकालीन नेताओं पर भारी पड़ीं।
- 1977 में जनता पार्टी ने नारा दिया, 'इंदिरा हटाओ, देश बचाओ'। इसके बाद इंदिरा रायबरेली हार गईं।
- 1990 में कांग्रेस ने नारा दिया, 'जात पर न पात पर, इंदिरा जी की बात पर, मोहर लगेगी हाथ पर। इस पर जनता ने फिर इंदिरा का साथ दिया।
- इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1984 के चुनाव में कांग्रेस ने नारा दिया 'इंदिरा तेरी यह कुर्बानी याद करेगा हिंदुस्तानी।
- भाजपा 2004 में 'इंडिया शाइनिंग' के अपने ही नारे में चमक खो बैठी और हार गई।
- 2004 में ही भाजपा के मुकाबले कांग्रेस ने 'कांग्रेस का हाथ आम आदमी के साथ' पर जोर दिया।
- तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने 2011 में नारा दिया, 'मां माटी और मानुस' जिसके सहारे उनको पश्चिम बंगाल की सत्ता हासिल हुई।

जैकेट के शेष

नंदगांव से राधारानी के ....

रंगों की रंगीनी से लेकर पोशाकों की विविधताएं भी मन मोह रही हैं। वैरागी साधु-संतों से लेकर सांसारिक व्यक्ति भी यहां एक ही रंग में रंगे हुए हैं। स्थानीय बोलियों में लोकगीतों की धुन भी चारों ओर हवाओं में घुली हुई है। नगाढ़ों की थाप पर उड़ते रंगों के बीच बरसाने से लेकर नंदगांव, मथुरा और द्वारिकाधीश में होली है...

भव्य आभूषणों से सुसज्जित राधा रानी : बरसाना स्थित राधा रानी के मंदिर की रौनक इन दिनों देखने लायक है। मंदिर परिसर को पूरी भव्यता के साथ सजाया गया है। राधा रानी का नियमित रूप से भव्य श्रृंगार किया जा रहा है। सुंदर लहंगे और आभूषणों से उन्हें सुसज्जित किया जा रहा है। सोने-चांदी के आभूषणों से उनका श्रृंगार हो रहा है। श्रीकृष्ण भी मनमोहक रूप में अपने भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। प्रतिदिन विशेष पूजन के साथ होली का भी आयोजन मंदिर प्रांगण में हो रहा है। राधा रानी और श्रीकृष्ण को भी रंग लगाए जा रहे हैं। हर्बल रंग तैयार करने का भी सिलसिला यहां माह भर पहले शुरू हो जाता है।

लट्ठ से पहले लड्डू : फागुन शुक्ल अष्टमी को लड्डू होली से शुरू हुआ उत्सव 25 मार्च तक चलेगा। फागुन शुक्ल अष्टमी को राधारानी की सखियां श्री राधारानी की ओर से नंदगांव में श्रीकृष्ण को निमंत्रण देती हैं कि वे आएं और होली खेलें। उसी दिन श्रीकृष्ण ने स्वीकृति का संदेश देने के लिए अपने दूत को भेजा। खुशी और अलौकिक आनंद की अभिव्यक्ति के रूप में पूरे बरसाना धाम में लड्डू बांटे जाते हैं। इस बार 17 मार्च को लड्डूमार होली हुई। इसके बाद दूसरे दिन 18 मार्च को लट्ठमार होली हुई। मान्यता के अनुसार, फागुन शुक्ल नवमी को श्री राधारानी अपनी सखियों के साथ सुंदर लहंगे और आभूषणों से सुसज्जित हो जाती हैं। श्री कृष्ण नंदभवन से निजमहल तक अपने ग्वालों के साथ ढाल लेकर 8 किमी की दूरी नंगे पैर तय करते हैं। शाम को लट्ठमार होली शुरू होती है। श्रीजी और पुजारियों की पत्नी सुंदर लहंगे और गहनों से सुसज्जित होकर अपनी ढालों पर ग्वालों को मारना शुरू कर देती हैं। आज होलिका दहन के बाद कल भी भव्य रूप में होली खेली जाएगी।

दूर के होटल ....

महीने पहले तक बुकिंग कराने पर भी सामान्य दिनों की तुलना में अधिक किराया होली के दौरान देना पड़ता है।

केजरीवाल ने हाईकोर्ट ....

दिल्ली का मुख्यमंत्री होने का फायदा उठाया। राउज एवेन्यू कोर्ट में स्पेशल जज कावेरी बावेजा के समक्ष ईडी ने केजरीवाल की हिरासत का अनुरोध करते हुए कहा, दिल्ली सरकार के मंत्रियों, आप नेताओं और अन्य व्यक्तियों के साथ सांठगांठ करने वाले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली आबकारी घोटाले के सरगना और मुख्य षड्यंत्रकारी हैं। मामले में ईडी की दो साल की जांच के दौरान यह पहली बार है जब एजेंसी ने दावा किया है कि आप 'प्रमुख लाभार्थी' थी।

केजरीवाल की पत्नी ....

अधिकारी सुनीता ने सक्रिय राजनीति से अबतक दूरी बनाए रखी थी। उनके द्वारा दिये गए वीडियो बयान का आप ने सीधा प्रसारण किया। केजरीवाल को उद्धृत करते हुए उनकी पत्नी ने कहा, अंदर रहूं या बाहर रहूं, मेरी जिंदगी का हर क्षण देश की सेवा को समर्पित है। मेरे खून का एक-एक कतरा देश को समर्पित है।

इधर, आप का .....

कि लोकसभा चुनाव के दौरान एक राष्ट्रीय पार्टी के कार्यालय को कैसे बंद किया जा सकता है? यह भारतीय संविधान में दिए 'समान अवसर' के खिलाफ है। हम इसके खिलाफ शिकायत करने के लिए निर्वाचन आयोग से वक्त मांग रहे हैं।

पीड़िया के जंगल ....

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आज सुबह लगभग साढ़े आठ बजे पीडिया गांव के जंगल में बीजापुर और सुकमा जिले के डीआरजी के जवान जब गस्त लगा रहे थे, तब नक्सलियों ने जवानों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ के बाद जब जवानों ने घटनास्थल की तलाशी ली, तब वहां से दो नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किये गये। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में सुरक्षाबल के जवान लगातार नक्सल विरोधी अभियान पर हैं।

तीन जगह पर ....

स्तंभों की गिनती और शिलालेख, जिस पर सनातनी लिपि में देव नाम दर्ज होने का दावा किया जा रहा है, उनका भी टीम ने बारीकी से निरीक्षण किया। टीम दोपहर में लंच के लिए बाहर नहीं गई। भीतर ही उन्होंने खाना मंगवाया। हालांकि, हिंदू पक्ष के दोनों सदस्य बाहर आ गए थे। शाम को टीम बाहर निकली।

हाईकोर्ट ने कहा- 30 ....

भी कही गई थी। हाईकोर्ट ने अब अपने फैसले में सरकार को निर्देश दिया है कि 30 दिनों में प्रदेश की समितियों में पड़े धान का उठाव हर हाल में किया जाए। धान के उठाव की धीमि गति को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर हुई थी। हाईकोर्ट ने मामले में राज्य सरकार के साथ ही मार्कफेड के एमडी को नोटिस जारी किया था। मार्कफेड की ओर से जवाब में कहा गया कि धान के उठाव के लिए लगातार डीओ जारी किए गए हैं। राइस मिलर्स के माध्यम से उठाव जारी है। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद 30 दिनों में प्रदेश की समितियों में पड़े धान का उठाव हर हाल में करने का आदेश जारी किया है।

डीओ काटकर मिलिंग कराने के निर्देश : याचिका में कहा गया कि समितियों से मिलर धान नहीं उठा रहे हैं। इससे जहां एक तरफ समिति प्रबंधक धान में नमी कम होने पर सूखाने के लिए परेशान हैं, वहीं दूसरी तरफ बदलते मौसम की वजह से धान और खराब हो रहा है। मार्कफेड की ओर से हाईकोर्ट में कहा गया कि बारिश की स्थिति को लेकर सभी डीएमओ से शेष बचे धान का डीओ काटकर मिलिंग कराने के निर्देश जारी किए गए हैं। धान का उठाव तेजी से जारी है। सभी समिति प्रबंधकों से भी कहा गया है कि अपने-अपने केंद्रों में ढके धान को भी चेक करने के बाद राइस मिलरों से जल्द उठाव कराएं।

खुले आसमान के ....

धान अब भी खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है। इतना ही नहीं इन धानों को ढकने के लिए लगाई गई प्लास्टिक और तिरपाल तेज हवा में उड़ कर फट गया है।

बस्तर से कवासी, राजगढ़ ....

अध्यक्ष दीपक बैज की टिकट कट गई। अजय राय को वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ उम्मीदवार बनाया गया है तो दिग्विजय सिंह को मध्य प्रदेश के राजगढ़ से टिकट दिया गया है। पार्टी की ओर से जारी उम्मीदवारों की चौथी सूची के अनुसार, बहुजन समाज पार्टी से कांग्रेस में शामिल हुए 17वीं लोकसभा के सदस्य दानिश अली को अमरोहा से टिकट दिया गया है। वह वर्तमान में इसी संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। कांग्रेस ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के चर्चित मुस्लिम नेता इमरान मसूद को सहारनपुर से उम्मीदवार बनाया है। उत्तर प्रदेश की बाराबंकी सीट से पूर्व सांसद पीएम पुनिया के पुत्र तनुज पुनिया को टिकट दिया गया है। महाराष्ट्र के नागपुर से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ विकास ठाकरे को उम्मीदवार घोषित किया गया है। कांग्रेस ने तमिलनाडु में अपने सांसदों मणिकम टैगोर को विरुधुनगर, कार्ति चिदंबरम को शिवगंगा, ज्योति मणि को करूर और विजय वसंत को कन्याकुमारी से उम्मीदवार बनाया है। लोकसभा के 543 निर्वाचन क्षेत्रों में लगभग 97 करोड़ पंजीकृत मतदाता 10.5 लाख मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे।

छत्तीसगढ़ सरकार के .....

सवाल- जनता को भाजपा और मोदी से उम्मीद है। फिर आपकी पार्टी में इतनी बेचैनी क्यों हैं। भाजपा समर्पित पार्टी है, पार्टी कांग्रेसियों के प्रति आपका रुझान ज्यादा बढ़ गया है कि वे को भाजपा के हो जाएं, इतनी मेहनत क्यों?

जवाब-भाजपा आज एक जनआंदोलन को रूप ले चुकी है। न केवल छत्तीसगढ़ वरन पूरे देश में मोदी के व्यक्तिव्य से प्रभावित होकर आ रही है। उस समय कोई हमारी पार्टी में आना चाहते हैं,उनका स्वागत हैं। पार्टी में पहले सदस्यता हर तीन साल में अभियान चलता था। उस समय भी नए लोगों को सदस्य बनाते थे। पार्टी में जो पूर्व विधायक, अफसर और अन्य लोग आना चाहते हैं उनका स्वागत करते हैं।

सवाल- इस बार के चुनाव में क्या उम्मीद कर रहे हैं। 11 सीट जीतने के बात फिर हो रही है।

जवाब-जहां तक वर्तमान में विधानसभा चुनाव के रूझान को देखे और पूरे देश में देखें तो मोदी के व्यक्तिव और उनके काम से पूरे देश का जनमानस उनसे जुड़ता जो रहा है। छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी का वादा किया उसमें वित्तीय गारंटी को पूरा किया। किसानों के बोनस, महतारी वंदन, किसानों को एक मुश्त राशि दिया। वनाचंल के लोंगों को तेंदूपता का भुगतान किया। सारे कार्यक्रम में मै गया हूं। लोगों के भावनाओं को भापने का प्रयास मैने किया। इस सभी गारंटियों को पूरा किया उससे जनता में विश्वास बढ़ा है। जनता के उत्साह देख हम सभी सीटों पर जीतने को लेकर आशान्वित हैं।

सवाल-क्या विष्णुदेव साय का मुख्यमंत्री बनना इस चुनाव में मददगार रहेगा या परेशानी का सबब तो नहीं होगा?

जवाब-भाजपा को जनसंघ से लेकर आज तक की समीक्षा करें तो भाजपा में दायित्व परिवर्तन होते रहे हैं। अनेकों उदाहरण हैं। महाराष्ट्र को ही देखें वहां पर पहले देवेंद्र फणनवीस मुख्यमंत्री थे, वे आज उप मुख्यमंत्री हैं। रमन सरकार के समय दो रुपए किलो चावल की योजना बनाई, रेडी-टू-ईट की नीति को भी प्रसंशा मिली। रमन सिंह 15 साल मुख्यमंत्री रहे। आज उनका दायित्व बदला आज वे विधानसभा अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं। श्री साय के नेतृत्व में सरकार चल रही है पूरी पार्टी और मंत्रिमंडल और पार्टी के पदाधिकारी सरकार के साथ खड़े हैं। जाहिर है यह सब मदद ही करेंगे।

सवाल- बिलासपुर के प्रत्याशी तोखन साहू को लेकर आपकी क्या राय है?

जवाब-मेरा काम प्रबंधन के दृष्टिकोण से देखना है। अमर अग्रवाल क्लस्टर प्रभारी है, संचालन कर्ता है हमारे साथ कार्यकर्ता भी हैं। हम पारिवारिक भाव से चुनाव लड़ते हैं। बिलासपुर में 6 विधायक हैं। इस चुनाव में हम रिकार्ड मतों से जीतेंगे।

सवाल- कोरबा में चुनौती किस तरह की है। आप इसके बारे में क्या सोचते हैं।

जवाब-उसके पहले कोरबा में सांसद हमारे रहे हैं। वहां पर जीत का फासला 25 हजार था। कांग्रेस के पास एक और गोगंपा के एक विधायक हैं। 6 भाजपा के विधायक हैं। कांग्रेस में काफी अंर्तविरोध है। उनकी सांसद और पार्टी के सरकार रहते हुए भी जनता की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर पाए। हमारी पार्टी में कोई अंर्तविरोध नहीं है। छत्तीसगढ़ में अब अन्य दल धीरे-धीरे खत्म होते जा रहा है। मुकाबला केवल कांग्रेस-भाजपा में ही है।

सवाल-लोकसभा चुनाव में बृजमोहन चुनाव लड़ रहे हैं, अमर चुनाव लड़ा रहे हैं। कोच बनना कितना रास आ रहा।

जवाब- मैं भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काम करता हूं। 1998 में मुझे पहली बार टिकट मिली, उस समय राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशाभाउ ठाकरे थे। मै दिल्ली में ही था, उनसे मिला। उन्होंने दो बातें कही। सभी वरिष्ठों से मिलने और पार्टी में नेता के रूप में नहीं एक कार्यकर्ता के रूप में काम करना। उसके बाद मैंने विधानसभा की टिकट मांगी। पार्टी ने मुझे अधिक महत्व दिया। 6 बार टिकट मिला पांच बार जीता। तीन बार मंत्री भी रहा। पार्टी हमारा मूल्यांकन करती है।

सवाल-11 सीटों में अपने क्लस्टर में ज्यादा जीत दिलाएंगे।

जवाब-हम लोग पार्टी को मानने वाले लोग हैं हमारी किसी के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं है। हम सभी क्लस्टर में एक दूसरे को सहयोग कर चलते हैं। हम सभी सीटों पर जीते यही प्रयास होगा।

पेज एक के शेष

गुबरेल कीट, चमगादड़ और...

लोग जुटे। स्वागत सत्कार के बाद आगे-आगे सैकड़ों की संख्या में माताएं कलश यात्रा लेकर चल रही थीं. सफेद कपड़े की कालीन बिछा-बिछाकर यज्ञ स्थल तक अतिथियों को बाजे-गाजे और जगह-जगह पूजन स्वागत कर गौ शाला में बने सभास्थल ले जाया गया।

प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कराना उद्देश्य : बाबा उदय नाथ बताते हैं कि किसी न किसी बहाने हमे प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए। होली हमारी सनातन परंपरा है, लेकिन समय के साथ इसका स्वरूप लोग बदलने लगे है। हुडदंग,मास मदिरा सेवन के चलते निर्मित दूषित वातावरण से अपने अनुयाई को दूर रखने के साथ ही प्रकृति को सहजने वाले जीव जंतु के महत्ता को समझाने व उनके प्रति आस्था बनाएं रखने इसकी इसकी शुरूआत की। आज हजारों लोग इससे जुड़ भी रहे हैं। हवन में आरती पुजा अर्चना में प्रमुख रूप से वैद्यराज खरसेल, डिगर, भागीरथी मांझी, जनपद अध्यक्ष नेहा सिंघल एंव क्षेत्र से हजारों की संख्या में लोग पहुचे हुए हैं। लगभग 15 हजार की भीड़ आज यहा जमा हुए है।

माड़पाल में जलेगी रियासतकालीन...

की होली इस अंचल का बड़ा मेला होता है। बताया गया कि रियासतकालीन इस होलिका दहन की शुरूवात 1410-11 के बीच की है। 1408 में महाराजा पुरुषोत्तम देव जगन्नाथ पुरी से रथपति की उपाधि लेकर बस्तर लौट रहे थे, उस दौरान पदयात्रा माड़पाल गांव में रुकी थी। राजा को देखने आसपास के गांव के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे थे और तब से वहां होलिका दहन की परंपरा शुरू हुई। समय के साथ-साथ माड़पाल की होली में परिवर्तन भी होने लगा है। हरिभूमि ने शनिवार को माड़पाल जाकर तैयारियों का जायजा लिया। बताया गया कि कल रात को होने वाली होलिका दहन कार्यक्रम में बस्तर महाराजा कमलचंद्र भंजदेव राजपरिवार के सदस्यों और अन्य लोगों के साथ हर वर्ष की तरह पहुंचेंगे, लेकिन ग्रामवासियों ने इस बार आर्केस्ट्रा और मीना बाजार के साथ-साथ ओड़िशा और बस्तर के नाट दल को भी आमंत्रित किया है। जहां मेला जैसे माहौल में दर्जनों गांव के हजारों लोग शामिल होंगे। बस्तर महाराजा रथ में सवार होकर पूरे गांव की परिक्रमा करेंगे और ग्रामीणों का अभिवादन स्वीकार करेंगे। राजा को देखने ग्रामीणों का समुह कई गांव से पहुंचता है। ग्रामीणों ने बताया कि देवी मंदिर में पूजा अर्चना के बाद महाराजा होलिका दहन में शामिल होंगे। उसके बाद वहां से अंगीठी लेकर लोग जगदलपुर आएंगे और सबसे पहले सिरहासार के समीप मावली मंदिर के सामने होने वाले जुड़वां होली को माड़पाल की अंगीठी से जलाएंगे। यह आयोजन भी रियासतकाल से चला आ रहा है और इसमें 360 घर आरण्यक समाज के लोग परंपरा का पालन करते आ रहे हैं।

मॉस्को के आतंकी हमले...

'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी को पता चला था कि अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट समूह की शाखा मॉस्को में हमले की साजिश बना रही थी और उन्होंने रूसी अधिकारियों के साथ जानकारी साझा की थी। रूस की जांच समिति ने कहा कि चारों संदिग्धों को पश्चिमी रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में रोका गया। यह क्षेत्र "यूक्रेन की सीमा से ज्यादा दूर नहीं" है। राज्य समाचार एजेंसी तास ने रूस की एफएसबी का हवाला देते हुए कहा कि चारों ने सीमा पार कर यूक्रेन जाने की योजना बनाई थी और वहां उनके "संपर्क" थे। टैस के अनुसार, एफएसबी के प्रमुख ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शनिवार को गिरफ्तारियों के बारे में जानकारी दी। इसे रूस में पिछले दो दशक में हुआ सबसे भीषण आतंकवादी हमला माना जा रहा है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब देश का यूक्रेन के साथ युद्ध तीसरे साल भी जारी है। हमले के तुरंत बाद कुछ रूसी सांसदों ने यूक्रेन पर उंगली उठाई। हालांकि यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की के सलाहकार मायखाइलो पोदोल्याक ने किसी भी संलिप्तता से इनकार किया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, यूक्रेन ने कभी भी आतंकवादी तरीकों का इस्तेमाल नहीं किया है। इस युद्ध में सब कुछ जंग के मैदान पर ही तय होगा।" मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने हमले को बहुत बड़ी त्रासदी बताया। रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास 'क्रेमलिन' ने बताया कि हमलावरों के 'क्रोकस सिटी हॉल' में हमला करने के कुछ ही मिनट बाद पुतिन को इस बारे में सूचित कर दिया गया था। यह हॉल मॉस्को के पश्चिमी छोर पर स्थित एक बड़ा संगीत स्थल है, जिसमें 6,000 से अधिक लोग बैठ सकते हैं। यह हमला तब हुआ जब क्रोकस सिटी हॉल में प्रसिद्ध रूसी रॉक बैंड 'पिकनिक' के एक संगीत कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लोगों की भीड़ जमा थी।

छह महीने के भीतर...

नेता रितु चौरसिया ने ये शिकायत करते हुए कहा है कि राजकिशोर बिहार के रहने वाले हैं। इसलिए इनके जाति प्रमाण पत्र की जांच कराई जानी चाहिए। इसके बाद जिला स्तरीय जाती छानबीन समिति ने महापौर को एक नोटिस जारी किया। नोटिस मिलने के बाद भी इसका कोई जवाब नहीं दिया गया। इस पर जिला स्तरीय समिति ने जाति प्रमाण पत्र निलंबित करते हुए पूरा प्रकरण उच्च स्तरीय जाति प्रमाणपत्र समिति को भेज दिया। इसके खिलाफ प्रसाद ने हाईकोर्ट में याचिका पेश की। मामले में चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई।

तीसरी से छठी कक्षा...

एनसीईआरटी ने उसे सूचित किया है कि तीसरी से छठी कक्षा के लिए नए पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों पर काम हो रहा है और जल्द ही ये जारी की जाएंगी। सीबीएसई के निदेशक (शैक्षणिक) जोसेफ इमैनुएल ने कहा, स्कूलों को सलाह दी जाती है कि वे वर्ष 2023 तक एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित पाठ्यपुस्तकों के स्थान पर तीसरी से छठी कक्षा के लिए इन नए पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों को अपनाएं। उन्होंने पत्र में कहा, छठी कक्षा के लिए ब्रिज कोर्स और तीसरी कक्षा के लिए संक्षिप्त दिशानिर्देश एनसीईआरटी द्वारा तैयार कर रही है ताकि छात्रों को नयी शैक्षणिक व्यवस्था और नए पाठ्यक्रम ढांचे, 2023 के अनुरूप अध्ययन में सुगमता हो। एनसीईआरटी से सामग्री प्राप्त होने के बाद ये सभी स्कूलों को ऑनलाइन भेजी जाएगी। उन्होंने पत्र में कहा, सीबीएसई स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी आयोजित करेगी ताकि उन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 में परिकल्पित शिक्षण के नए तौर तरीके सीखने के दृष्टिकोण से अवगत कराया जा सके। शिक्षा मंत्रालय ने 18 वर्षों के बाद राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे (एनसीएफ) में संशोधन करते हुए पिछले साल बदलाव को अधिसूचित किया था। एनसीएफ में पहले भी चार बार 1975, 1988, 2000 और 2005 में संशोधन हो चुके हैं।

न्यायालय : प्रथम अति प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय रायपुर (छ.ग.)
प्रो. क्र. 270, प्र. क्र.- cmc/134/23
पे.ता. 16-04-2024, धारा- पुर्नस्थापना
आवेदक/आवेदिका- पदमनी यादव
बनाम
अनावेदक /अनावेदिका - दीपक यादव
प्रति,
अनावेदक/अनावेदिका- दीपक यादव उम्र- लगभग 34 वर्ष पिता स्व. विश्राम यादव
निवासी पता- वार्ड क्र.-16. दाउचौरा तहसील व जिला- खैरागढ़ (छ.ग)
उपरोक्त आवेदक/आवेदिका ने आपके विरुद्ध एक आवेदन पत्र के अंतर्गत प्रकरण की पुर्नस्थापना हेतु प्रकरण प्रस्तुत किया है। अतः आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 16-04-2024 को 11:00 बजे इस न्यायालय के समक्ष व्यक्तिगत रूप से स्वयं उपस्थित होकर अपना जवाब प्रस्तुत करे। यदि आप अपने पक्ष में कोई लिखित तथ्य/ दस्तावेज प्रस्तुत करना चाहे तो वह भी उपरोक्त दिनांक 16.04.2024 को प्रस्तुत कर सकते है। यदि उपरोक्त दिनांक को सार्वजनिक, अवकाश घोषित हो जाता है अथवा किसी कारणवश न्यायालय की कार्यवाही स्थगित हो जाती है तो अगले कार्यालयीन कार्यदिवस पर प्रकरण की सुनवाई की जायेगी।
मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से आज तारीख 21 माह 02 सन 2024 को जारी किया गया।
स्थान- रायपुर
दिनांक - 21/02/2024
प्रथम अति प्रधान न्यायाधीश
(मुहर) कुटुम्ब न्यायालय रायपुर (छ.ग.)

राशिफल

मेष — मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह — शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन — शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

गैंगस्टर की पत्नी अनीता मुंगेर से देंगी ललन सिंह को टक्कर, लालू ने बनाया राजद का उम्मीदवार

- अशोक महतो 90 के दशक में बिहार के चर्चित गैंगस्टर थे और उन पर कई नरसंहार में शामिल होने का आरोप रहा है

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार के मुंगेर से गैंगस्टर अशोक महतो की पत्नी अनीता देवी जेडीयू नेता ललन सिंह को टक्कर देंगी। लालू यादव ने अपनी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल की तरफ से उन्हें उम्मीदवार बनाया है। अशोक महतो 90 के दशक में बिहार के चर्चित गैंगस्टर थे और उन पर कई नरसंहार में शामिल होने का आरोप रहा है।

बिहार में 90 के दशक के चर्चित गैंगस्टर रहे अशोक महतो जेल से निकलने के बाद अब राजनीति के मैदान में आ गए हैं। आरजेडी से सिंबल मिलने के बाद अशोक महतो की पत्नी अनीता देवी ने कहा कि वह बड़ी जीत

हासिल करके दिखाएंगी। अशोक महतो ने दावा किया कि वह ललन सिंह को मुंगेर से हरा देंगे। लालू यादव से आशीर्वाद लेकर अशोक महतो और उनकी पत्नी अनीता देवी के चेहरे पर जो मुस्कुराहट नजर आ रही थी।

ललन सिंह से होगा सीधा मुकाबला

बता दें कि अशोक महतो की पत्नी अनीता देवी का सीधा मुकाबला जेडीयू के कद्दावर नेता ललन सिंह से होगा। एनडीए की तरफ से मुंगेर से ललन सिंह का चुनाव मैदान में उतरना तय माना जा रहा है। उम्मीदवारी तय होने के बाद गुरुवार की देर रात अशोक महतो अपनी पत्नी अनीता देवी के साथ लालू यादव से मिलने उनके सरकारी आवास पहुंचे थे।

अशोक महतो ने खरमास में की थी शादी

लोकसभा चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने के लिए ही अशोक महतो ने पिछले दिनों 55 साल की उम्र में अचानक से शादी कर ली थी। खरमास के महीने में जब शादी के लिए शुभ मुहूर्त नहीं होता है तब अशोक महतो ने 46 साल की अनीता से शादी रचाई। इसका कारण ये था कि आपराधिक मामलों में दोषी होने की वजह से वो खुद चुनाव नहीं लड़ सकते हैं।

17 साल जेल में रहे हैं अशोक महतो

अशोक महतो के ऊपर कई नरसंहार में शामिल होने के आरोप रहे हैं। महतो 17 साल तक जेल में रहकर बाहर आए हैं। बीते 10 दिसंबर 2023 को रिहाई मिली थी जिसके बाद वो चुनावी तैयारी में जुट गए थे। महतो ने अपनी पत्नी अनीता देवी के लिए जमीन तैयार करना भी शुरू कर दी थी।

अभी महागठबंधन में नहीं हुआ है टिकटों का बंटवारा

हालांकि अभी बिहार में महागठबंधन में शामिल आरजेडी, कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों के बीच आधिकारिक तौर पर सीटों का बंटवारा नहीं हुआ लेकिन इससे पहले ही आरजेडी ने अपने उम्मीदवारों को टिकट बांटना शुरू कर दिया है। वहीं लेफ्ट पार्टी ने भी बेगूसराय से उम्मीदवार का ऐलान कर दिया है।

शब्द पहेली - 5462

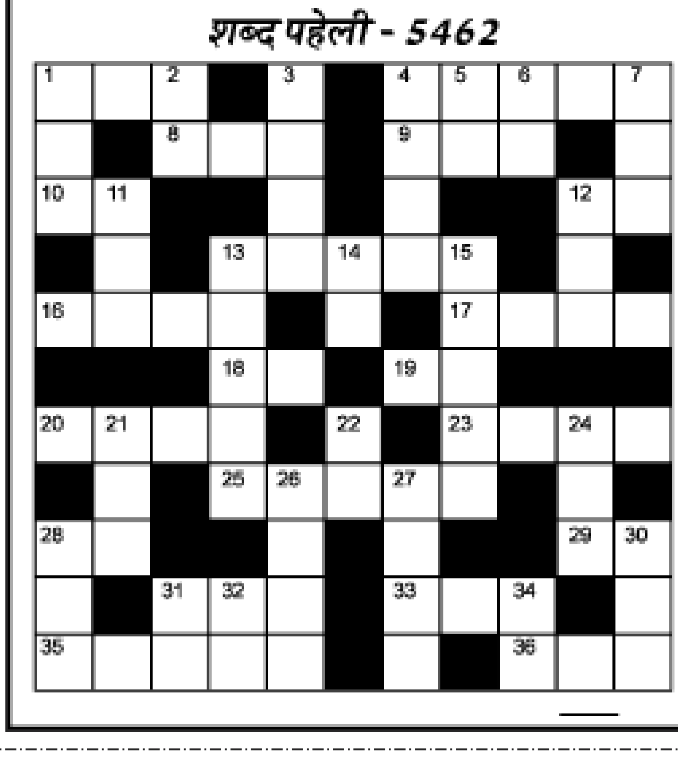

बाएं से दाएं
1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली- 5461 का हल

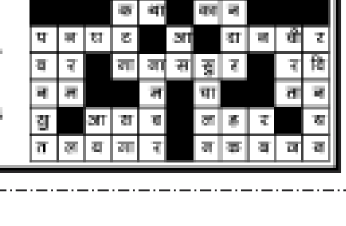

सूडोकू नवताल- 5473

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल- 5472 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	8	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

26 को आएगा बड़े मियां छोटे मियां का ट्रेलर

मुंबई। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' इन दिनों काफी चर्चाओं में बनी हुई है। फैंस इस मूवी की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अभी तक फिल्म का टीजर और गाने रिलीज किए जा चुके हैं, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। अब 'बड़े मियां छोटे मियां' के मेकर्स ने इसके ट्रेलर रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। फिल्म को अली अब्बास जफर ने निर्देशित किया है। वहीं, इसके प्रोडक्शन की जिम्मेदारी वासु भगनानी और जैकी भगनानी की कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट ने संभाली है। यह मूवी इस साल ईद के मौके पर यानी 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

लाइफ Style

श्रद्धा

प्यार को मिली परिवार से हरी झंडी

बॉलीवुड ब्यूटी श्रद्धा कपूर प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी लाइमलाइट का हिस्सा बनी रहती हैं। उन्हें लेकर अक्सर कुछ न कुछ मीडिया में आता है। एक्ट्रेस एक बार फिर सुर्खियों में हैं और इसकी वजह है उनकी शादी की चर्चा।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

श्रद्धा कपूर हमेशा चर्चा में रहती हैं। कभी अपने सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से, तो कभी रिलेशनशिप की वजह से। बता दें कि लंबे समय से अभिनेत्री का नाम राहुल मोदी के साथ जोड़ा जा रहा है। अनंत और राधिका की प्री वेडिंग के लिए जाते वक्त भी एयरपोर्ट पर दोनों को एक साथ देखा गया था। दोनों के रिलेशन को लेकर कई बार बातें हो चुकी हैं। हालांकि, ऑफिशियल लेवल पर इन्होंने कुछ नहीं कहा। मगर अब दोनों के रिलेशन को लेकर खुलासा किया गया है। श्रद्धा और राहुल के बीच फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' के सेट पर नजदीकियां बढ़ी थी। इसके बाद से ही इनकी नजदीकियों के चर्चे शुरू हो गए।

एक रिपोर्ट में बताया गया है कि राहुल और श्रद्धा अपने बॉन्ड को लेकर कन्फर्म हैं, इसलिए उन्होंने रिलेशनशिप को छिपाने की कोशिश नहीं की। यही कारण है कि दोनों को समय-समय पर साथ देखा गया है। बता दें कि अनंत और राधिका की प्री वेडिंग के लिए जब श्रद्धा कपूर जामनगर के लिए रवाना हुई थीं, तब वहां उन्होंने आदित्य रॉय कपूर को राहुल से मिलवाया था। रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि श्रद्धा और राहुल काफी प्राइवेट पर्सन हैं। हालांकि, जिस तरह वह साथ में स्पॉट होने से थोड़ा घबरा जाते थे, अब ऐसा नहीं है।

वैनेसा ने बॉडीकॉन ड्रेस में फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

लॉस एंजेलिस। अमेरिकन सिंगर और एक्ट्रेस वैनेसा हजेंस के घर जल्द ही नन्हें मेहमान की किलकारी गूंजने वाली है। जी हां, वैनेसा हजेंस कोल टकर संग अपने पहले बच्चे का स्वागत करने जा रही हैं। इससे पहले उन्होंने किसी को भी इस गुड न्यूज की भनक तक नहीं लगने दी थी। लुक की बात करें तो हसीना ने ब्लैक कलर का बॉडीकॉन गाउन पहना थे। ये गाउन फुल स्लीव का था, और बिल्कुल प्लेन था। बॉडीकॉन होने की वजह से इस गाउन में उनका बेबी बंप साफ नजर आ रहा था, जो काफी क्यूट दिख रहा था। उन्होंने ग्लॉसी न्यूड मेकअप चुना था। डार्क आईमेकअप उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा था। एक्ट्रेस ने अपनी लिपस्टिक को भी काफी ग्लॉसी ही रखा था। लुक को ग्लैमरस बनाने के लिए उन्होंने आधे बालों की पोनीटेल बनाते हुए बालों को कर्ल किया था। इसके साथ ही लंबे नाखून, उंगलियों में अंगूठियां, कानों में ईयररिंग और गले में डायमंड का सेट उनके ऑल ब्लैक लुक को परफेक्ट बना रहा था। बता दें कि अमेरिकन सिंगर और एक्ट्रेस वैनेसा हजेंस ने बीती साल ही दिसंबर में मेक्सिको के टुलम में मेजर लीग बेसबॉल आउटफील्डर कोल टकर से शादी की थी।

अब भूमि करेंगी वेब सीरीज में डेब्यू

मुंबई। शुरुआत से अगर कलाकार अपने लिए सशक्त भूमिका तलाश ले तो उसे वैसा काम मिलने लगता है। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर के साथ भी ऐसा ही रहा है। भूमि अब वेबसीरीज में कदम रख रही हैं। अपनी पहली सीरीज 'दलदल' में वह पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी। भूमि कहती हैं, मुझे करियर के शुरुआती दौर से ही चुनौतियां पसंद रही हैं। खास बात यह है कि शुरू से ऐसी भूमिकाएं मिलीं, जिन्होंने मुझे मेरी सीमाओं से आगे जाकर काम करने की हिम्मत दी। भूमि ने आगे कहा, "वेब सीरीज 'दलदल' का रोल बहुत चुनौतीपूर्ण है और मेरे लिए यह नया जोनर भी है। इसमें एक्शन का काफी मौका मिला है। मेरे रोल रीटा फरेरा में कई परतें हैं। वह बाहरी और अंदरूनी विचारों के मतभेदों के बीच फंसी है। मैं इसे पूरे आत्मविश्वास के साथ निभाने के लिए उत्सुक हूं। भूमि की अपकमिंग वेब सीरीज 'दलदल' अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। अभी रिलीज डेट का एलान नहीं किया गया है।

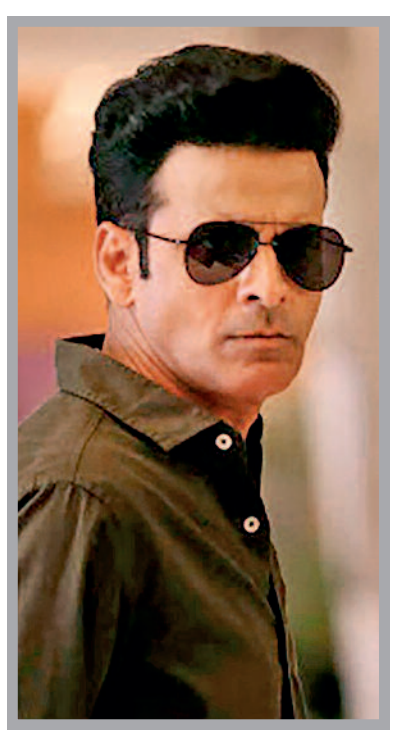

साइलेंस 2 का टीजर आया सामने

मुंबई। मनोज बाजपेयी की 'साइलेंस' का तीन साल बाद सीक्वल आ रहा है। इस फिल्म में अभिनेता की परफॉर्मेंस के अलावा फिल्म की सस्पेंस थ्रिलर कहानी भी खूब पसंद की गई थी। लंबे समय से फिल्म के सीक्वल का इंतजार हो रहा था। आखिरकार, अब फिल्म के दूसरे पार्ट का ऐलान कर दिया गया है। तीन साल बाद 'साइलेंसः कैन यू हियर इट?' का सीक्वल 'साइलेंस 2ः नाइट आउल बार शूटआउट' आ रहा है। एक बार फिर मनोज बाजपेयी एसीपी अविनाश बनकर क्रिमिनल्स के छक्के छुड़ाएंगे। शनिवार को फिल्म की अनाउंसमेंट एक शानदार वीडियो के जरिए की गई है। मनोज बाजपेयी ने 'साइलेंस 2' से एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है और अपना दमदार अवतार दिखाया है। वीडियो के साथ कैप्शन में मनोज ने लिखा, "क्रिमिनल्स को दोबारा साइलेंट करने, एसीपी अविनाश फिर से आ रहा है। वीडियो की शुरुआत एक सवाल से होती है-'अपराध अपने चरम पर है, कहां हैं एसीपी अविनाश?'

तरकश

-संजय के. दीक्षित

लोकसभा चुनाव और 2 सीएम

लोकसभा का टिकिट मिलने से मंत्री बृजमोहन अग्रवाल कितने खुश हैं ये तो पता नहीं। मगर छत्तीसगढ़ के तीन शीर्ष नेताओं के भाग्योत्कर्ष में लोकसभा चुनाव की बड़ी भूमिका रही है। छत्तीसगढ़ बनने से पहिले 1998 में अजीत जोगी शहडोल संसदीय सीट से चुनाव लड़े और पराजित हो गए थे। मगर उनकी हार में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री की कुर्सी छिपी हुई थी। जरा सोचिए, जोगी अगर शहडोल से चुनाव जीत गए होते तो उन पर मध्यप्रदेश का लेवल लग जाता। और फिर दूसरे राज्य का एमपी छत्तीसगढ़ का सीएम कैसे बनता? याने जोगीजी के लिए शहडोल इलेक्शन लकी रहा। उसके बाद वे 99 में रायगढ़ संसदीय सीट से चुनाव लड़े और जीते। फिर इसके दो साल बाद राज्य बना तो प्रथम मुख्यमंत्री अपाइंट हुए। इसके बाद डॉ० रमन सिंह। कवर्धा से चुनाव हारने के बाद वे खाली थे। पार्टी ने 99 के इलेक्शन में उन्हें राजनांदगांव सीट से कांग्रेस के दिग्गज नेता मोतीलाल वोरा के खिलाफ चुनावी रण में उतारा। वोरा मध्यप्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री, यूपी के राज्यपाल और केंद्र में कई विभागों के मंत्री रह चुके थे। ऐसे हाईप्रोफाइल नेता को चुनाव में पटखनी देने का इनाम रमन सिंह को मिला और उन्हें केंद्र में राज्य मंत्री बनाया गया। इसके बाद फिर छत्तीसगढ़ में पार्टी प्रेसिडेंट और उसके बाद 2003 में मुख्यमंत्री। कहने का आशय यह है कि अगर रमन सिंह ने लोकसभा चुनाव नहीं जीते होते तो मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त नहीं हुआ होता। जोगी और रमन के अलावे छत्तीसगढ़ में एक दिग्गज नेता ऐसे हुए, जो लोकसभा चुनाव के जरिये देश में अपने साथ रायपुर, महासमुंद और छत्तीसगढ की पहचान स्थापित किए। करीब 45 साल की सियासत में विद्याचरण शुक्ल ने कभी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा। हमेशा लोकसभा चुनाव में किस्मत आजमाए और आठ बार संसद में पहुंचे। उस समय कांग्रेस के पास विधायकों की फौज होती थी, मगर दो बार हारने के बाद भी विद्या भैया ने कभी पिछले दरवाजे याने राज्यसभा में जाने का प्रयास नहीं किया।

मंत्री का रांग नंबर

खटराल पीएस के चक्कर में एक मंत्रीजी बोल्ड होने से बाल-बाल बच गए। दरअसल हुआ ये कि पीएस चाह रहे थे कि सीमेंट कंपनी वाले उनकी खुशामद करें। मगर उसने पीएस को लिफ्ट नहीं दिया। सो, उन्होंने मंत्री के दिमाग में भर दिया कि पहले वाली सरकार में फलां सीमेंट प्लांट वाला बड़ा ध्यान रखता था और अब रिस्पांस नहीं दे रहा है। मंत्रीजी ठहरे सीधे-सादे...बोले, मंत्री को क्या समझ रखा है, बुलाओ उसके अफसरों को। मंत्रीजी के यहां सीमेंट प्लांट के सबसे बड़े अफसर सिर लटकाए पेश हुए। मंत्रीजी बोले...मैं आपसे बात नहीं करूंगा, अपने मालिक से बात कराओ। अब अफसर न मंत्रीजी को ना कर सकता था और ना ही मालिक से सीधे बात। सीमेंट कंपनी के मालिक देश के नामी उद्योगपति हैं, अफसर सीमेंट प्लांट जैसी छोटी यूनिट के हेड। भला इतने बड़े इंड्रलिस्ट से कैसे बात कर सकते थे। यह बात बीजेपी के एक बड़े नेता के कान तक पहुंची। उन्होंने मंत्रीजी को बुलाकर समझाया, ऐसे रांग नंबर डायल करोगे तो निबट जाओगे। असल में, उद्योगपति इतने बड़े लेवल के हैं कि पीएम और गृह मंत्री के नीचे शायद ही किसी से बात करते हो। अब मंत्रीजी उनसे बात कर रौब झाड़ते तो समझना बड़ा आसान है कि उनका फिर क्या होता।

अब ट्रांसफर नहीं

छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव का ऐलान होते तक ट्रांसफर की झड़ी लगी रही। एकबारगी लगा जैसे ट्रांसफर पर से बैन समाप्त होने का लास्ट दिन आ गया है। अव्वल तो ये कि कई विभागों के ट्रांसफर आदेश मीडिया में जारी नहीं हुए...ट्रांसफर करके गुपचुप सर्वसंबंधितों को आदेश भेज दिए गए। इसमें अंदर की खबर यह है कि सरकार भी तबादलों से खुश नहीं है। अधिकांश आदेश रोक दिए गए थे। मगर लोकसभा चुनाव की मजबूरी थी। मंत्री से लेकर नेता तक लगे रिरियाने। कार्यकर्ता काम कैसे करेंगे? नेता लगे महिलाओं टाईप मुंह फुलाने। हालांकि, कार्यकर्ताओं की आड़ में कई विभागों में जमकर खेला हुआ। मगर अब सुनने में आ रहा कि ये लास्ट था। अब जब बैन खुलेगा, तभी इस तरह थोक में तबादले होंगे। उससे पहले बिल्कुल नहीं।

पार्टी में घिरे भूपेश

राजनांदगांव संसदीय सीट से कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उतारकर मुकाबले को हाई प्रोफाइल बना दिया है। मगर भूपेश पर बीजेपी से ज्यादा घर के भीतर से हमले हो रहे हैं। वो भी सार्वजनिक ढंग से। घायल फिल्म का उस डायलॉग की तरह। सन्नी देयोल के घायल में एक मशहूर डायलॉग था...पिंजरे में बंद शेर को बच्चे भी फल्ली फेंक कर मारते हैं। बहरहाल, विडंबना है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को चुनाव लड़ने वाले चेहरों का टोटा है वहीं, जहां पार्टी मुकाबले में है, वहां पुराना हिसाब चूकता करने की सियासत हो रही है। असल में, कांग्रेस नेताओं को डर इस बात का भी है कि राजनांदगांव चुनाव से भूपेश बघेल की सियासी हैसियत कहीं बढ़ न जाए। ऐसे में, भूपेश के लिए डगर कठिन है।

वन ईयर पोस्टिंग

राज्य सरकार ने सूचना आयोग में खाली चार पदों में से दो पर नियुक्ति कर दी। इनमें से दो पद 2022 में खाली हुए थे और दो पद चार दिन बाद 28 मार्च को खाली हो जाएंगे। पिछली सरकार ने मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त का विज्ञापन किया था मगर तब प्रॉसिजर कंप्लीट होने के बाद भी नियुक्ति नहीं कर पाई और आचार संहिता लग गया था। बीजेपी की सरकार ने 28 मार्च को खाली हो रहे दो सूचना आयुक्तों के लिए विज्ञापन किया था। मगर सही कंडीडेट नहीं मिलने की वजह से मुख्य सूचना आयुक्त की पोस्टिंग नहीं की गई। यही नहीं, चार में से सिर्फ दो पदों पर नियुक्ति हुई है। रिटायर आईएएस नरेंद्र शुक्ला को सूचना आयुक्त बनाया गया है। नरेंद्र शुक्ला का कार्यकाल सबसे छोटा सिर्फ एक साल दो महीने का होगा। क्योंकि, अगले साल वे 65 वर्ष के हो जाएंगे। यह पहली बार होगा, जब इतने कम समय के लिए किसी सूचना आयुक्त की नियुक्ति हुई होगी। चलिए, अच्छा है, अगले साल एक वैकेंसी और हो जाएगी। याने दावेदारों की उम्मीदें बनी रहेंगी।

छत्तीसगढ़ के अमिताभ?

आरपी मंडल के रिटायर होने के बाद अमिताभ जैन नवंबर 2020 में छत्तीसगढ़ के चीफ सिकरेट्री अपाइंट किए गए थे। अमिताभ का टेन्योर सवा तीन साल से ज्यादा हो गया है। उनसे पहिले बीजेपी सरकार में ही विवेक ढांड पूरे चार साल सीएस रहे। रमन सिंह के सीएम रहने के दौरान डीएस मिश्रा और एमके राउत लाख प्रयास करते रहे मगर ढांड की कुर्सी को हिला नहीं पाए। लंबा कार्यकाल में दूसरे नंबर पर हैं पी जाय उम्मेन। वे सवा तीन साल सीएस रहे। अमिताभ अब उन्हें क्रॉस कर गए हैं। याने ढांड के बाद दूसरे नंबर पर। अमिताभ का अगले साल मई में रिटायरमेंट है। इससे पहले, इसी साल नवंबर में उनका चार साल हो जाएगा। याने इस साल नवंबर में वे ढांड का रिकार्ड ब्रेक कर देंगे। ढांड की तरह अमिताभ भी माटी पुत्र हैं। दल्लीराजहरा के रहने वाले अमिताभ मध्यप्रदेश हायर सेकेंड्री बोर्ड में मेरिट में टॉप आए थे। दो बार वे सेंट्रल डेपुटेशन कर चुके हैं। भारत सरकार में रहने के दौरान लंदन में भी पोस्टेड रहे।

चुनौतीपूर्ण पोस्टिंग

छत्तीसगढ़ कैडर के एक आईएएस अफसर को एक बड़ी चुनौतीपूर्ण पोस्टिंग मिली है। उनके लिए दुनिया की सीमा कोई मायने नहीं रखेगी। इस विभाग में आमतौर पर आईपीएस ज्यादा जाते हैं। क्योंकि, आईपीएस के नेचर का ये काम है। मगर प्रतिनियुक्ति पर चल रहे आईएएस अधिकारी अपनी इच्छा से इस विभाग में गए हैं। यह पोस्टिंग काफी संवेदनशील मानी जाती है लिहाजा, उसका नाम नहीं लिखा जा सकता।

सचिवों की पोस्टिंग

अप्रैल के फर्स्ट वीक में सेंट्रल डेपुटेशन से दो आईएएस अफसर छत्तीसगढ़ लौटेंगे। इनमें ऋचा शर्मा और सोनमणि बोरा शामिल हैं। ऋचा एसीएस लेवल की हैं तो सोनमणि प्रिंसिपल सिकरेट्री। दो सीनियर सिकरेट्रीज के आने पर उनकी पोस्टिंग के लिए एक और प्रशासनिक सर्जरी की जाएगी। इसके लिए कुछ सचिवों के पास अतिरिक्त प्रभार है, उसे कम किया जाएगा। छत्तीसगढ़ में सचिवों की संख्या जिस तरह बढ़ रही है, उससे आने वाले समय में वे विभागों के लाले पड़ जाएंगे। याने नीचे लेवल पर अब सचिवों को अब एकाध विभागों से संतोष करना पड़ेगा। वरना, पिछले डेढ़ दशक से अधिकांश सचिव दो-दो, तीन-तीन विभाग संभालते रहे।

अंत में दो सवाल आपसे

1. छत्तीसगढ़ में संघ और संगठन में से इस समय किसका पौव्वा भारी चल रहा है?
2. मुख्यमंत्री की दौड़ में आगे चलने वाले उप मुख्यमंत्री अरुण साव सियासत में पीछे कैसे हो रहे हैं?

राजस्थान में आचार संहिता के बाद 129 करोड़ की वस्तुएं जब्त

जयपुर। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद राजस्थान में विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों ने अब तक नशीली दवाओं, शराब, कीमती धातुओं और नकदी के रूप में लगभग 129 करोड़ रुपये की वस्तुएं जब्त की हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि राजस्थान में अलग-अलग प्रवर्तन एजेंसियों ने मार्च महीने की शुरुआत से अब तक राज्य में नशीली दवाओं, शराब, कीमती धातुओं, मुफ्त बांटी जाने वाली वस्तुओं (फ्रीबीज) और नकदी के रूप में लगभग 227 करोड़ रुपये की वस्तुए जब्त की हैं। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर लोकसभाचुनाव-2024 के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद 16 मार्च से अब तक 129 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की वस्तुएं जब्त की गई हैं। गुप्ता ने एक बयान में बताया कि राज्य में अलग-अलग एजेंसियां चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से संदिग्ध वस्तुओं और धन के अवैध उपयोग पर कड़ी नजर रख रही हैं। 16 मार्च 2024 से अब तक कुल 11.25 करोड़ रुपये की नकदी, लगभग 17.49 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ, लगभग 7.5 करोड़ रुपये की शराब और 22 करोड़ 64 लाख रुपये मूल्य की सोना-चांदी जैसी कीमती धातुओं की जब्ती की गई है। गुप्ता ने बताया कि राजस्थान में सात जिलों में 10-10 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की संदिग्ध वस्तुएं अथवा नकदी जब्त की गई है। इन जिलों में जोधपुर, पाली, जयपुर, उदयपुर, भीलवाड़ा, गंगानगर और बाड़मेर शामिल है।

कंगना रनौत बोलीं- 'माता की कृपा होगी तो चुनाव लड़ूंगी'

एजेंसी ▸▸ कांगड़ा

■ बगलामुखी मंदिर में दर्शन के बाद लिया आशीर्वाद

एक्ट्रेस कंगना रनौत ने अपना 37वां जन्मदिन मनाया। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में बगलामुखी मंदिर में देवी से आशीर्वाद लिया। लोकसभा चुनाव को लेकर जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या वो चुनाव लड़ेंगी, तो कंगना ने कहा, माता की कृपा होगी, तो वह मंडी संसदीय क्षेत्र से जरूर चुनाव लड़ेंगी। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता एक्ट्रेस हिमाचल प्रदेश के मंडी की ही रहने वाली हैं। उन्होंने 2006 की थ्रिलर 'गैंगस्टर' से इमरान हाशमी और शाइनी आहूजा के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी। पिछली बार 'तेजस' में नजर आने वाली एक्ट्रेस ने अपने जन्मदिन पर बगलामुखी मंदिर का दौरा किया। यह मंदिर देवी बगलामुखी को समर्पित है। देश में आमचुनाव की घोषणा के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि क्या कंगना इस बार लोकसभा का चुनाव लड़ेंगी।

दुकान से घर लौट रहे पिता पुत्र से लाखों रुपये की लूट

मथुरा। मथुरा जिले में आगरा-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित गहनों की दुकान बंद कर स्कूटी से घर लौट रहे सर्राफ पिता-पुत्र को मोटरसाइकिल सवार लुटेरों ने कथित तौर पर तमंचे की नोक पर लूट लिया। पुलिस ने बताया कि लुटेरे वारदात के बाद अंधाधुंध गोलियां चलाते हुए फरार हो गए और उनकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि लूटे गए माल में ढाई लाख रुपए की नकदी व कई लाख के जेवर शामिल हैं। रिफाइनरी क्षेत्र की ब्रजरज धाम कॉलोनी निवासी बांकेलाल वर्मा क्षेत्र के तंतूरा गांव रोड पर मूलचंद ज्वैलर्स के नाम से सर्राफे की दुकान चलाते हैं। तभी राधाकृष्ण गार्डन मैरिज होम के निकट हाईवे पर मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने उन्हें तमंचा दिखाकर रोक लिया और स्कूटी में रखा थैला छीन कर भाग गए।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment
आवश्यकता

प्रशिक्षक

आवश्यकता है- Mobile phones hardware & software repairing प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षक की आवश्यकता है। 1 पद आवेदन agraseniti@gmail.com में मेल करें। संपर्क: अग्रसेन आईटीआई कोहका भिलाई (आ.र.-6252)

ड्रायवर/घरेलू कार्य

आवश्यकता है- रायपुर में निजी वाहन चलाने हेतु ड्रायवर/घरेलू कार्य कम से कम 10 वर्ष अनुभवी, नशा न करने वाला परिवार पति- पत्नी (जिनके बच्चे साथ में ना रहते हो) या अकेले की आवश्यकता है संपर्क करें- 9300593000.(RO-1206)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

टीचर

आवश्यकता है- व्ही.आर एजुकेशनल अकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल कैलाश नगर बिरगांव रायपुर में अंग्रेजी माध्यम हेतु कक्षा नर्सरी से दसवीं तक के लिए सभी विषयों तथा हायर सेकेंडरी में मैथ्स, बायो, साइंस, कॉमर्स, आर्ट्स के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की आवश्यकता है संपर्क:- 9754955511, 7738963592 समय- सुबह 8:00 से 12:00.(RO-2607)

आवश्यकता है- प्रगति विद्यालय हायर सेकेंडरी स्कूल रामेश्वर नगर भनपुरी रायपुर में अंग्रेजी माध्यम हेतु कक्षा नर्सरी से दसवीं तक सभी विषयों तथा हायर सेकेंडरी में मैथ्स, बायो, साइंस, कॉमर्स, आर्ट्स एवं म्यूजिक, स्पोर्ट्स शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की आवश्यकता है संपर्क:- 9754955511, 7738963592 समय- सुबह 8:00 से 12:00.(RO-2608)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता

आवश्यकता है- हेल्थ सेक्टर में करियर बनाएं , 8/10/12 वी फेल लड़के / लड़कियां ना हो निराश मेडिक्स होम हेल्थ केयर से जुड़ कर कमाएं 8000 से 25000 प्रतिमाह + रहना फ्री रजिस्ट्रेशन हेतु संपर्क करें ऑफिस रायपुर : 7772011223.(RO-3919)

डिलीवरी कार्य

आवश्यकता है- स्टेशनरी दुकान चौबे कॉलोनी रायपुर में डिलीवरी कार्य करने हेतु नवयुवकों की आवश्यकता अनुभवी या फ्रेशर उम्र 18 से 30 9754247247.(RO-1899)

घरेलू कार्य

आवश्यकता है- घरेलु कार्यों के लिए स्त्री/ पुरुष कर्मचारी की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। कार्य समय सुबह 10.00 बजे से। संपर्क करें- सुबह 11.00 से । मोबाइल नंबर 70009-49168.(RO-398)

छोटा विज्ञापन

वेल्डर/फिटर/हेल्पर

आवश्यकता है- ऑल छत्तीसगढ़ ऑफिस कार्य, वेल्डर, कटर, फिटर, हेल्पर, इलेक्ट्रीशियन, कंप्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, चपरासी, गार्ड, स्टोर कीपर, सुपरवाइजर, इंजीनियर, सभी 5वीं से ग्रेजुएट वेतन 12000- 40000/- परमानेंट कंपनी हेतु मेडिकल +रहना फ्री व्यापार विहार बिलासपुर. 9111965184.(RO-2610)

सफाई कर्मचारी

आवश्यकता है- साफ-सफाई के लिए 4 लड़कों की एवं आया बाई- 4, की शीघ्र आवश्यकता है, रहने की सुविधा, संपर्क:- बांठिया हॉस्पिटल राजा तालाब रोड रायपुर फोन- 0771-2425009.(RO-2615)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

सेल्समैन/मैकेनिक

आवश्यकता है- आवश्यकता है ई-रिक्शा शोरूम रायपुर हेतु शोरूम मैनेजर/ सेल्समैन/ सेल्सगर्ल/ टैली ऑपरेटर /मैकेनिक की आवश्यकता है। वेतनयोग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता संपर्क करें:- 8602250000.(RO-1446)

इंजीनियर

Requirment- WANTED ENGINEERS. A reputed company in Pune requires Apprentice Mechanical Engineers and Mechanical Engineers with 1 – 2 years experience in Production and Quality Assurance for their plants in Pune. Call 7600842387 or send resume at khushbugupta.hr@gmail.com (RO-55438)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

वेल्डर

आवश्यकता है- 2 वेल्डर की बलौदा बाजार रोड दोंदे खुर्द हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 7772016666.(RO-2613)

मजदूर

आवश्यकता है- अभनपुर, रायपुर के पास लकड़ी के मिल में लोडिंग इत्यादि कार्य करने हेतु लगभग 40 स्थाई मजदूरों (महिला/ पुरुष) की आवश्यकता है आवास निःशुल्क सम्पर्क करें- 7240806450, 7415196660.(RO-33434)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28वर्ष के 10वीं, 12वीं, स्नातक लड़के चाहिए वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस+ रहना फ्री कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- सरकण्डा बिलासपुर 9575712101, 7970225494.(RO-33421)

Business
व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना किसी रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000-50,000 प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्क:- APS इंटरप्राईजेस, रायपुर- 8602908677, 7477221345, बिलासपुर 9993444253, 8359913999, रायगढ़- 7869755871.(RO-2586)

Property
प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट उपलब्ध है- सुनहरा अवसर छोड़ा एक्टिवा फ्री बोरसी दुर्ग में 799/-, 591/- Sqft , प्लाट उपलब्ध है 7582001555, 9074111174.(आ.र.-6063)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- खत्री 27 वर्ष/ 5'-11''/ B.A./ खुद का बिजनेस, मिडिल क्लास फैमिली, दिल्ली (निवासी), स्मार्ट लड़के के लिए पढ़ी लिखी सुयोग्य वधु चाहिए सम्पर्क करें- 8595057291 (12600)

वधु चाहिए
पंजाबी तलाकशुदा 36 वर्ष 5'9'' MBA खुद का बिजनेस, मिडिल क्लास फैमिली हेतु सुंदर सुशील, सुयोग्य वधु चाहिए अन्य सामान्य जाति बंधन नहीं।
संपर्क करें
9425535104

प्लॉट बेचना है - साइज 50 x 60 = 3000 sqft जंजगीरी कुम्हारी में प्लॉट बेचना है। प्रॉपर्टी मालिक मोहम्मद इशराक सम्पर्क करें- 87370-12659, 96851-03269, 98261-48961, 3998-91887 (आ.र.-438)

मकान

मकान बेचना है- कसारीडीह दुर्ग स्थित 1107 वर्गफीट जमीन में बना डबल मंजिल ऊपर मकान, नीचे दुकान डॉ. एन.के. साहू के सामने बेचना है। संपर्क:- मो.- 7389060284.(आ.र.-6054)

For Rent
किराया

किराये से देना है- राजधानी विहार अंबुजा मॉल के पास 1050 वर्गफीट में बना गार्डन फेसिंग 2BHK फ्लैट, कवर्ड कैंपस, लिफ्ट, सर्वसुविधायुक्त सेमीफर्निश्ड फ्लैट किराए से देना है। संपर्क करें:- 8602250000.(RO-1445)

हरिभूमि क्लासीफाईड

वर चाहिए

सतनामी वर चाहिए
तलाकशुदा उम्र 38 साल कन्या शिक्षा एम.एस.सी. बायोटेक एवं बी.एड. तथा रायपुर में इंग्लिश मिडियम स्कूल में टीचर है। मासिक आय 50 हजार रूपये है। उसके लिए सजातीय योग्य वर की आवश्यकता है।
संपर्क करें
6267344704

हरिभूमि वैवाहिकी

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

ईलाज की गारंटी पैसा ठीक होने के बाद
गुप्त रोग नामर्दी, लिंग में छोटापन ।
शीघ्र पतन पेशाब से धातु जाना ।
लिंग में ढीलापन, शुक्राणु की कमी ।
शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी ।
आयुर्वेदिक द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें ।
चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
निःसंतान दम्पति आज ही मिले ।
आज ही संपर्क करें
श्रीकांत आयुर्वेदिक जड़ीबूटी भण्डार
दुर्ग में शॉप नं. 16, पारख कॉम्पलेक्स, पेट्रोल पम्प के सामने, ग्रीन चौक
रायपुर में स्टेशन रोड, सीमान होटल के सामने
9174440077
9009330088

गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
लिंग में टेढ़ापन
वीर्य में शुक्राणु की कमी
बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
पेशाब में धातु जाना
शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
मशीनों द्वारा जांच
अचूक दवाओं का सम्पूर्ण मिश्रण आपकी परेशानी का मात्र 1 दिन में सम्पूर्ण ईलाज
संपर्क डॉ. अहमद
जे.जे. हॉस्पिटल
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने, बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन: सुबह 9 से शाम 7 बजे रविवार 9 से 4 बजे तक
9098889899

टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर
परखनली शिशु केन्द्र
1994 से आपकी सेवा में
उपलब्ध सुविधाएं
आई.व्ही.एफ.
इक्सी
आई.यू.आई.
लेप्रोस्कोपी
हिस्ट्रोस्कोपी
संपर्क
डॉ. विजया वाकोडकर
वाकोडकर नर्सिंग होम
नेहरू नगर वेस्ट भिलाई
फोन : 9329029731

स्पाइनल रोग
(मेरुरज्जा विकृति)
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)

रामेश्वरम कैफे धमाके के 2 संदिग्धों की पहचान हुई, आईएसआईएस से जुड़े हैं आरोपी

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में हुए बम धमाके में शामिल 2 आरोपियों की पहचान हो गई है। एक आरोपी का नाम मुसाविर हुसैन शाजिब और उसके साथी का नाम अब्दुल मतीन ताहा बताया जा रहा है। दोनों ही कर्नाटक के शिवमोगा के रहने वाले हैं और पहले भी कई आतंकी घटनाओं में इनका नाम सामने आया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने दोनों पर 3-3 लाख रुपये का इनाम रखा हुआ था।

दोनों आरोपी आईएसआईएस मॉड्यूल का हिस्सा

एनआईए के मुताबिक, शाजिब और ताहा दोनों ही आईएसआईएस मॉड्यूल का हिस्सा थे। इसकी पुष्टि मॉड्यूल के सदस्यों ने भी की थी, जिन्हें पहले गिरफ्तार किया गया था। ताहा ने घटना को अंजाम देने से एक दिन पहले कैफे की रैकी की थी। ऐसा करते हुए वो कैमरेमें कैद हो गया है। ताहा तमिलनाडु पुलिस के निरीक्षक के विल्सन की हत्या के मामले में भी आरोपी थी और चेन्नई में मुख्य संदिग्ध के साथ रहा था।

कैसे पहचाने गए संदिग्ध?

एनआईए ने 1,000 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच कर संदिग्धों की पहचान की है। ताहा हमेशा एक टोपी पहनता था, जिसे घटना वाले दिन शाजिब ने पहना था। एक सीसीटीवी फुटेज में एनआईए ने ताहा को चेन्नई के एक मॉल से टोपी खरीदते हुए पाया। विस्फोट के बाद आरोपी ने कुछ दूरी पर टोपी गिरा दी थी। ये टोपी जनवरी के अंत में एक मॉल से खरीदी गई थी।

शाजिब के माता-पिता ने की पुष्टि

रिपोर्ट के मुताबिक एनआईए के सूत्रों ने कहा है कि उन्हें टोपी में बाल मिले, जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया था। शाजिब के माता-पिता के डीएनए सैंपल से इसका मिलान भी किया गया है। एनआईए ने शाजिब के माता-पिता को वो सीसीटीवी फुटेज भी दिखाया है, जिसमें शाजिब नजर आ रहा है। माता-पिता ने पुष्टि की है कि कैमरे में दिख रहा शख्स उनका बेटा शाजिब ही है।

महुआ मोइत्रा के कई ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी, कैश फॉर क्वैरी से जुड़ा है मामला

कोलकाता। संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब केंद्रीय जांच ब्यूरो ने महुआ के कोलकाता समेत कई ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। कोलकाता के अलीपुर में में महुआ के पिता के घर पर भी सीबीआई की टीम पहुंची है। इस मामले में 2 दिन पहले ही सीबीआई ने महुआ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

लोकपाल ने दिए हैं सीबीआई को जांच के आदेश

लोकपाल ने अपने आदेश में कहा कि पूरी जानकारी का मूल्यांकन करने के बाद कोई संदेह नहीं रह जाता है कि महुआ के खिलाफ लगाए गए आरोप बेहद गंभीर प्रकृति के हैं। लोकपाल ने महुआ के खिलाफ एजेंसी को जांच के निर्देश जारी किए हैं। लोकपाल ने सीबीआई को मामले में सभी पहलुओं की जांच करने के बाद 6 महीने में अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

क्या है मामला?

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाए थे कि महुआ ने संसद में अडाणी समूह से जुड़े सवाल पूछने के लिए कारोबारी हीरानंदानी से रिश्वत ली है। दुबे ने ये आरोप सुप्रीम कोर्ट के वकील देहाद्रई के एक पत्र के आधार पर लगाए थे। इस संबंध में महुआ ने हीरानंदानी को अपना लोकसभा का आईडी-पासवर्ड देने की बात स्वीकारी थी, लेकिन रिश्वत लेने के आरोपों को खारिज किया था। मामले की जांच लोकसभा की आचार समिति ने की थी।

इसी मामले में गई थी महुआ की सांसदी

आचार समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि महुआ के लोकसभा का अपना आईडी-पासवर्ड हीरानंदानी को देने और रिश्वत के तौर पर उनसे उपहार और नकदी लेने की पुष्टि हुई है। समिति ने कहा कि इस 'गंभीर दुष्कर्म' के लिए महुआ को गंभीर सजा मिलनी चाहिए और उन्हें लोकसभा से निष्कासित किया जाना चाहिए। इस सिफारिश के बाद 8 दिसंबर को महुआ को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था।

तन रंग लें-मन रंग लें
जीवन सतरंगी कर लें

जीवन में अगर रंग न हों तो सब कितना बेरंग-नीरस लगेगा। जीवन में रंगों की महत्ता को रेखांकित करने के लिए ही हमारे देश-समाज में पौराणिक काल से ही रंग पर्व मनाने की परंपरा चली आ रही है। यह पर्व हमें प्रेम, स्नेह और अपनेपन के रंग में रंग देता है। जीवन को सतरंगी बनाता है।

पर्व-निहितार्थ / डॉ. मोनिका शर्मा

रंग सदा जीवन के संग चलते हैं। अवसरों के अनुसार विशेष छटा के साथ बिखरते हैं। कभी रंगों की चटक, उसकी आभा मन में उत्साह भरती है तो कभी फीकापन सुकून देता है। मन-जीवन की हर निखार-संवार में रंग अपनी उपस्थिति रखते हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अपनी आभा संग ये रंग अलग-अलग अनुभूतियों से मिलवाते हैं। रिश्तों के हर मोड़ पर विशेष ढंग से मन को प्रभावित करते हैं। होली, रंगों की यही छटा हर ओर बिखरने का पर्व है। इस सतरंगी उत्सव पर जीवन से जुड़े रंग और रंगों में रचा-बसा जीवन का ताना-बाना स्मरण हो आता है। कुछ बीते हुए पल और थोड़ी-सी आज की हलचल, सतरंगी आभा से जीवन को सजा देती है।

बरकरार है नेह का भाव-चाव

हर औपचारिकता से परे यह पर्व लोगों को साथ और स्नेह की डोर से बांधता है। उड़ते गुलाल और फगुनाहट की धुन में बदला हाल-चाल भारतीय जनमानस को एक-दूजे से जोड़ता रहा है। नेह के भाव-चाव का यह उत्सव रिश्तों पर रीझने का प्यारा अवसर होता है। लोकगीतों में ध्वनित होते जमीनी जुड़ाव की धुन सुनने-सुनाने का मौका बन जाता है। भारत की पावन धरा पर तो ईश्वरीय अवतारों ने भी उत्सव की इस रंगीन छटा को आम मनुष्यों के समान ही जीया है। पौराणिक कथाएं, हमारे आराध्य भगवान कृष्ण, शिव और भगवान राम सभी के होली खेलने का वर्णन लिए हैं। ब्रजभूमि पर राधा-कृष्ण और गोपियों की ठिठोली के संग होली खेलने और काशी के मणिकर्णिका घाट पर शिवजी के श्मशान में होली खेलने की बात भी शामिल है। वहीं अवध में प्रभु राम और सीता माता के होली खेलने का भी उल्लेख है। सोचिए कि वृंदावन में गोपियों ने अपनी झोली से कृष्ण पर अबीर उड़ेल कर हंसते-खिलखिलाते हुए कितने नेह संग कहा होगा, *'लला फिर आइयो खेलन होरी।'* या राग-रंग में घुला यह भाव देखिए, *'ए केकरे हाथ कनक पिचकारी ए केकरे हाथे अबीरा/ अवध में होली खेले रघुबीरा।'* नेह के इसी भाव-चाव को तब से अब तक भारत का जनमानस हर वर्ष जीवंत भाव संग जीता है।

साझी संस्कृति का उत्सव

होली का पर्व, हर उम्र के लोगों के लिए उत्सवीय धुन की आहट की तरह होता है। खान-पान से लेकर मस्ती और मेल-जोल तक। बच्चे-बड़े, महिला, पुरुष सब इस साझे सुख को जीते हैं। ठंडाई, गुझिया, खीर, पूड़ी, कचौड़ी और दही-बड़े का स्वाद अपनी रसोई की ओर ले जाता है तो गुलाल उड़ाने की मस्ती आंगन में खींच लाती है। रिश्तों पर रीझने और अंजान लोगों को भी रंग डालने की रीत का मानवीय मेल इसे साझी संस्कृति का पर्व बनाता है। झांझ-मंजीरे और ढोलक की थाप के साथ गूंजते स्थानीय गीतों से इस पर्व पर लोक का स्वर मुखर होता है। हंसाने-हंसाने नाचने-गाने की एक अनगढ़ थिरकन मन मोहती है। होली पर ब्रजभूमि की गोपियां भी याद आती हैं और राधा-कृष्ण भी। होली पर अबीर उड़ाते रघुवीर भी स्मरण हो आते हैं। गहरे रंगों से रंगे-पुते चेहरों का आपसी मेल-जोल मानवीय संवेदनाओं को उजला बनाता है। आदिम उल्लास का यह पर्व असल में आत्मीय जुड़ाव की अनौपचारिक खनक साथ लाता है। गांव की चौपाल से जुड़ी स्मृतियां आज महानगरों में बसी बड़ी हुई पीढ़ी के मन में दस्तक देने लगती हैं।

परंपरा की अनौपचारिक खनक

देश के हर हिस्से में फाग की मस्ती और हंसी-ठिठोली विशेष रंग लिए होती है। यह धमक मन की थिरकन है। कहीं कृष्ण भक्ति के रस में डूबे लोग तो कहीं अपने आराध्य के चरणों में गुलाल लगाने की परंपरा। कहीं कानों से टकराती चंग की थाप की मादकता तो कहीं टपकता महुआ। एक तरफ खेतों में पकती गेहूं की बालियां तो दूसरी तरफ बौर से लदकर झुक आए आमों के पेड़। पूरी प्रकृति इस उत्सवीय छटा को जीती नजर आती है। वहीं होली के इस पर्व पर इंसानों के भाव-चाव भी बहुत मुखर होते हैं। कहीं कोई औपचारिकता नहीं। दिखता है तो बस अपनेपन से भरा राग-रंग और सामुदायिक जुड़ाव की धुन। तभी तो होली आध्यात्मिक-सामाजिक भावों से जुड़ी खुशियों को जीते हुए उदारता और सहिष्णुता सिखाने वाला उत्सव है। हर उम्र, हर समुदाय के लोगों को ऊर्जावान और जीवंत बने रहने का संदेश देता है। इसीलिए तो जीवन को सरस-सुंदर बनाने वाला यह रंगपर्व, भारतीय संस्कृति की सबसे प्यारी उत्सवीय परंपराओं में से एक है।

तो आइए इस रंगोत्सव पर एक बार फिर हम सब प्रेम और अपनेपन के रंगों से एक-दूसरे को सराबोर कर लें, जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से सजा लें। *

होली के दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे

रंगों के संग खेलती, एक नवल-सी आस।
मन में पलने लग गया, फिर नैसिल विश्वास।।
कुंजन, क्यारिन रौनकें, अवसादों का अंत।
अनुरागी की बात क्या, तोड़ रहे तप संत।।
बौराया-सा लग रहा, देखो तो मधुमास।
प्रीति-प्रणय के भाव का, है हर दिल में वास।।
भली लगे शीतल हवा, मौसम के प्रतिमान।
अधरों पर पलने लगा, ढाई आखर गान।।
करते मंगलकामना, आकर रंग-अबीर।
वे भी चंचल हो गए, जो थे नित गंभीर।।

सुदृढ़ नहीं रह पाए नहीं, अनुशासन के बंध।
अभिसारों ने है रची, चोखी-नई सुगंध।।
फागुन की अठखेलियां, नयनों की है मार।
बदला-बदला लग रहा, देखो यह संसार।।
कदम-कदम से मिल रहे, हाथ गह रहे हाथ।
पर्वों को तो मिल रहा, धर्म,नीति का साथ।।

उल्लासोत्सव / कुमार राधारमण

होली के पर्व में कुछ ऐसी विशिष्टताएं हैं, जो इसे सबसे विलक्षण बनाती हैं। पूरे देश में अलग-अलग रूपों में मनाया जाने वाला यह पर्व हम सभी के जीवन में बहुत मायने रखता है।

उत्तराखंड के कुमाऊं में होली

रंग-उमंग-तरंग समेटे
विलक्षण पर्व होली

जीवन के हजार रंग हैं। हमारे पर्व-त्योहार इन्हीं रंगीनियों को बनाए रखने के लिए हैं। तमाम रंगों में एक रंग ऐसा है, जिसमें सामूहिकता का बोध निहित है, और वह रंग है होली का। जीवन में जो भी उत्सव और उल्लास है, केवल वर्तमान के क्षण में ही है। हमारे सारे पर्व-त्योहार हमें वर्तमान में जीने का ही प्रयास हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हम एक उत्सवधर्मी देश का हिस्सा हैं। मेल-जोल और सामाजिकता हमारे पारस्परिक संबंधों की नींव रही है। मेल-जोल की जैसी परंपरा होली में दिखती है, वैसी अन्यत्र नहीं।

पूरे देश में दिखती है छटा: फाल्गुन पूर्णिमा का त्योहार होली, थोड़ी-बहुत भिन्नता के साथ देश भर में मनाई जाती है। ब्रज की लट्ठमार, फूल और गुलाल की होली के सप्ताह भर के आयोजन से हममें से अधिकतर परिचित हैं। उत्तराखंड में कुमाऊं की होली के कई दिन पहले से गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की मंडली जमने लगती है। महाराष्ट्र में शिमगा की रात को हर मोहल्ले में लकड़ी जलाई जाती हैं और दिन में लोग पूरन पोली बनाते हैं, सूखे गुलाल की होली खेलते हैं। कर्नाटक में सिरसी में, होली से पांच दिन पहले बेदरा वेशा लोकनृत्य होता है। तेलंगाना में होली 10 दिन पहले शुरू हो जाती है। पंजाब के आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला में सिख धर्मावलंबी शक्ति प्रदर्शन करते हैं और रंग की जगह कलाबाजी, कुश्ती, मार्शल आर्ट आदि का प्रदर्शन करते हैं। मध्य प्रदेश में खासकर भोपाल -इंदौर में, होली के बजाय होली के अगले दिन की रंगपंचमी खास होती है। राजस्थान में उदयपुर की संगीतमय होली को देखने विदेशी पर्यटक भी आते हैं। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के शांति निकेतन की पारंपरिक अबीर होली की अलग खूबसूरती है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम की होली दोल जात्रा कहलाती है, जिसमें राधा-कृष्ण की प्रतिमा को मोहल्ले में घुमाया जाता है। गुजरात में होली पर छाछ से भरे मटके को तोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाया जाता है।

आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला

कृषि से भी है संबंधित: यों तो होली कृषि का भी त्योहार है, क्योंकि फागुन नई फसल के पकने का समय होता है। इसलिए, होलिका दहन में अग्निदेव को जौ-गेहूं अर्पित किया जाता है और नई फसल की बालियों को पकाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया जाता है।

बदल गया पर्व का स्वरूप: समय के साथ-साथ होली का स्वरूप बदलता गया और लोग इससे बचने लगे हैं। विकृत स्वरूप के कारण रंगों का चलन कम हो गया है और केवल थोड़े-बहुत अबीर का चलन रह गया है। एकाकी होती जीवनशैली के इस दौर में होली सामूहिकता का आमंत्रण है। होली हंसी के फव्वारों का महोत्सव है। होली पर अपने मन के उल्लास को खुलकर व्यक्त करना अच्छा है, बशर्ते उसमें अश्लीलता और फूहड़पन न हो। हमारी होली सभी के लिए सुरक्षित हो। हमारी होली में भी वही गुलाल हो, जो जीवन को प्रेमिल बनाए। इतना ऊर्जावान, व्यक्ति किसी भी पर्व में नहीं होता, जितना होली में होता है। तभी, ओशो कहते हैं, 'होली जैसा नृत्य करता उत्सव पृथ्वी पर और कहीं नहीं है।' *

बंगाल की पारंपरिक अबीर होली

आत्मप्रेरणा / राजयोगी बीके निकुंज जी

होली पर हम सभी होलिका दहन करते हैं, अगले दिन उमंग-उल्लास के साथ रंग खेलते हैं। लेकिन इसकी सार्थकता तभी है, जब हम सब इस पर्व के भावार्थ को आत्मसात करें।

होली का भावार्थ करें आत्मसात

भारतवर्ष में जितने भी त्योहार-पर्व मनाए जाते हैं, उन सभी में से होली का रंगोत्सव-मंगलोत्सव विशिष्ट और विलक्षण है। रस, रंग से सराबोर यह पर्व आंतरिक उल्लास को उभारने वाला एक सांस्कृतिक पर्व भी है।

सभी मनाते हैं प्रेम से: इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे देश के हर वर्ग, जाति, धर्म एवं संप्रदाय के लोग बिना किसी भेदभाव के बड़े ही उत्साह और आनंद के साथ मनाते हैं। रंगों का यह पर्व प्रकृति से मानव को एकाकार कर तादात्म्य स्थापित कर देता है एवं जीवन को उल्लास के साथ जीने की रीति-नीति के लिए प्रेरित भी करता है।

आत्मशुद्धि का अवसर: हिंदू संस्कृति में अनावश्यक और हानिकारक वस्तुओं को हटा देने और मिटा देने को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया गया है और इसी दृष्टिकोण को क्रियात्मक रूप देने के लिए होली का त्योहार बनाया गया है। अतः होली के त्योहार का छिपा हुआ संदेश यही है कि हम अपनी भीतरी और बाहरी गंदगी को ढूंढ़-ढूंढ़ कर साफ करें और चतुर्मुखी पवित्रता की स्थापना करें। मानसिक, सामाजिक, राजनैतिक विकृत विकारों के कंटक जो हमारे रास्ते में बिछे हुए हैं, उन्हें सब मिल-जुल कर खोजें और उनको आग में भस्म कर उत्सव मनाएं।

पौराणिक संदर्भ: पौराणिक दृष्टि से यह त्योहार कब आरंभ हुआ, इसके बारे में विभिन्न मत-मतांतर हैं। इस पर्व से अनेक कहानियां भी जुड़ी हुई हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध कहानी है भक्त प्रह्लाद की। इसके अनुसार हिरण्यकश्यप की बहन अर्थात प्रह्लाद की बुआ, प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठी थी, प्रतिवर्ष 'होलिका' नाम से आज तक जलाई जाती है। भविष्य पुराण के अनुसार ढुंढला नामक राक्षसी के द्वारा शिव-पार्वती से यह वरदान तपश्चर्या द्वारा प्राप्त किया गया था कि वह सुर-असुर नर-नाग किसी से न मारी जा सके और जिस बालक को खाना चाहे खा सके। कथा के अनुसार, वरदान देते समय भगवान महादेव ने यह शर्त लगा दी कि वर्ष में केवल होली के एक दिन यह वरदान फलीभूत नहीं होगा और उस दिन जो भी बालक वीभत्स आचरण करते, निर्लज्जतापूर्वक फिरते पाए जाएंगे, उन्हें वह नहीं खा सकेगी। कहा जाता है कि उस राक्षसी से बचने के लिए तरह-तरह के वीभत्स स्वांग रचने की परंपरा इस त्योहार से ही बनी। एक और मान्यता के अनुसार इसी दिन के लिए महर्षि वशिष्ठ जी ने सब मनुष्यों के लिए अभयदान मांगा था, ताकि वे निःशंक होकर इस दिन हंस-खेल सकें। इसी प्रकार भविष्य पुराण में नारद जी ने राजा युधिष्ठिर को होली के संबंध में एक कथा सुनाई, वह इस प्रकार है, नारद जी बोले, 'हे नराधिप! फाल्गुन की पूर्णिमा को सब मनुष्यों के लिए अभय दान देना चाहिए, जिससे समस्त प्रजा भय-रहित होकर हंसे और क्रीड़ा करे। डंडा और लाठी लेकर बालक शूरवीरों की तरह गांव के बाहर जाकर होली के लिए लकड़ी और कंडों का संचय करें। उस होलिका-दहन, हास-परिहास और मंत्र उच्चारण से पापात्मा राक्षसी नष्ट हो जाती है।'

प्रतीकों का समझें भावार्थ: विभिन्न पौराणिक कथाओं से बुद्धिमान लोग समझ सकते हैं कि इसका शब्दार्थ लेना युक्ति-संगत नहीं है बल्कि भावार्थ अथवा लक्षणार्थ लेना ही विवेक-सम्मत है क्योंकि केवल लकड़ी और कंडों के दहन से तो सभी अनिष्टों का नाश हो नहीं सकता, न ही कभी ऐसा हुआ है। वास्तव में तो लकड़ी और कंडे, मनुष्य के स्वभाव और उसके कर्मों में जो दुख देने वाली आदतें हैं, जो कटुता, शुष्कता, क्रूरता तथा विकार रूपी झाड़-झंखाड़ हैं, उनके प्रतीक हैं और अग्नि 'योगाग्नि' का प्रतीक है। अतः बुरे संस्कारों, नास्तिकता तथा अभिमान रूप होलिका इत्यादि को परमात्मा रूप दिव्य अग्नि की पाप-दह शक्ति में होम कर देना या योगाग्नि में भस्म कर देना ही 'होलिका-दहन' है। इससे मनुष्य के मन में हर्ष और आह्लाद होना स्वाभाविक है, इसलिए यह हास-परिहास का त्योहार माना गया है।

'अभय दान' देने का अर्थ भी यही है कि हम हिंसा, क्रोध, द्वेष इत्यादि से वशीभूत होकर व्यवहार न करें, जिससे कि हमसे किसी को भय हो। सोचने की बात है कि लकड़ी और कंडों को जलाने से तो 'पापात्मा राक्षसी' का नाश नहीं होगा न? क्योंकि 'पापात्मा राक्षसी' तो हमारे मन में बैठी हुई आसुरी वृत्तियों तथा पापजनक कर्मों की ही सूचिका है। अतः हम ज्ञान-रंग से एक-दूसरे को रंग कर, मन के कुभावों तथा कुसंस्कारों का कचरा दग्ध कर दें- यही होली और होलिकोत्सव का वास्तविक रहस्य है, प्रेरणा है। *

हास्य गजल / सूर्य कुमार पांडेय

क्या करें

उम्र ने यह की है साजिश, क्या करें?
हो गए हैं गाल किशमिश, क्या करें?
ऐसे किशमिश होने का क्या फायदा,
जब उन्हें हम कर रहे 'मिस', क्या करें?
अकड़ बॉडी में है, जाती ही नहीं,
कह रही वह, करिए वर्जिश, क्या करें?
मेन ऑफिस के ही नखरे इतने हैं,
खोल कर इक ब्रांच ऑफिस, क्या करें?
एक से ब्रेकअप, फिर दूजे से तलाक,
जानूं, तू भी निकली सेल्फिश, क्या करें?
अपने घर का है अलग ही संविधान,
कर रहे हम उनकी मालिश, क्या करें?

हास्य व्यंग्य / शरद उपाध्याय

फेसबुकिया नायिका के फाग

प्रिये, अब मन बिल्कुल बदल गया है। होली की नायिकाएं अब फीकी पड़ गई हैं। बस बार-बार फेसबुक पर चिपका हुआ तुम्हारा गुलाबी चेहरा याद आ रहा है। होली आ चुकी है। चारों ओर रंग ही रंग बिखरा पड़ा है। कल्पनाएं हिलोरे ले रही हैं। फेसबुक पर तुम्हारे टीपकर लिखे फाग पर 'लाइक' के साथ 'कमेंट' भी कर चुका हूं। तुम 'ऑफलाइन' हो, पर बार-बार दूसरों की वॉल पर 'कमेंट' की पिचकारियां फेंकती फिर रही हो, यह ठीक नहीं है। यह हमारे शाश्वत प्रेम के खिलाफ है। इससे न जाने कितने रंग भरे गुब्बारे मेरे सीने पर फूटने लगे हैं। तुम्हारे लिए ही एक पुराना 'रंगीन' फोटू, जिसमें बीवी भी नहीं पहचान पाती, फेसबुक पर चिपका रखा है। इसी के सहारे साल भर से हम रसिया गा रहे हैं। तुम्हारा जैसे ही सुंदर मुखड़ा देखते हैं, झट से लाइक कर देते हैं, और बिना पढ़े ही अच्छा सा कमेंट कर डालते हैं। अब इतने सुंदर चेहरे को देखकर भला कहां कुछ पढ़ने-लिखने का मन करता है। अब तुम भी जरा सोचो, इतने दिनों से 'ऑफलाइन' हो। अब होली के अवसर पर थोड़ा-सा डिस्काउंट तो दे दो, चंद पलों के लिए तो 'ऑनलाइन' हो जाओ। देखो, मैंने तुम्हारे लिए कितना त्याग किया है। लाख 'डिसलाइक' की स्थिति होने पर भी सैंकड़ों-हजारों बार 'लाइक' किया। यही सोचकर कि अब कुछ तो तुम्हारी तरफ से अबीर उड़ेगा। कभी तो तुम मेरे साथ फाग गाओगी। अभी-अभी तुमने होली पर जो प्रेम का रसिया वॉल पर डाला है, दसवीं कक्षा की किताब से नकल करने के बाद भी अच्छा है। हालांकि उसमें मात्राओं की कई गलतियां हैं, पर कोई बात नहीं। ये सारी बातें रंगीन भावनाओं के कारण क्षम्य हैं। पर एक बात सच-सच बताओ। ये जो तुमने 'स्टेटस', 'सिंगल' डाल रखा है, वो सच तो है ना! नहीं तो मैं बेकार ही काल्पनिक फाग गाकर होली न निकाल दूं। अब चारों ओर होली का गुलाल उड़ रहा है। मेरा मन भी कर रहा है कि तुम्हारे गोरे गालों पर थोड़ा सा अबीर मल दूं। पर एक बात का डर लगता है, तुमने फेसबुक पर जो सुंदर फोटो डाल रखा है, वो तुम्हारा ही तो है ना? तुम्हारे इस सुंदर फोटो पर विश्वास करके ही होली की धूम को छोड़कर नेट पर बैठा हूं। गूगल प्लस पर तुमने फोटो की जगह 'फूल' डाल रखा है। कहीं तुम मुझे 'फूल' तो नहीं बना रहीं? एक्स पर भी तुम न जाने किनको 'फॉलो' करती नजर आती हो। अब ये बातें सोचता हूं तो दिल बैठ जाता है।

एक बार तुमने कमेंट लिखने में 'जेंडर-मिस्टेक' कर दी तब ऐसा लगा था कि कहीं तुम्हारी आईडी 'फेक' तो नहीं है। भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि ऐसा नहीं हो। मेरा विश्वास है कि ऐसा नहीं होगा। इसीलिए तो बाहर उड़ती हुई गुलाल को छोड़कर मन की पिचकारी लिए 'ऑनलाइन' बैठा तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं। ये 'ऑफलाइन' की लंबी अंधेरी रात कब खत्म होगी। बस आ भी जाओ। किसी बात का बुरा मत मानना। इस सूने जीवन में होली का रंग तो बिखेर दो। मैं कब से नेट खोलकर बैठा हूं। बस एक बार.... तुम्हें होली की कसम! *

लघुकथा / अशोक वाधवाणी

होली है ..!

आत्माराम मित्रों के साथ होली खेलने के लिए सुबह-सुबह सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर घर से निकले। चौराहे पर देखा, ढेर सारे बच्चे पिचकारी से एक-दूसरे को रंग रहे हैं। उन्हें वहां से गुजरते देखकर बच्चे ठिठक गए। इन बच्चों में एक बच्चा जो उम्र में कुछ बड़ा था, बाकी बच्चों से बोला, 'अंकल को जाने दो। गलती से उन्हें रंग लग गया तो हमारी खैर नहीं।'

आत्माराम ने जिज्ञासावश एक बच्चे से इसका कारण पूछा तो उसने बताया, 'थोड़ी देर पहले हमने एक बुजुर्ग पर पिचकारी से रंग डाल दिया था, वे आगबबूला हो गए। हमको मारने के लिए पत्थर तक उठा लिया। हम सब डर कर भाग गए।'

यह सुनकर आत्माराम बच्चों से बोले, 'मैं तो अपने दोस्तों के साथ रंग खेलने जा रहा था। अब शुरुआत तुम बच्चों से ही करूंगा।'

आत्माराम की बात सुनकर सारे बच्चे खुशी से नाच उठे। बच्चों ने 'होली है..!' कहकर उन्हें सर से पांव तक रंग दिया। आत्माराम भी बच्चा बनकर बच्चों की खुशी में शामिल होकर नाचने-गाने लगे। रास्ते से गुजरने वाले लोग बच्चों के साथ एक बुजुर्ग की इस तरह मस्ती देखकर रुक कर देखने लगे। वे सभी अचंभित भाव से मंद-मंद मुस्करा रहे थे। *

कुंडलियां / श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

अंग-अंग में रंग

होली में मुस्काए के, करके तिरछे नैन।
बातों का रस घोल के, गोरी लूटै चैन।
गोरी लूटै चैन, नैन अपने मटकाती।
संकेतों के तीर, चला कर है मुस्काती।
कह 'कोमल' कविराय, नैन से मारे गोली।
अंग-अंग में रंग, रंगीली आई होली।।
होली आई झूम के, मन में उठी तरंग।
अंग-अंग थिरकन लगे, बजते ढोल मृदंग।
बजते ढोल मृदंग, रंग की मस्ती छाई।
एक नया उल्लास, हास ले होली आई।
कह 'कोमल' कविराय, नैन तिरछे कर बोली।
चूक रहे क्यों आज, संग में खेलो होली।।

होली में रंग उड़ाने के साथ कमा सकते हैं अच्छा पैसा

- कई बिजनेस कुछ ही दिन में करा सकते हैं जबरदस्त कमाई
- खाने-पीने की चीजें बेचकर भी हो सकते हैं मालामाल
- हर्बल रंग बेचकर भी आप कमा सकते हैं बढ़िया पैसा
- कर सकते हैं गिफ्ट और हैम्पर्स का भी बिजनेस कर सकते हैं

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

इस दिनों देशभर में चुनाव के साथ होली का भी खुमार छाया हुआ है। हर तरफ होली की रंगत छाई हुई है। होली अब बहुत नजदीक है। चारों ओर रंगों के इस त्योहार को लेकर तैयारियां चल रही हैं। आप भी इस त्योहार में अपनी खुशियों को डबल कर सकते हैं, यानी रंग उड़ाने के साथ अच्छा पैसा भी कमा सकते हैं। बस जरूरत है छोटी सी शुरूआत करने की। त्योहार मनाने के साथ-साथ अगर कमाई भी हो जाए तो आपकी खुशी कई गुना बढ़ जाती है। इसलिए आप भी होली को ध्यान में रखते कुछ बिजनेस आइडिया पर काम करें और अच्छा पैसा कमाएं। रंग और गुलाल, पिचकारी और खिलौनों का बिज़नेस, मिठाई-नमकीन का सामान, पूजा सामग्री, टूर-ट्रेवल, होली इवेंट एक्सपीरियंस, होली हैम्पर्स व गिफ्ट्स और खाने पीने की सामग्री समेत कई बिजनेस आपको कुछ ही दिनों में अच्छा पैसा कमाकर दे सकते हैं। यह आपकी खुशियों को दोगुना-तिगुना कर देंगे। इसमें 1-2 काम तो आप होली के बाद भी जारी रख कर या इसे नियमित में तब्दील कर सकते हैं और बाद में इनका विस्तार भी कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ बिजनेस आईडियाज जो आपको करवा सकते हैं बढ़िया कमाई।

रंगों का व्यापार

होली में रंग न हो ऐसा हो ही नहीं सकता है। रंगों को लेकर लोगों के बीच आजकल काफी जागरूकता देखने को मिल रही है। वह सिंथेटिक और हार्ड कलर की बजाय हर्बल कलर्स को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं। आप हर्बल कलर बेचकर अच्छी कमाई कर सकते हैं। आप इन्हें घर पर खुद ही बना सकते हैं। हर्बल कलर बनाने के लिए आपको गुलाब के पत्ते, इंडिग, मेंहदी, हल्दी, दही आदि की जरूरत होगी। आप यूट्यूब से भी हर्बल कलर बनाना सीख सकते हैं। बड़ों से ज्यादा बच्चे रंग, गुब्बारों और गुलाल की खरीदारी करते हैं। होली पर बच्चे से लेकर बूढ़े तक को रंग, अबीर, गुलाल की तो जरूरत होती ही है। ऐसे में आप रंग बेचने का बिज़नेस शुरू कर सकते हैं। आप घर से ऑर्गेनिक रंग बनाकर भी बेच सकते हैं। बाज़ार में बिकने वाले कैमिकल कलर से बचाव के लिए अब लोग ऑर्गेनिक कलर पर ध्यान देने लगे हैं। ऐसे में आप घर से ही इस बिज़नेस को शुरू कर सकते हैं। इस बिज़नेस को छोटे स्तर पर महज़ 3 से 4 हज़ार की कीमत पर शुरू कर सकते हैं और अच्छे दामों पर बेच सकते हैं।

खाने-पीन की सामग्री

होली के दिन घरों में खूब पकवान बनाए जाते हैं। मिठाई-नमकीन की तो खूब डिमांड होती है। घरों में गुजिया, मट्ठी जैसे कई स्नैक्स बनाए जाते हैं। ऐसे में आप इन्हें बनाने का कच्चा माल भी बेच सकते हैं, या इन्हें बनाकर भी बेच सकते हैं। होली के दिन मेहमानों का स्वागत करने के लिए अलग-अलग प्रकार की मिठाइयां भी तैयार की जाती हैं। आप तरह-तरह की मिठाइयां बनाकर भी बेच सकते हैं। अपना माल घर ही में तैयार कर लें या कारीगर बुलाकर तैयार करा लें। इसके अलावा होली के मौके पर आम तौर पर चलने वाले चावल के पापड़, आलू के पापड़, मैदे के पापड़, साबूदाना के पापड़, चिप्स, भुजिया बनाकर कच्चे ही बेचे जा सकते हैं। होली के समय पर इन सामानों के खरीदार काफी होते हैं, ऐसे में आप लोगों की इन ज़रूरतों को पूरा करके अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

होली इवेंट

आप एक होली इवेंट आयोजित कर लोगों को इस त्योहार को बड़े स्तर पर मनाने का आनंद दे सकते हैं। इसके लिए टिकट रख सकते हैं। ऐसे इवेंट में सबसे जरूरी होगा कि आप एक सुरक्षित माहौल मुहैया कराएं। महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। आप यहां खाने-पीने की सामग्री, पानी, रंग आदि की व्यवस्था कर अलग-अलग इलाकों में रहने में वाले लोगों को एक साथ ला सकते हैं। वैसे भी होली गिले शिकवे भूलने और एक दूसरे को गले लगाकर रंग लगाने का त्योहार है। त्योहार पर ऐसे कार्यक्रम से आपको भी अच्छी कमाई होगी और बच्चे, बूढ़े और जवान एक सुरक्षित महौल में होली को त्योहार मनाकर रोमांचित और खुश होंगे।

होली हैम्पर्स व गिफ्ट्स

होली पर लोग एक-दूसरे को गिफ्ट देना भी पसंद कर सकते हैं। आप गिफ्ट व हैम्पर्स बनाकर पैसा बना सकते हैं। यह ऐसा बिजनेस है जिसे आप होली के बाद भी जारी रख सकते हैं। भारत त्योहारों का देश है और यहां हमेशा कोई न कोई त्योहार मनाया ही जाता है। त्योहार न भी हो तो भी एनिवर्सिरी व बर्थडे जैसे सेलिब्रेशन में भी इनकी जरूरत पड़ती ही है।

पूजा सामग्री

होली से एक दिन पहले होलिका दहन के दिन पूजा भी की जाती है। ऐसे में पूजा के सामान की हर किसी को ज़रूरत होती है। आप होली से पहले पूजा सामाग्री बेचने का भी बिज़नेस शुरू कर सकते हैं। आप धूप, अगरबत्ती, बताशे, फूल, माला इत्यादि को रख कर अच्छे दाम पर ग्राहकों को बेच सकते हैं। यह बिज़नेस केवल होली में ही नहीं बल्कि साल भर चल सकता है। आप इससे अच्छी कमाई कर सकते हैं। इस दिन बच्चों के लिए फलों, बिस्किट, चॉकलेट और अन्य खाद्य सामग्री की माला बनाई जाती है। ऐसे में आप बच्चों की माला बनाने का काम भी कर सकते हैं।

टूर-ट्रेवल

अक्सर लोग काम की तलाश में दूसरे शहर में रहते हैं। होली के मौके पर हर कोई अपने घर आना चाहता है, लेकिन टिकट की मारामारी के बीच उन्हें घर जाने के लिए टिकट नहीं मिलती। ऐसे में आप ट्रैवल ऐजेंट के रूप में टिकट की बुकिंग कर सकते हैं। बस आपके पास प्रिंटर, लैपटॉप और वाइ-फाई कनेक्शन होना चाहिए। होली के मौके पर कई लोगों को ऑफिस से जल्दी छुट्टी भी नहीं मिल पाती। इसलिए वो पहले से टिकट बुक नहीं करा पाते। इसलिए आप उनकी टिकट बुक करने में मदद कर सकते हैं। कई लोग टिकट पाने के लिए थोड़ा ज्यादा पैसा खर्च करने को भी तैयार हो जाते हैं। आप इस बिज़नेस के ज़रिए अच्छी कमाई कर सकते हैं। होली के मौके पर न केवल आप इस त्यौहार का पूरा आनंद ले सकते हैं, बल्कि आप इस त्यौहार को अवसर के रूप में भुना कर अच्छी कमाई भी कर सकते हैं।

एसआईपी में 10% का नियम जल्द बना सकता है करोड़पति

सुझाव

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करना चाहते हैं या कर रहे हैं तो एक बात गांठ बांध लें फिर आपको करोड़पति बनाने से कोई नहीं रोक सकता है। बस जरूरी है तय लक्ष्य के साथ जल्द और सधी हुई शुरूआत करने की। फिर देखना आप आसानी से बिना किसी परेशानी के अपने सपने पूरे कर सकते हैं। अगर आपको ऐसा लगता है कि सिर्फ बड़े निवेश से ही बड़ा फंड तैयार होता है तो आपको इस सोच को बदल लेना चाहिए। आज के समय में ऐसी तमाम स्कीम्स हैं, जिसमें आप अगर छोटे अमाउंट से भी शुरुआत करेंगे तो बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। एसआईपी उसमें से एक है। इसके के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश किया जाता है। इस स्कीम में अगर आप लंबे समय के लिए अनुशासित होकर निवेश करें तो काफी बड़ा फंड जमा कर सकते हैं। एसआईपी के जरिए अगर आप करोड़पति बनना चाहते हैं तो आपको 10% वाला एक फॉर्मूला अच्छे से समझ लेना चाहिए। अगर आप इस फॉर्मूले के साथ सिर्फ 3000 रुपये की भी मासिक एसआईपी शुरू करें तो कुछ ही सालों में आपका करोड़पति बनना तय है। सिर्फ आप इन नियम को अपने पोर्टफोलियों में उतार लें इसके बाद आंखें बंद करके भी निवेश करेंगे तो आपको अमीर बनने से कोई नहीं रोक पाएंगा। तो आइये इस रिपोर्ट के जरीये जानते हैं कि आखिर वह 10 फीसदी वाला फॉर्मूला क्या है जो आपको पूंजीपति यानी करोड़पति बनाएगा।

3000 रुपये से भी शुरू करेंगे निवेश तो होंगे मालामाल

छोटे से निवेश भी आपको मिल सकता है बढ़िया रिटर्न, अनुशासित होकर निवेश करें तो काफी बड़ा फंड जमा कर सकेंगे

एसआईपी के जरिए आप आसानी से करोड़पति बन सकते हैं

क्या 10 प्रतिशत वाला फॉर्मूला

अब हम आपको बताते हैं 10% वाला फॉर्मूला। इसके तहत आप जितने रुपये से भी एसआईपी में निवेश शुरू करते हैं, उसमें हर साल 10 प्रतिशत अमाउंट बढ़ाते जाना है। मान लीजिए कि आप 3,000 रुपये महीने की एसआईपी शुरू करते हैं तो एक साल बाद आपको 3,000 में 10 फीसदी के हिसाब से 300 रुपये बढ़ाने होंगे यानी अगले साल आप 3300 रुपये की एसआईपी पूरे एक साल चलाएंगे। इसके अगले साल में 3,300 का 10 फीसदी यानी 330 का अमाउंट इसमें और एड करना है। इस तरह 3,630 रुपये की एसआईपी आपको पूरे एक साल तक चलानी होगी। उसके अगले साल 3,630 का 10 फीसदी अमाउंट उसी एसआईपी में बढ़ाना है। इस तरह आपको हर साल निवेश की रकम का 10 फीसदी उसमें बढ़ाते रहना है।

अब समझिए कैसे बनेंगे करोड़पति

पहला नियम: 10 फीसदी फॉर्मूले के हिसाब से आपने अगर 25 साल की उम्र पर 3,000 रुपये को एसआईपी में निवेश करना शुरू किया है और इस निवेश को हर साल 10 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ाते हुए लगातार 25 से 30 साल तक जारी रखा तो आप करोड़पति बन जाएंगे। दरअसल, एसआईपी में औसतन रिटर्न 12 फीसदी का माना जाता है। ऐसे में अगर आप इस निवेश को 10 प्रतिशत के फॉर्मूले के साथ 25 सालों तक जारी रखते हैं तो 25 सालों में आपका कुल निवेश 35,40,494 रुपये का होगा। 12 फीसदी के हिसाब से इस पर 92,86,144 रुपये ब्याज मिलेगा और मैच्योरिटी पर आप 1,28,26,638 रुपये के मालिक होंगे।

दूसरा नियम: अगर आप इस निवेश को लगातार 30 सालों तक जारी रखते हैं तो आप 30 सालों में 59,21,785 रुपये इन्वेस्ट करेंगे। 12 फीसदी के हिसाब से ब्याज के तौर पर आपको 2,05,80,586 रुपये मिलेंगे और मैच्योरिटी पर आप 2,65,02,371 रुपये के मालिक बन जाएंगे। इस तरह आप सिर्फ 3,000 रुपये से एसआईपी में निवेश शुरू करके 25 से 30 सालों में खुद को करोड़पति बना सकते हैं।

बिजनेस साइट

एमएम फन सिटी वाटर पार्क में होली पर बरसेंगे खुशियों के रंग

वाटर स्लाइडर, फैमिली पूल, वेव पूल, डीजे विथ रेन डांस के साथ फन, इंटरटेनमेंट का होगा कम्पलीट डोज

मनोरंजन के साथ-साथ इंडियन, चाइनीज के वेज एवं नॉन वेज फूड का भी मजा

रायपुर। गोढ़ी, बकतरा रोड स्थित एमएम फन सिटी, इस होली लोगों के लिए खास होने वाली हैं। वॉटर पार्क में लोग अपने परिवार व दोस्तों के साथ रंग-गुलाल के साथ जमकर होली खेल सकेंगे। साथ ही फन वाटर स्लाइडर, फैमिली पूल, वेव पूल, डीजे विथ रेन डांस, किड्स जोन और टेस्टी फूड का लुत्फ उठा सकेंगे। एमएम फन सिटी वाटर पार्क के संचालक राजेश थोरानी ने बताया कि होली के इस लोकप्रिय पर्व को और भी ज्यादा खास बनाने के लिए एमएम फन सिटी में खास तैयारियां की गई हैं। यहां आने वालों के लिए स्पेशल पैकेज प्लान किए गए हैं। रंग-गुलाल, वाटर पार्क में ही उपलब्ध करवाया जाएगा। फूड पैकेड में वेज-नॉनवेज में वेराइटी मिलेगी। इसमें इंडियन, चायनीज व कॉन्टीनेंटल फूड शामिल है। त्योहार की वजह से वाटर पार्क सुबह 10 बजे से ही खोल दिया जाएगा। लोग दिन-भर फेस्टिवल को इन्जॉय कर सकेंगे। क्योंकि यहां पर जम्पिंग जैक और थंडर लूप आपको ऐसा रोमांच प्रदान करेगा की यह होली आपकी यादगार बन जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि यहां मौजूद वाटर राइड्स का क्लस्टर विभिन्न आकृतियों और मॉडलो के साथ बना हुआ हैं, जो आपकी राइड्स को और मजेदार बना देगा। यहां अन्य लोकप्रिय स्पॉट जैसे बैंक्वेट, रेस्तरां और लॉन हैं। यहां आपके और आपके परिवार के लिए आराम करने की सुविधा है। एयर कंडीशन डीलक्स रुम (सुईट) और लगभग 200 लोगों के लिए बैंक्वेट हॉल है। यही नहीं सभी प्रकार की पार्टी जैसे कारपोरेट पार्टी, बर्थडे पार्टी, मैरिज लॉन, किटी पार्टी, गेट-टू- गेदर आदि के लिए हराभरा लॉन है।

डॉ. सुनील कालडा होली में करेंगे 2 दिन का निशुल्क उपचार

रायपुर। होली मे चिकित्सकों की अनुपलब्धता व मरीजों को होने वाली कठिनाइयों को देखते हुए पचपेढ़ी नाका और चौबे कॉलोनी स्थित कालडा प्लास्टिक कॉस्मेटिक एवं बर्न सेंटर ने रंगो से व्यथित लोगों के लिए 2 दिन का निःशुल्क प्राथमिक उपचार व सलाह की व्यवस्था की हैं। कालडा प्लास्टिक कॉस्मेटिक एवं बर्न सेंटर के संचालक तथा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जन डॉ. सुनील कालडा ने आम जनता से अपील की है कि होली सिर्फ हर्बल रंगों से खेले, ज्वलनशील व चाईनीज रंगों से लापरवाहीपूर्वक होली ना खेले व गुब्बारे को आँखों के आसपास ना मारें। छोटे बच्चों को ज्वलनशील रंगों से दूर रखे व शांतिपूर्वक होली खेले। ज्ञातव्य है कि डॉ. सुनील कालडा विगत 5 वर्षों से होली में लोगो का निःशुल्क इलाज कर रहे है। डॉ. कालडा ने अपील की है कि होली में मिठाईयां की जगह पौधे देवें।

एमएफ में क्या होता है एनएवी, आखिर कैसे किया जाता तय

बिजनेस डेस्क। सभी स्कीम के तहत म्यूचुअल फंड योजनाओं की यूनिट्स (लिक्विड और ओवरनाइट फंड को छोड़कर) सिर्फ संभावित एनएवी (नेट एसेट वैल्यू) पर अलॉट की जाती हैं। म्यूचुअल फंड कट-ऑफ समय के बाद भी आवेदन स्वीकार कर सकता है, लेकिन आपको अगले कारोबारी दिन का एनएवी मिलेगा। किसी म्यूचुअल फंड का एनएवी प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य की तरह दिन-प्रतिदिन के आधार पर बदलता है। म्यूचुअल फंड स्कीम का प्रदर्शन उसकी प्रति यूनिट एनएवी द्वारा दर्शाया जाता है। प्रति यूनिट एनएवी किसी स्कीम की प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य को किसी निश्चित तारीख पर योजना की यूनिट्स की कुल संख्या से विभाजित किया जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसे ऐसे समझा जा सकता है कि अगर किसी म्यूचुअल फंड योजना की प्रतिभूतियों का बाजार मूल्य 200 लाख रुपये है और म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को 10 रुपये की 10 लाख यूनिट जारी की हैं तो फंड की प्रति यूनिट एनएवी 20 रुपये (200लाख/10 लाख) होगा। किसी म्यूचुअल फंड का एनएवी प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य की तरह दिन-प्रतिदिन के आधार पर बदलता है।

आखिर में एनएवी घोषित होती है

शेयरों के उलट, जहां कीमत शेयर बाजार द्वारा संचालित होती है और मिनट-दर-मिनट बदलती रहती है, सेबी म्यूचुअल फंड विनियमों के मुताबिक, बाजार बंद होने के बाद हर ट्रेडिंग दिन के आखिर में म्यूचुअल फंड योजनाओं की एनएवी घोषित की जाती है। सभी स्कीम के तहत म्यूचुअल फंड योजनाओं की यूनिट्स(लिक्विड और ओवरनाइट फंड को छोड़कर) सिर्फ संभावित एनएवी पर अलॉट की जाती हैं। म्यूचुअल फंड कट-ऑफ समय के बाद भी आवेदन स्वीकार कर सकता है, लेकिन आपको अगले कारोबारी दिन का एनएवी मिलेगा।

निवेशकों के लिए एनएवी क्यों है प्रासंगिक : नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) एक निश्चित अवधि में धन प्रभाव को दर्शाता है। जैसे अगर किसी फंड का एनएवी 1 साल0 में 100 रुपये से बढ़कर 118 रुपये हो गया है, तो इसे एक वर्ष में निवेश पर 18% रिटर्न के रूप में समझा जा सकता है। शुद्ध संपत्ति मूल्य तुलना की अनुमति देता है। हालांकि आप सीधे एनएवी पर तुलना नहीं करते हैं, आप एनएवी पर उत्पन्न रिटर्न से तुलना कर सकते हैं। इससे एक कैटेगरी के भीतर और विभिन्न श्रेणियों में फंड के चयन में मदद मिलती है। नेट एसेट वैल्यू फंड द्वारा अपने निवेशकों को कम्यूनिकेशन का एक महत्वपूर्ण साधन है कि फंड कैसा प्रदर्शन कर रहा है क्योंकि पोर्टफोलियो का खुलासा केवल मासिक आधार पर होता है।

एडवांस वॉर्निंग सिस्टम : एनएवी निवेशकों के लिए एडवांस वॉर्निंग सिस्टम के रूप में काम कर सकता है। जैसे अगर किसी इक्विटी फंड के एनएवी में बढ़ोतरी या एनएवी में गिरावट सूचकांक के साथ तालमेल से बाहर है, तो निवेशकों के लिए करीब से देखने के लिए कुछ तो है। नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) की गणना प्रतिदिन की जाती है और यह निवेशकों को उनके फंड के प्रदर्शन का आकलन करने में सहायता करती है।

क्या है नेट एसेट वैल्यू फॉर्मूला

एसबीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक, नेट एसेट मूल्य (एनएवी) का कैलकुलेशन निम्न फॉर्मूला के तहत निकाला जा सकता है:-

एसेट का शुद्ध मूल्य=(कुल संपत्ति-कुल देनदारियां)/फंड की कुल बकाया यूनिट्स नेट एसेट वैल्यू के फॉर्मूला को समझने के बाद, अगला कदम नेट एसेट वैल्यू में परिवर्तनों को समझना जरूरी है।

कुरैन की फिफ्टी, 4 विकेट से जीता पंजाब, फीकी रही पंत की वापसी

आईपीएल
सैम और लियाम ने की 67 रन की साझेदारी

एजेंसी ▶▶ मोहाली

पंजाब किंग्स ने शनिवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को चार विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। ऋषभ पंत 14 महीने बाद मैदान पर वापसी का जश्न जीत से नहीं मना सके। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद नौ विकेट पर 174 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में पंजाब ने छह विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाकर मैच जीत लिया।

पंजाब के सैम कुरैन ने 47 गेंद पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 63 रन बनाए जबकि लियाम लिविंगस्टोन ने 21 गेंद पर नाबाद 38 रन बनाए जिसमें दो चौके और तीन छक्के शामिल हैं। इसमें सुमित कुमार पर अंतिम ओवर में जमाया गया विजयी छक्का भी शामिल है जिससे पंजाब ने 19.2 ओवर में 6 विकेट पर 177 रन बना कर जीत दर्ज की।

ऋषभ की वापसी पर गूगल की स्पेशल पोस्ट

भारत के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी जमकर सुर्खियों में है। वह शनिवार को आईपीएल 2024 में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स मैच में मैदान पर उतरे। उन्होंने 15 महीने बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में कमबैक किया है। पंत का दिसंबर 2022 में भयानक कार एक्सीडेंट हुआ था, जिसमें गंभीर चोटें आईं। उन्हें सर्जरी करानी पड़ी और लंबे समय तक रिहैब से गुजरना पड़ा। 454 दिन बाद पंत की वापसी पर फैंस और क्रिकेट एक्सपर्ट काफी खुश हैं। वहीं, गूगल ने भी उन्हें लेकर स्पेशल पोस्ट शेयर की। गूगल इंडिया ने पीबीकेएस वर्सेस डीसी मैच शुरू होने से कुछ देर पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पंत के स्वागत में पोस्ट साझा की। गूगल ने लिखा, 'काफी लंबा इंतजार करना पड़ा, वापसी पर स्वागत है'। गूगल की पोस्ट में एक स्क्रीनशॉट भी है, जिसमें सवाल है कि 25/12/2022 को कितना वक्त गुजर चुका है? जवाब में लिखा है, '454 दिन'। वह 25 दिसंबर 2022 को आखिरी बार बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में मैदान पर उतरे थे। बता दें कि पंत ने कमबैक मैच में 13 गेंदों में 2 चौकों की मदद से 18 रन बनाए।

पंत ने बनाए 18 रन

दिसंबर 2022 में सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद अपना पहला मैच खेल रहे पंत ने 13 गेंद पर 18 रन बनाए जिसमें दो आकर्षक चौके शामिल हैं। दिल्ली के कप्तान पंत भी हालांकि अपने अन्य बल्लेबाजों डेविड वार्नर (29 रन), मिशेल मार्श (20), शाई होप (33) और अक्षर पटेल (21) की तरह अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए।

पोरेल ने एक ओवर में बनाए 25 रन

पोरेल को इंपैक्ट प्लेयर के रूप में उतारा गया और वह टीम प्रबंधन के फैसले पर खरा उतरे। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और दो छक्के लगाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने हर्षल पटेल (दो विकेट) के पारी के अंतिम ओवर में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 25 रन बटोर कर उनका गेंदबाजी विश्लेषण बिगाड़ दिया।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
वॉर्नर का शर्मा बो पटेल	29	21	3	2
मार्श का चाहर बो अर्शदीप	20	12	2	2
होप का बरार बो रबाडा	33	25	2	2
पंत का बेयरस्टो बो पटेल	18	13	2	0
भुई का शर्मा बो बरार	03	07	0	0
स्टब्स का शशांक बो चाहर	05	08	0	0
अक्षर पटेल रन आउट	21	13	2	1
सुमित का शर्मा बो अर्शदीप	02	09	0	0
अभिषेक पोरेल नाबाद	32	10	4	2
कुलदीप यादव रन आउट	01	02	0	0

अतिरिक्त : 10, कुल : 20 ओवर में 174/9
गेंदबाजी : कुरैन 1-0-10-0, अर्शदीप 4-0-28-2, रबाडा 4-0-36-1, बरार 3-0-14-1, चाहर 4-0-33-1, हर्षल 4-0-47-2.

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
शिखर धवन बो शर्मा	22	16	4	0
जॉनी बेयरस्टो रन आउट	09	03	2	0
प्रभसिमरन का वॉर्नर बो कुलदीप	26	17	5	0
सैम करन बो अहमद	63	47	6	1
जितेश स्ट पंत बो कुलदीप	09	09	1	0
लियाम लिविंगस्टोन नाबाद	38	21	2	3
शशांक पंत बो अहमद	00	01	0	0
हरप्रीत बरार नाबाद	02	02	0	0

अतिरिक्त : 08, कुल : 19.2 ओवर में 177/6
गेंदबाजी : अहमद 4-0-43-2, इशांत 2-0-16-1, मार्श 4-0-52-0, अक्षर 4-0-25-0, कुलदीप 4-0-20-2, सुमित 1.2-0-19-0.

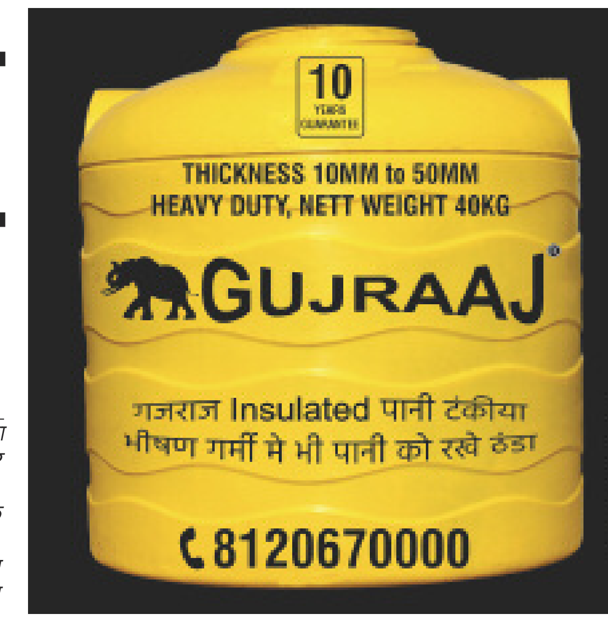

खास खबर

मुंबई में रोहित की विरासत आगे बढ़ाने की शुरुआत करेंगे हार्दिक

अहमदाबाद। हार्दिक पंड्या रविवार को यहां जब अपनी पूर्व टीम गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग में पहली बार मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे तो उनका लक्ष्य अपने पूर्ववर्ती रोहित शर्मा की विरासत को आगे बढ़ाना होगा। हार्दिक की अगुवाई में टाइटंस ने अपने पदार्पण सत्र में ही खिताब जीता था जबकि पिछली बार वह उपविजेता रहा था। यह ऑलराउंडर हालांकि इस सत्र में वापस मुंबई से जुड़ गया जहां उन्हें रोहित के स्थान पर कप्तान नियुक्त किया गया है। हार्दिक इसके साथ ही वनडे विश्व कप में चोटिल होने के बाद किसी टूर्नामेंट में खेलेंगे। टाइटंस ने हार्दिक की जगह शुभमन गिल को अपना कप्तान नियुक्त किया है जिन्हें कप्तानी का बहुत कम अनुभव है।

खबर संक्षेप

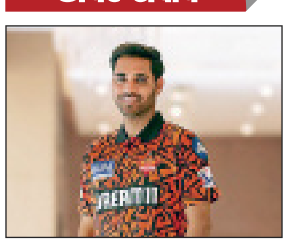

भुवनेश्वर रचेंगे इतिहास 150 विकेट से सिर्फ 4 दूर

मुंबई। भुवनेश्वर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं. वह सनराइजर्स के लिए 150 विकेट लेने से सिर्फ 4 विकेट दूर हैं। भुवनेश्वर लीग में किसी एक फ्रेंचाइजी के लिए 150 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन सकते हैं। अब तक केवल लसिथ मलिंगा (मुंबई) और सुनील नरेन (कोलकाता) ने आईपीएल में एक टीम के लिए 150 या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। अब इस लिस्ट में भुवनेश्वर शामिल हो सकते हैं। आईपीएल के ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तो भुवनेश्वर के खाते में 170 विकेट हैं। वह सनराइजर्स हैदराबाद से पहले पुणे वॉरियर्स इंडिया टीम के सदस्य थे। उन्होंने दोनों टीमों के लिए कुल 160 मैच खेले हैं।

वसीम का यू-टर्न अपनी बात से पलटे

कराची। पाकिस्तान सुपर लीग के फाइनल में स्मोकिंग को लेकर चर्चा में आए इमाद वसीम अपनी बात से पलट गए हैं। टी20 वर्ल्ड कप को लेकर उन्होंने बड़ा फैसला लिया है। इमाद ने इस्लामाबाद यूनाइटेड की टीम को चैंपियन बनाने में बड़ा योगदान दिया था। उन्होंने फाइनल में मुल्तान सुल्तांस के खिलाफ फाइनल मैच में 5 विकेट लिए थे। अब इमाद ने टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का मन बनाया है।ऑलराउंडर इमाद वसीम ने रिटायरमेंट से वापसी की घोषणा कर दी है। इससे वह जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान की नेशनल मेंस टीम के लिए उपलब्ध हो जाएंगे।

पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष शहरयार खान नहीं रहे

लाहौर। भारत के साथ 2000 के दशक के शुरुआती वर्षों में क्रिकेट रिश्ते बहाल करने में अहम भूमिका निभाने वाले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शहरयार खान का शनिवार को निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। पूर्व भारतीय कप्तान मंसूर अली खान पटौदी के रिश्तेदार शहरयार खान लंबे समय से बीमार थे। उनका जन्म भोपाल में हुआ था। वह 1990 से 1994 के बीच पाकिस्तान के विदेश सचिव रहे। इसके अलावा वह भारत और यूनाइटेड किंगडम में पाकिस्तान के उच्चायुक्त भी रहे। शहरयार पहली बार 2003 से 2006 के बीच पीसीबी के अध्यक्ष बने।

रसेल और सॉल्ट के बाद हर्षित की गेंदबाजी से जीता केकेआर

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स ने शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग के रोमांचक मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को चार रन से हराकर अपना अभियान जीत से शुरू किया। विकेटकीपर बल्लेबाज फिल सॉल्ट (54 रन) के संयमित अर्धशतक के बाद आंद्रे रसेल के 25 गेंद में तूफानी नाबाद 64 रन के बाद हर्षित राणा की अंतिम ओवर में की गई शानदार गेंदबाजी की बदौलत जीत मिली।

केकेआर ने जहां धीमी शुरुआत से उबरते हुए सात विकेट पर 208 रन बनाए। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद हेनरिक क्लासेन की आठ छक्कों जड़ित 63 रन की अर्धशतकीय पारी से जीत के करीब पहुंचकर 20 ओवर में सात विकेट पर 204 रन ही बना पायी। क्लासेन अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद पर आउट हो गए, वर्ना मैच का नतीजा कुछ और हो सकता था। 19वें ओवर के बाद स्कोर पांच विकेट पर 196 रन था और जीत के लिए छह गेंद में 13 रन की जरूरत थी जिसे आराम से बनाया जा सकता था।

स्कोर बोर्ड

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4	6
सॉल्ट का यानसेन बो मार्कंडेय	54	40	3	3
सुनील नरेन रन आउट	02	04	0	0
वेंकटेश का यानसेन बो नटराजन	07	05	1	0
अय्यर का कमिंस बो नटराजन	00	02	0	0
नीतिश का त्रिपाठी बो मार्कंडेय	09	11	1	0
रमनदीप का मार्कंडेय बो कमिंस	35	17	1	4
रिंकू का मार्कराम बो नटराजन	23	15	3	0
आंद्रे रसेल नाबाद	64	25	3	7
मिचेल स्टार्क नाबाद	06	03	1	0

अतिरिक्त : 08, कुल : 20 ओवर में 208/7
गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-51-0, यानसेन 3-0-40-0, नटराजन 4-0-32-3, कमिंस 4-0-32-1, मार्कंडेय 4-0-39-2, अहमद 1-0-14-0.

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
मयंक का सिंह बो हर्षित	32	21	4	1
अभिषेक का वरुण बो रसेल	32	19	4	2
त्रिपाठी का हर्षित बो नरेन	20	20	0	1
मार्कराम का सिंह बो वरुण	18	13	2	0
क्लासेन का सूयश बो हर्षित	63	29	0	8
समद का वेंकटेश बो रसेल	15	11	1	1
अहमद का अय्यर बो हर्षित	16	05	1	2
मार्को यानसेन नाबाद	01	01	0	0
पैट कमिंस नाबाद	00	01	0	0

अतिरिक्त : 07, कुल : 20 ओवर में 204/7
गेंदबाजी : स्टार्क 4-0-53-0, हर्षित 4-0-33-3, चक्रवर्ती 4-0-55-1, नरेन 4-0-19-1, रसेल 2-0-25-2, सूयश 2-0-18-0.

वर्ल्ड चैंपियनशिप टीम में कार्तिक-गुलवीर शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने 30 मार्च को सर्बिया के बेलग्रेड में होने वाली 'वर्ल्ड क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप' में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए छह सदस्यीय टीम में एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता कार्तिक कुमार को चुना है। टीम में शीर्ष स्तर के एथलीट शामिल हैं जिनमें एशियाई खेलों के पदक विजेता और राष्ट्रीय चैंपियन भी शामिल हैं। एशियाई खेलों में 10,000 मीटर के रजत पदक विजेता कार्तिक कुमार, कांस्य पदक विजेता गुलवीर सिंह और राष्ट्रीय चैंपियन हेमराज गुज्जर पुरुष वर्ग में हिस्सा लेंगे। गुलवीर ने हाल में पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ स्पर्धा में 16 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था। 25 साल के इस खिलाड़ी ने 27.41.81 सेकंड का समय निकालकर 2008 में सुरेंद्र सिंह के 28:02.89 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को 20 सेकंड से बेहतर किया। लेकिन उनका यह प्रयास उन्हें ओलंपिक कोटा दिलाने में विफल रहा क्योंकि वह पेरिस खेलों के 27:00.00 के क्वालीफिकेशन समय से 41 सेकंड से चूक गए थे।

लखनऊ और राजस्थान के मैच में राहुल पर रहेगी नजर

जयपुर। लखनऊ सुपर जाइंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच के दौरान भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल की फॉर्म और फिटनेस पर सभी की नजर टिकी रहेगी।राहुल चोटिल होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम चार टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। लखनऊ का कप्तान न सिर्फ एक बल्लेबाज बल्कि नेतृत्वकर्ता के रूप में भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगा। लखनऊ की टीम उनकी अगुवाई में पिछले दो सत्र में प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही थी। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन भी आईसीसी टूर्नामेंट के लिए विकेटकीपर के रूप में भारतीय टीम में जगह बनाने के दावेदार हैं और वह भी शुरू से अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। रॉयल्स की टीम 2022 में फाइनल में पहुंची थी जहां उसे गुजरात टाइटंस से हार का सामना करना पड़ा था।

पिछले 16 महीनों में पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे श्रीकांत

एजेंसी ▶▶ बासेल

किदांबी श्रीकांत ने पिछले 16 महीनों में पहली बार किसी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचकर स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती भी बरकरार रखी। इस सत्र में अपना आठवां टूर्नामेंट खेल रहे श्रीकांत ने चीनी ताइपे के चिया हाओ ली को 35 मिनट तक चले मुकाबले में सीधे गेम में 21-10, 21-14 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया।

श्रीकांत इससे पहले आखिरी बार नवंबर 2022 में हाइलो ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत का अगला मुकाबला चीनी ताइपे के विश्व के 22वें नंबर खिलाड़ी से लिन चुन यी होगा। भारत के एक अन्य खिलाड़ी किरण जॉर्ज को हालांकि क्वार्टर फाइनल के एक संघर्षपूर्ण मैच में डेनमार्क के रासमस गेम्के से 23-21, 17-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी प्रियांशु राजावत भी चाउ टीएन चेन से 15-21, 19-21 से हारकर बाहर हो गए।

फुटबॉल...

सिडनी। वांडर्स फुटबॉल पार्क में वेस्टर्न सिडनी वांडरर्स और वेस्टर्न यूनाइटेड के बीच ए-लीग महिला राउंड 21 मैच के दौरान गेंद के लिए जूझतीं खिलाड़ी।

छेत्री 26 को खेलेंगे 150वां अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ सीनियर पदार्पण करने के करीब दो दशक बाद भारत के करिश्माई फुटबॉलर सुनील छेत्री एक और उपलब्धि हासिल करने को तैयार हैं। वह मंगलवार को गुवाहाटी में अफगानिस्तान के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में अपना 150वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने उतरेंगे। छेत्री इस उपलब्धि से 150 या इससे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले फुटबॉलरों की सूची में दुनिया के 40वें खिलाड़ी बन जाएंगे।

इंडियन बैंक | Indian Bank

शुद्धि-पत्र

... 22.03.2024 को हरिभूमि, रायपुर संस्करण में प्रकाशित ई-नीलामी विक्रय सूचना के ... "इंडियन बैंक" पढ़ा जाये।
अन्य नियम एवं शर्तें यथावत् रहेंगी।

प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

भारत और इंग्लैंड मैच के दौरान कमेंट्री में व्यस्त थे कार्तिक

क्रिकेट और कमेंट्री के बीच सामंजस्य बिठाना चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चेन्नई

अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक कमेंट्री से जुड़ी अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण पर्याप्त अभ्यास नहीं करने के बावजूद इंडियन प्रीमियर लीग के शुरुआती मैच में कुछ रन बनाकर खुश हैं।

पिछले आईपीएल के बाद कार्तिक ने विजय हजारे ट्रॉफी के रूप में एकमात्र क्रिकेट टूर्नामेंट खेला था। वह भारत और इंग्लैंड के बीच हाल में समाप्त हुई टेस्ट श्रृंखला के दौरान कमेंट्री करने में व्यस्त थे। उन्होंने स्वीकार किया कि इस दौरान अभ्यास के लिए समय निकालना बहुत मुश्किल था।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बल्लेबाज कार्तिक ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 26 गेंद पर नाबाद 38 रन बनाए जिससे उनकी टीम 6 विकेट पर 173 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में सफल रही। कार्तिक ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, 'कमेंट्री करते हुए टेस्ट मैचों के बीच क्रिकेट खेलने के लिए समय निकालना बेहद चुनौती पूर्ण था। मुझे जो भी समय मिलता था उसमें मैं कड़ी मेहनत करता था।'

बेहद प्रभावशाली रही गायकवाड़ की कप्तानी

चेन्नई। अपने जमाने की दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर चेन्नई सुपर किंग्स के नए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व कौशल से बेहद प्रभावित हैं। महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल से ठीक पहले गायकवाड़ को कप्तानी सौंप दी थी जिन्होंने इस करिश्माई कप्तान की देखरेख में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ मैच में प्रभावशाली प्रदर्शन करके अपनी टीम को 6 विकेट से जीत दिलाई। गावस्कर ने मैच के बाद कहा, 'निश्चित तौर पर कप्तान के रूप में आपका पदार्पण बेहद महत्वपूर्ण होता है। आप अपने कप्तानी करियर का आगाज जीत से करना चाहते हैं और यही हुआ। उसने जिस तरह से गेंदबाजी में बदलाव किए वह प्रभावशाली था।'

समुद्र की गहराई में मिली 5 हजार साल पुरानी कलाकृतियां

पानी के नीचे मिले अलग-अलग समयकाल के 10 जहाज के मलबे, सबसे पुराने डूबे हुए जहाज के टुकड़े 3000 ईसा पूर्व के

एजेंसी ▶▶| एथेंस

यूरोपीय शोधकर्ताओं ने हाल ही में ग्रीक के समुद्र में कई प्राचीन जहाजों के टुकड़े खोजे हैं। इनमें से कुछ हजारों साल पुराने हैं। यह इतिहास किसी खजाने से कम नहीं है। ग्रीक संस्कृति मंत्रालय के एक विभाग की ओर से एक विज्ञप्ति जारी की गई। इसमें बताया गया कि मलबे कासोस द्वीप के आसपास के पानी में पाए गए। सर्वेक्षण अक्टूबर 2023 में पूरा हुआ था। विज्ञप्ति में कहा गया कि अधिकारियों को कुल 10 जहाजों के मलबे मिले थे। इसके साथ ही कई महत्वपूर्ण खोज की गई है।

ओटोमन साम्राज्य के समय के मलबे और कलाकृतियां मिलीं

साइट पर सबसे पुराने डूबे हुए जहाजों से टुकड़े 3000 ईसा पूर्व के हैं।

वहीं सबसे नया जहाज दूसरे विश्वयुद्ध का है। इसमें क्लासिकल पीरियड (460 ईसा पूर्व) हेलेनिस्टिक ग्रीस (100 ईसा पूर्व से 100 ईस्वी) और रोमन ग्रीस (200 ईसा पूर्व से 300 ईस्वी) के जहाज के टुकड़े पाए गए। शोधकर्ताओं को मध्ययुगीन काल और ओटोमन साम्राज्य के समय के मलबे और कलाकृतियां मिलीं। मलबे की जांच करने के लिए शोधकर्ताओं ने 154 फीट की गहराई तक गोता लगाया।

प्राचीन जहाजों के डूबे हुए अवशेष मिले

ग्रीक संस्कृति मंत्रालय ने कहा, 'कलाकृतियों के अध्ययन ने इतिहास के पहलुओं के साथ-साथ भूमध्य सागर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में नई जानकारी और पुरातात्विक डेटा दिया है।' स्पेन, इटली, अफ्रीका और तुर्की के तटों से माल लेकर आने वाले प्राचीन जहाजों के डूबे हुए अवशेष मिले हैं। ग्रीक और विदेशी शोधकर्ताओं और प्रोफेसरों की एक टीम ने इनका पता लगाया।

क्या-क्या मिला पानी के नीचे

रिपोर्ट में कहा गया कि हजारों साल पुराने स्पेनिश मिट्टी के बर्तन मिले हैं। इनका इस्तेमाल जैतून के तेलों के लिए किया जाता था। शोधकर्ताओं ने रोमन ग्रीस काल के अफ्रीका में बने बर्तन और बोतलों को खोजा है। साथ ही ग्रीक पुरातन काल (800 ईसा पूर्व से 480 ईसा पूर्व) का एक लंगर भी मिला जो पत्थर का बना है। साइड स्कैनिंग सोनार मशीन के इस्तेमाल से पहली बार इस क्षेत्र की मैपिंग की गई।

होली के दिन लगने जा रहा है इस साल का पहला चंद्र ग्रहण

नई दिल्ली। इस साल का पहला चंद्र ग्रहण 25 मार्च को लगने जा रहा है। होली के दिन लगने वाले चंद्र ग्रहण को लेकर कई लोग दुविधा में हैं। वह जानना चाहते हैं कि क्या यह भारत में दिखाई देगा। यह ग्रहण यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, उत्तर-पूर्व एशिया, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका आदि में दिखाई देगा। ग्रहण भारत में प्रभावी नहीं होगा। जानकारी के मुताबिक इस साल दूसरा चंद्र ग्रहण 18 सितंबर को लगेगा। यह आंशिक चंद्र ग्रहण होगा, जिसे यूरोप, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, उत्तर/पश्चिमी अमेरिका, उत्तर पूर्वी दक्षिण अमेरिका आदि में देखा जा सकेगा। 18 सितंबर का चंद्रग्रहण भी भारत में दिखाई नहीं देगा। चंद्रग्रहण 25 मार्च को दोपहर 12.29 बजे शुरू होगा। यह दोपहर 3.01 बजे तक रहेगा। क्योंकि तब भारत में दिन होगा इसलिए यहां ग्रहण दिखाई नहीं देगा। इसके अलावा 8 अप्रैल को दुनिया के कई देशों में पूर्ण सूर्य ग्रहण भी दिखाई देगा। 8 अप्रैल का सूर्य ग्रहण दक्षिण प्रशांत महासागर से शुरू होगा। यह उत्तरी अमेरिका और मैक्सिको से गुजरते हुए कनाडा पहुंचता हुआ दिखाई देगा।

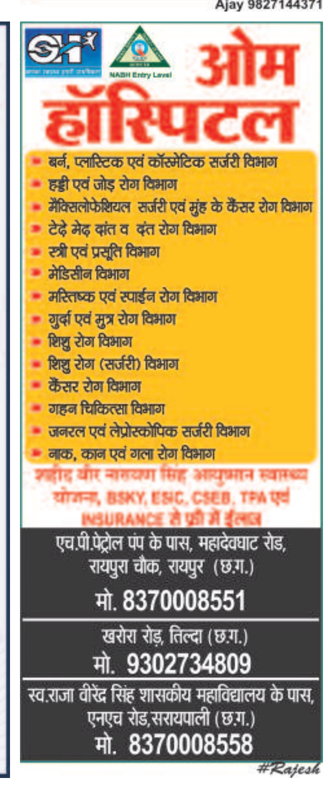

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com